THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 261 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.13 2082 बुधवार, 17 दिसंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

जज कैश कांड-सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा अध्यक्ष को नोटिस

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को नोटिस जारी किया है। जस्टिस यशवंत वर्मा ने याचिका में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए बनाई जांच समिति को चुनौती दी है।

याचिका में जजों की जांच अधिनियम की प्रक्रिया के तहत अकेले लोकसभा से बनाई गई 3 सदस्यों वाली समिति की वैधता को चुनौती दी गई थी। जस्टिस दीपांकर दत्ता और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने लोकसभा स्पीकर के कार्यालय और दोनों सदनों के महासचिवों को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है।

'पुराने संबंधों को जीवित करना होगा'

भारत-जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार : पीएम मोदी

अम्मान, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जॉर्डन दौरे के आखिरी दिन अम्मान में आयोजित इंडिया-जॉर्डन बिजनेस फोरम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भारत और जॉर्डन के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ाने पर चर्चा की। साथ ही प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के व्यवसायिक नेताओं से बातचीत की और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के नए अवसर तलाशने पर जोर दिया और दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग को लेकर अहम बातें भी कहीं।

फोरम में उपस्थित नेताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत, जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों देशों के रिश्ते सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें लंबे समय के मजबूत साझे में बदला जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा कि व्यापार की दुनिया में आंकड़ों की अपनी अहमियत होती है, लेकिन भारत और जॉर्डन का लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाना नहीं, बल्कि भरोसे और साझेदारी पर आधारित भविष्य बनाना है। उन्होंने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय था जब गुजरात से यूरोप तक व्यापार पेट्रा के रास्ते होता था। अब समय आ गया है कि उन पुराने व्यापारिक रास्तों और रिश्तों को फिर से जीवित किया जाए, ताकि आने वाले समय में दोनों देशों को समृद्धि मिल सके।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में आगे बताया कि जॉर्डन के राजा से हुई अपनी मुलाकात में उन्होंने इस बात पर विस्तार से चर्चा की कि कैसे भौगोलिक स्थिति को अवसर में बदला जाए और उन अवसरों से आर्थिक विकास किया जाए। उन्होंने जॉर्डन के नेतृत्व की तारीफ करते हुए कहा कि जॉर्डन आज एक ऐसा सेतु (ब्रिज) बनकर उभरा है, जो अलग-अलग क्षेत्रों के बीच सहयोग बढ़ाने में मदद कर रहा है। जॉर्डन बिजनेस फोरम में पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत की आर्थिक स्थिति पर भी बातचीत की। >14

8 बसें-3 कारें टकराईं 13 जिंदा जले

मथुरा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 8 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी।

हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी हमला करने वाला साजिद हैदराबादी निकला

27 साल पहले देश छोड़ा, आखिरी बार 2022 में भारत आया था : तेलंगाना पुलिस

हैदराबाद/सिडनी, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी लोगों पर हमला करने वाला आतंकी साजिद अकरम भारत का था। वह मूल रूप से तेलंगाना के हैदराबाद का रहने वाला था।

उसने हैदराबाद से बी.काम किया और नौकरी की तलाश में नवंबर 1998 में ऑस्ट्रेलिया चला गया। बाद में उसने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की और वहीं स्थायी रूप से बस गया। साजिद के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था। आतंकी हमले में शामिल साजिद का बेटा नवीद अकरम ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं। साजिद की एक बेटी भी है।

तेलंगाना पुलिस के मुताबिक 1998 से पहले भारत में साजिद के खिलाफ कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी नहीं है। आतंकी हमले में 15 लोगों की मौत हुई है, वहीं 40 से ज्यादा लोग घायल हैं। आतंकी साजिद भी पुलिस की फायरिंग में मारा गया, जबकि उसका बेटा घायल है। भारत में मौजूद साजिद के रिश्तेदारों के मुताबिक, पिछले 27 सालों में साजिद का परिवार से संपर्क बहुत कम रहा। वह ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद छह बार भारत आया। >14

फुटबॉलर मेसी विवाद-पश्मिच बंगाल के स्पोर्ट्स मिनिस्टर का इस्तीफा

मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित, साल्ट लेक स्टेडियम के सीईओ को नौकरी से हटाया

कोलकाता, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में फुटबॉलर लियोनल मेसी के कार्यक्रम में हुई तोड़फोड़ और अव्यवस्था के चलते पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया है। मामले की जांच के लिए 4 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया है, जिसमें सभी आईपीएस अधिकारी होंगे। एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदारी तय होगी।

इसके अलावा खेल विभाग के प्रमुख सचिव राजेश कुमार सिन्हा को शो-कॉज नोटिस जारी किया गया है। सॉल्ट लेक स्टेडियम (वीवाईबीके) के सीईओ डी.के. नंदन की सेवाएं तत्काल प्रभाव से वापस ली गई हैं। दरअसल, अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी 3 दिन के इंडिया टूर पर आए थे। 13 दिसंबर की देर रात करीब 2.30 बजे कोलकाता एयरपोर्ट पहुंचे थे। सुबह 11 बजे मेसी ने कोलकाता में अपने 70 फीट ऊंचे स्टैच्यू का वर्चुअल उद्घाटन किया।

गोवा अग्निकांड-लूथरा ब्रदर्स को थाइलैंड से दिल्ली लाया गया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। गोवा के नाइट क्लब 'बिर्च बाय रोमियो लेन' अग्निकांड मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाइलैंड से दिल्ली लाया गया है। भारतीय सुरक्षा अधिकारी दोनों भाइयों के साथ मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर गोवा पुलिस की एक टीम ने दोनों को एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया जाएगा। ट्रांजिट रिमांड की इजाजत मिलते ही पुलिस दोनों को लेकर गोवा जाएगी। सौरभ और गौरव लूथरा बिर्च नाइट क्लब के मालिक हैं। क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। थाईलैंड पुलिस ने 11 दिसंबर को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया। आज सुबह उन्हें बैंकॉक से भारत डिपोर्ट किया गया था। सूत्रों के अनुसार, 9 दिसंबर को थाई अधिकारियों को पता चला कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियां जिन भाइयों को ढूंढ रही है, वे फुकेट में छिपे हैं। भारतीय एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद थाई अधिकारियों ने पहले ही होटलों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी।

'देखो ओ दीवानों ये काम मत करो, राम का नाम बदनाम मत करो'

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने सरकार की ओर से मनरेगा का नाम बदलने के लिए लोकसभा में लाए गए बिल का विरोध किया। थरूर ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि महात्मा गांधी के रामराज्य का विजन कहीं से भी राजनीतिक नहीं था। यह देश में चुनौतियों से जूझ रहे लोगों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान से प्रेरित ब्लूप्रिंट था। सरकार मनरेगा का नाम बदलकर एक पुरानी विरासत को ही खत्म नहीं कर रही बल्कि राम राज्य की मूल भावना के खिलाफ भी काम कर रही है।

मनरेगा की योजना आम लोगों के लिए उत्थान के लिए थी, राजनीति के लिए नहीं। थरूर ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 'देखो ओ दीवानों ये काम मत करो, राम का नाम बदनाम मत करो'। शशि थरूर ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने का मामला कुछ ऐसा ही है। शशि थरूर ने कहा कि यह मामला राजकोषीय संघवाद के उल्लंघन का मामला है। यह मतलब होता है राज्य सरकारों के बीच वित्तीय शक्तियों और संसाधनों का साफ-साफ बंटवारा। जब इस ढांचे में केंद्र सरकार द्वारा राज्यों के वित्तीय अधिकारों या स्वायत्तता में हस्तक्षेप किया जाता है, तो इसे 'राजकोषीय संघवाद का उल्लंघन' कहा जाता है।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का वेतन दोगुना हो : सोनिया गांधी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को राज्यसभा में अग्रिम मोर्चे पर काम करने वाली महिलाओं की मुश्किलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने आशा और आंगनवाड़ी कर्मियों के वेतन में केंद्र सरकार के योगदान को दोगुना करने और एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) में करीब तीन लाख रिक्त पदों को भरने की मांग की।

शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत काम करने वाले लोग सार्वजनिक सेवाओं में अहम भूमिका निभाते हैं, इसके बावजूद वे काम के बोझ से दबे हुए हैं और उन्हें कम वेतन मिलता है। उन्होंने कहा, देश भर में आशा कार्यकर्ता टीकाकरण, जनजागरूकता, मातृ स्वास्थ्य और परिवार कल्याण जैसे कार्य करती हैं। फिर भी वे कम मानदेय और सीमित सामाजिक सुरक्षा के साथ स्वयंसेवक के रूप में काम कर रही हैं। सोनिया गांधी ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को केंद्र सरकार की ओर से केवल 4,500 रुपये और सहायिकाओं को 2,250 रुपये मासिक मानदेय दिया जाता है। >14

मनरेगा का नाम बदलने की सनक क्यों सवार?

संसद में प्रियंका ने सरकार से पूछा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा आज लोकसभा में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), वीबी-जी रैम जी बिल, 2025 का विरोध किया। यह बिल दो दशक पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनरेगा) की जगह लाने का प्रस्ताव है।

उन्होंने कहा कि इस विधेयक में बदलाव करने पर अपनी आपत्ति दर्ज करना चाहती हूं। एमजीएनरेगा पिछले 20 वर्षों से ग्रामीण भारत को रोजगार देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में सक्षम रहा है। यह कितना क्रांतिकारी कानून है कि जब इसे बनाया गया तो सदन के सभी राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी सहमती दी थी। इसके द्वारा 100 दिन का रोजगार देश के गरीब से गरीब लोगों को मिलता आया है।

73वें संशोधन को नजरअंदाज करने का आरोप

प्रियंका ने आगे कहा कि हम सभी जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों में जाते हैं तो दूर से ही मनरेगा का मजदूर दिखाई देता है। मनरेगा के तहत हमारे गरीब भाई-बहनों को जो रोजगार की कानूनी गारंटी मिलती है, वो इस योजना में मांग के आधार पर संचालित होता है, मतलब जहां-जहां रोजगार की मांग है वहां 100 दिनों का रोजगार अनिवार्य है। इसके साथ ही केंद्र से जो इसके लिए पूंजी जाती है वो भी मांग पर आधारित है। इसमें केंद्र को इजाजत दी गई है कि वो पहले से ही निर्धारित कर लें कि कितनी पूंजी कहां भेजी जाएगी। हालांकि इस नए विधेयक में संविधान के 73वें संशोधन को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस योजना में ग्राम सभाओं के अधिकार को कमजोर किया जा रहा है। स विधेयक के प्रबंधन से रोजगार का कानून कमजोर हो रहा है। यह हमारे संविधान के विपरित है।

मजदूरों की वेतन बढ़ोतरी का कोई जिक्र नहीं

कांग्रेस नेता ने कहा कि मनरेगा में 90 प्रतिशत अनुदान केंद्र से आता था, इस विधेयक के तहत अब ज्यादातर प्रदेशों में यह 60 प्रतिशत आएगा। इससे प्रदेशों की अर्थव्यवस्था पर बहुत भार पड़ेगा खासतौर से उन राज्यों के लिए जो पहले से ही केंद्र से जीएसटी के बकाए का इंतजार में है। इस विधेयक द्वारा केंद्र का नियंत्रण बढ़ाया जा रहा है और जिम्मेदारी घटाई जा रही है। इसे रोजगार के दिन भले ही बढ़ाए जा रहे हैं लेकिन वेतन की बढ़ोतरी की कोई बात नहीं है।

हर योजना का नाम बदलने की सनक

प्रियांका ने कहा कि हर योजना का नाम बदलने की जो सनक है वह समझ में नहीं आती है। जब-जब ये किया जाता है तो केंद्र को पैसे खर्च करने पड़ते हैं। बिना चर्चा के और बिना सदन की सलाह लिए इस तरह जल्दी-जल्दी में विधेयक को पास नहीं कराना चाहिए। ये विधेयक वापस लिया जाना चाहिए, इसके बदले में सरकार को एक नया विधेयक पेस करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी भले ही मेरे परिवार के नहीं थे लेकिन मेरे परिवार जैसे ही हैं और पूरे देश की यही भावना है।

गहन चर्चा और जांच पड़ताल के लिए स्थायी समिति के पास भेजा जाना चाहिए। और कोई भी विधेयक किसी की निजी महत्वकांक्षा, पूर्वाग्रह और सनक के आधार पर पेश नहीं होना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा था कि कांग्रेस इसका विरोध करेगी।

भाजपा को है गांधी से नफरत- प्रमोद तिवारी

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि जनसंघ की शुरुआत से ही भाजपा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति घृणा रखती आई है, वे गोडसे की पूजा करते हैं... आप गांधी परिवार से नफरत करते हैं, आप राष्ट्रपिता से नफरत करते हैं, इसीलिए आप सोनिया गांधी के नेतृत्व में यूपीए सरकार के दौरान शुरू की गई योजना का नाम बदलकर गांधी जी का नाम हटा रहे हैं। यह देश अपने राष्ट्रपिता के लिए लोकतांत्रिक तरीके से और पूरी ताकत से इसका विरोध करेगा और कांग्रेस पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी। आज वे गांधी जी का नाम हटा रहे हैं, कल वे इसका नाम गोडसे के नाम पर रख देंगे।

वीबी-जी रैम रजी बिल, 2025 आज लोकसभा में पेश किया जाएगा। नए विधेयक में ग्रामीण परिवारों के प्रत्येक सदस्य को मौजूदा 100 दिनों के बजाय 125 दिनों का वेतनभोगी रोजगार सुनिश्चित किया गया है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक श्रम करने के इच्छुक हों। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित विकास रणनीति के माध्यम से आय सुरक्षा प्रदान करने के साथ-साथ टिकाऊ, उत्पादकता बढ़ाने वाली ग्रामीण संपत्तियों का निर्माण करना है। इसी बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लोकसभा में 'सबका बीमा सबकी रक्षा (बीमा कानूनों में संशोधन) विधेयक, 2025' पेश करने के लिए अवकाश का प्रस्ताव रखेंगी । यह प्रस्तावित विधेयक भारत के बीमा ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रमुख बीमा संबंधी कानूनों में और संशोधन करने के लिए है।

नागपुर में विस्फोटक बनाने वाली कंपनी के ऊपर मंडराता दिखा ड्रोन

सतर्कता बढ़ाई गई

नागपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। रक्षा से जुड़े उत्पाद बनाने वाली नागपुर स्थित सोलर एक्सप्लोसिव्स कंपनी के एयरसट्रिप के ऊपर एक अज्ञात ड्रोन उड़ते हुए देखे जाने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। घटना को लेकर प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक डॉ. हर्ष पोद्दार ने बताया कि इस संबंध में कोंधली पुलिस थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है और जांच जारी है।

अंधेरे के कारण ड्रोन के सटीक आकार पर पता नहीं किया जा सका

बता दें कि 9 दिसंबर को शाम करीब 7:15 बजे, नागपुर अमरावती रोड पर स्थित कंपनी की एयरसट्रिप के ऊपर ड्रोन को उड़ते देखा गया। अधिकारी ने बताया कि अंधेरे के कारण इसका सटीक आकार निर्धारित नहीं किया जा सका। सोलर ग्रुप के सुरक्षाकर्मियों ने आसमान में केवल टिमटिमाती रोशनी देखी। उन्होंने वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को इसकी सूचना दी, जिन्होंने कोंधली पुलिस को सतर्क किया। तत्काल जांच के आदेश दिए गए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीमों ने आसपास के गांवों की तलाशी ली ताकि यह पता लगाया जा सके कि ड्रोन को किसी शादी या निजी समारोह के लिए लॉन्च किया गया था और वह अनजाने में अपने मार्ग से भटक गया था।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने मलकापुर, शिवा और सवांगा गांवों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन ड्रोन के बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है। इन गांवों में दो दिनों तक पुलिस की टीमें भी तैनात रहीं, लेकिन उनके प्रयासों से कोई नतीजा नहीं निकला। खुफिया ब्यूरो (आईबी) की एक टीम भी इस घटना की जांच कर रही है।

लगातार दूसरे दिन एनकाउंटर, दो जवान घायल

एक आतंकवादी के जख्मी होने का अनुमान

श्रीनगर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में मजालता क्षेत्र के सोहन गांव के पास लगातार दूसरे दिन, मंगलवार को आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर जारी है। सूत्रों के मुताबिक, आज सुबह गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप (एसओजी) के दो जवान घायल हो गए हैं। अनुमान है कि इस दौरान आतंकियों को भी गोली लगी है। फिलहाल गोलीबारी रुक गई है, लेकिन पूरे इलाके को कड़े सुरक्षा घेरे में रखा गया है। आतंकियों की संभावित भागने के सभी रास्तों को सील कर दिया गया है। इलाके में अतिरिक्त बल तैनात हैं और सर्च ऑपरेशन जारी है। उधमपुर में सोमवार शाम मुठभेड़ शुरू हुई थी।

चिदंबरम बोले-बिलों के हिंदी शब्द गैर-हिंदी भाषियों का अपमान

75 साल की परंपरा से किसी को दिक्कत नहीं हुई, अब बदलाव क्यों

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने सरकार की तरफ से संसद में पेश होने वाले बिलों के टाइटल में हिंदी शब्दों के इस्तेमाल की बढ़ती प्रथा की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों का अपमान है। चिदंबरम ने कहा कि गैर-हिंदी भाषी लोग ऐसे बिल/एक्ट को नहीं पहचान सकते जिनके टाइटल अंग्रेजी अक्षरों में लिखे हिंदी शब्दों में हों। वे उनका उच्चारण भी नहीं कर सकते। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने सोमवार को मनरेगा के नाम 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रैम जी) बिल, 2025' पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा-यह बदलाव गैर-हिंदी भाषी लोगों और उन राज्यों का अपमान है जिनकी आधिकारिक भाषा हिंदी के अलावा कोई और है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूछा-75 साल की प्रथा में बदलाव जरूरी क्यों

राज्यसभा सांसद चिदंबरम ने सरकार से सवाल किया कि- अभी तक यह प्रथा थी कि बिल का टाइटल अंग्रेजी वर्जन में अंग्रेजी शब्दों में और हिंदी वर्जन में हिंदी शब्दों में लिखा जाता था। 75 साल की इस प्रथा में किसी को दिक्कत नहीं हुई, तो सरकार को बदलाव क्यों करना चाहिए? पिछली सरकारों ने इस वादे को दोहराया है कि अंग्रेजी एक सहयोगी आधिकारिक भाषा बनी रहेगी। मुझे डर है कि यह वादा टूट जाएगा।

क्या है जी राम जी, जिसके नाम पर विवाद

मोदी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (एमजीरेगा) को खत्म कर नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने जा रही है। इसे मौजूदा शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए सूचीबद्ध भी किया गया है। नए बिल में कहा गया है कि इसका उद्देश्य 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। काम के दिनों की संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन कर दी जाएगी।

'भाजपा और उसके सहयोगी क्यों घबरा रहे?'

हेट स्पीच बिल का विरोध करने पर प्रियांक खरगे ने पूछा सवाल

बेलगावी, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नफरती भाषणों (हेट स्पीच) पर रोक लगाने के लिए कर्नाटक की विधानसभा में पेश किए गए विधेयक का विरोध करने पर मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को भाजपा से सवाल पूछा है। खरगे ने कहा कि यह विधेयक विधानसभा में चर्चा के लिए जाएगा। भाजपा और उसके सहयोगी क्यों घबरा रहे हैं? इसका उनसे कोई लेना-देना नहीं है। वहीं, कर्नाटक के मंत्री संतोष लाड ने कहा कि यह विधेयक मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुरूप है। उन्होंने पूछा, हर चीज के लिए एक कानून है, तो हम भी ऐसा कर रहे हैं। इसमें गलत क्या है?

मंत्री मधु बंगारप्पा ने भी इसी तरह का विचार रखते हुए सोशल मीडिया का जिम्मेदारी के साथ इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने कहा, सोशल मीडिया का सही तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए। सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाना दंडनीय होना चाहिए। राज्य सरकार ने विधानसभा में कर्नाटक नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025 पेश किया है। विपक्षी दलों ने इस विधेयक का विरोध किया है। सरकार नफरती भाषण को रोकने के लिए कदम उठा रही है। इसी वजह से कर्नाटक नफरती भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक विधानसभा सत्र में पेश किया गया है। यह विधेयक पिछले कुछ दिनों से राजनीतिक चर्चा का विषय रहा है।

विधेयक में क्या प्रावधान हैं?

सरकार ने बताया कि इस विधेयक के तहत किसी भी व्यक्ति या समूह द्वारा धर्म, जाति, भाषा, जन्मस्थान, लिंग या समुदाय के आधार पर नफरती भाषण देने वालों पर रोक लगाई जाएगी। नफरती भाषण में किसी भी प्रकार की भावनात्मक, मानसिक, शारीरिक, सामाजिक या आर्थिक हानि पहुंचाने की नीयत से उकसाना भी शामिल है। नफरती भाषण का प्रसारण, प्रकाशन और प्रचार करना भी अपराध माना जाएगा। अगर नफरती भाषण कोई जिम्मेदारी वाले पद पर बैठा व्यक्ति दे, तो उसके संगठन या संस्था के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जा सकता है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि यह विधेयक किसी खास राजनीतिक दल या समुदाय को निशाना नहीं बनाता है। बल्कि राज्य में सामाजिक सामंजस्य बनाए रखने और नफरत फैलने से रोकने के लिए है। यह कानून भविष्य में किसी भी सरकार के आने पर लागू होगा। सरकार ने नेताओं, संगठन प्रमुखों और हर व्यक्ति को मंचों और सोशल मीडिया पर बोलते समय सावधान रहने की चेतावनी दी है। इस विधेयक के तहत नफरती भाषण देने वालों को एक से सात साल तक जेल की सजा दी जाएगी। यदि वही अपराध दोबारा किया गया, तो उन्हें दो साल से 10 साल तक जेल और 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक जुर्माना लगेगा।

बार-बार विवाद, और हमें जवाब देना पड़ रहा

> वोट चोरी के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला के पल्ला झाड़ने पर बोले मनोज झा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस की ओर से उठाए गए 'वोट चोरी' के मुद्दे से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का इससे कोई लेना-देना नहीं है। अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') गठबंधन में एक घटक है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या के हिसाब से कांग्रेस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है।

उमर अब्दुल्ला के इस बयान से इंडिया गठबंधन के अंदर खलबली मच गई है। इस मामले पर आरजेडी नेता मनोज झा की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। 'झा ने उमर अब्दुल्ला के बयान पर कहा कि 'उमर अब्दुल्ला बार-बार विवादों में घिर रहे हैं, और हमें जवाब देना पड़ रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि 'जब हम वोटिंग में धांधली और चुनाव आयोग की बात करते हैं, तो यह मुद्दा बहुत अहम हो जाता है।

काम के दिन भी फोन न उठाने, ईमेल का जवाब न देने का अधिकार

महिला सांसद ने क्यों की ऐसी मांग?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। डिजिटल युग में काम और प्राइवेट लाइफ में बैलेंस बनाने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में एक प्राइवेट मेंबर बिल पेश किया है। इस बिल में एम्पलाई वेल्फेयर अथॉरिटी यानी कर्मचारी कल्याण प्राधिकरण बनाने का प्रस्ताव है, जो कर्मचारियों को काम के तय समय और छुट्टियों के दौरान ऑफिस से जुड़े फोन कॉल, ई-मेल और मेसेज का जवाब न देने का अधिकार देगा। 'राइट टू डिस्कनेक्ट बिल , 2025 ' को 5 दिसंबर को पेश करने के बाद सुप्रिया सुले ने एक्स पर कहा कि यह विधेयक डिजिटल कल्चर के कारण होने वाले तनाव और बर्नआउट को कम करके बेहतर लाइफ क्वालिटी और स्वस्थ वर्क–लाइफ बैलेंस को बढ़ावा देगा। संसद में शुक्रवार का दिन निजी सदस्य विधेयकों के लिए रिजर्व होता है। बिल के 'उद्देश्य और कारण' में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि कहीं से भी काम करने वाले मोबाइल कर्मचारियों का अनुपात 70 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। जहां इससे काम में लचीलापन बढ़ता है, वहीं पेशेवर और निजी जीवन की सीमाएं धुंधली होने का खतरा भी रहता है।

कंपनियों पर जुर्माना लगाने का प्रावधान

विधेयक में इस बात पर जोर दिया गया है कि कर्मचारियों की निजी जगह का सम्मान किया जाना चाहिए और उन्हें यह अधिकार मिलना चाहिए कि वे काम के समय के बाहर अपने नियोक्ता के कॉल, ई-मेल या संदेशों का जवाब देने के लिए बाध्य न हों। बिल के प्रावधानों का पालन न करने पर कंपनियों या संस्थाओं पर कर्मचारियों के कुल वेतन का 1 प्रतिशत तक जुर्माना लगाने का प्रस्ताव भी इसमें है। इसके अलावा, बिल में कर्मचारियों और आम नागरिकों को डिजिटल और संचार उपकरणों के संतुलित उपयोग के बारे में जागरूक करने के लिए काउंसलिंग सेवाओं का प्रावधान किया गया है।

डिजिटल तनाव से मुक्ति दिलाने और लोगों से वास्तविक जुड़ाव बढ़ाने के लिए 'डिजिटल डिटॉक्स सेंटर' बनाने का भी सुझाव दिया गया है। साथ ही, बिल में कंपनियों की प्रतिस्पर्धात्मक जरूरतों और अलग-अलग कार्य संस्कृतियों को भी ध्यान में रखा गया है। इसमें लचीलापन रखते हुए यह तय करने की छूट दी गई है कि काम के समय के बाहर काम से जुड़ी शर्तों पर कंपनियां अपने कर्मचारियों से आपसी सहमति से समझौता कर सकती हैं।

खबरें जरा हटके

समुद्र की गहराइयों से निकला 'दानव' देखते ही उड़े लोगों के होश!

समुद्र की गहराइयों में ऐसे कई राज दफ़न है, जिसे आज भी ज्यादातर लोग नहीं जानते. इंसान हर दिन कुछ नया खोजता है और दुनिया के साथ शेयर करता है. लेकिन जब ऐसा लगने लगता है कि इंसानों ने पृथ्वी के कई रहस्य सुलझा लिए हैं, तभी अचानक एक और राज सामने आ जाता है. यूके के ससेक्स में लोगों को समुद्र के किनारे एक ऐसा जीव नजर आया, जिसका रहस्य कोई नहीं समझ पा रहा है. ये जीव किसी एलियन जैसा नजर आ रहा है. इस जीव को सबसे पहले समुद्र के किनारे टहल रहे एक कपल ने देखा. ये कपल होव बीच पर समय बिता रहे थे. तभी चलते हुए उनकी नजर इस भुतहा जीव पर पड़ी. दोनों ही समझ नहीं पाए कि आखिर ये है क्या. इसके बाद उन्होंने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी. कपल का कहना है कि ये जीव पानी से काफी दूर था. ऐसे में ये समुद्र से आया है, इसपर भी शक जताया जा रहा है. तो आखिर ये चीज है क्या?

पहली नजर में समझा था सील

हव्वा मुस्तफा और उनके पार्टनर य्वोंने ने सबसे पहले इस जीव को देखा था. दूर से उन्होंने इसे सील समझा था. इसके बाद वो इसके नजदीक गए. पास से देखते ही उनके होश उड़ गए. ये सील नहीं था. इसके चार पैर थे. इसके बाद उन्होंने इसे भेड़ समझा लेकिन उसकी स्किन काफी पतली थी और उसपर कोई ऊन नहीं था. ऐसे में ये भेड़ भी नहीं थी. सबसे हैरानी की बात ये है कि इसके चार पैर तो थे लेकिन सिर नहीं था. ऐसे में सबसे बड़ी बात ये है कि आखिर ये समुद्र के किनारे आया कैसे? इसे सबसे पहले देखने वाले कपल ने बताया कि उनके लिए सबसे हैरानी की बात ये थी कि इस जीव की स्किन चमक रही थी. ऐसा लग रहा था कि ये अंदर से ग्लो लार रहा है. एक एक्सपर्ट ने बताया कि हो सकता है कि ये भेड़ हो लेकिन अभी तक ये कंफर्म नहीं है. देखने से ऐसा लग रहा है कि ये काफी समय से पानी में था.

मशहूर था दुकान का चौमिन, दूर-दूर से खाने आते थे लोग, चुपके से मिला देते थे घिनौनी चीज!

इंडोनेशिया के बांडुंग शहर में एक स्ट्रीट फूड स्टॉल ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. जालान सिबाडाक में स्थित 'मिए दानाउ टोबा' नाम की यह दुकान 22 साल से नूडल्स (मिए बाबी) बेच रही है और काफी लोकप्रिय है. दूर-दूर से लोग यहां स्वादिष्ट नूडल्स खाने आते थे. लेकिन एक वायरल वीडियो ने सबकुछ बदल दिया.

वीडियो में देखा गया कि पुरुष विक्रेता पेकी (मुस्लिम टोपी) पहने हुए हैं और महिला विक्रेता हिजाब पहने थी. इस पोशाक में दोनों पोर्क से बने नूडल्स परोसते नजर आए. यह वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर अपलोड हुआ, वायरल हो गया. दुकानदारों के गेटअप देखकर कई मुस्लिम कस्टमर यहां से नूडल्स ख़रीदकर ले जाते थे. लेकिन अब पता चला कि इसमें तो सूअर का मांस मिलाया जाता था. इंडोनेशियाई पोर्टल देटिक पर इसका वीडियो शेयर किया गया, जहां से इसने हंगाम मचा दिया. इसे देखने के बाद सोशल मीडिया पर आक्रोश फैल गया. नेटिजन्स ने इसे मुस्लिम ग्राहकों को धोखा देने की कोशिश बताया. कई लोगों ने लिखा कि दुकान में कहीं भी नॉन हलाल फ़ूड का स्टिकर नहीं था. साथ ही दुकानदार मुस्लिम कपड़ों में पोर्क बेचते नजर आए. ये तो मुस्लिमों को धोखा देने की ही कोशिश है. एक यूजर ने सवाल किया कि ऐसे कपड़े पहनकर नॉन-हलाल फूड बेचना कैसे सही है? अगर कोई मुस्लिम ग्राहक गलती से खरीद ले तो? इंडोनेशिया के कानून के मुताबिक नॉन-हलाल प्रोडक्ट्स पर क्लियर इंडिकेशन जरूरी है ताकि कंज्यूमर भ्रमित ना हो. जैसे ही ये मामला गरमाया, वैसे ही दुकान की स्थिति बदल गई. अब स्टॉल के सामने ग्लास पर 'नॉन-हलाल' स्टिकर लगा दिया गया है. साथ ही विक्रेताओं ने पेकी और हिजाब भी उतार दिया है. दुकान में चार विक्रेता व्यस्त थे, तीन नूडल्स पैक कर रहे थे और एक ऑर्डर ले रहा था. यह स्टॉल दानाउ टोबा नाम से जाना जाता है, जो उत्तर सुमात्रा के बैटक लोगों से जुड़ा है, जो ज्यादातर क्रिश्चियन हैं और पोर्क खाते हैं. लेकिन विक्रेताओं ने अपना धर्म छिपाकर मुस्लिमों को भी पोर्क बेच दिया.

गोताखोर ने लगाई समंदर में डुबकी, तभी शरीर में फैला नाइट्रोजन, 10 सालों से फूली है 'गुब्बारे' जैसी बॉडी!

समुद्र की गहराइयों से रोजी-रोटी कमाने वाले डाइवर्स के सामने कई खतरे मंडराते रहते हैं, लेकिन पेरू के एक मछुआरे के साथ जो हुआ, वह दुनिया भर के चिकित्सा विज्ञान के लिए भी एक पेचीदा पहेली बन गया है. एक साधारण सी डाइविंग दुर्घटना ने एलेजांद्रो "विली" रामोस मार्टिनेज की जिंदगी बदल कर रख दी. पेशे से गोताखोर रहे एलेजांद्रो ने आज से 10 साल पहले समंदर में डुबकी लगाई थी, लेकिन तभी एक दुर्घटना में उनका ऑक्सीजन पाइप फट गया. ऐसे में तेजी से पानी की सतह पर आने के कारण उनके शरीर में नाइट्रोजन के बुलबुले ऐसे फंसे कि आज तक नहीं निकल पाए हैं. इस दुर्लभ स्थिति के कारण उनका शरीर किसी गुब्बारे की तरह फूल गया है. यह मामला दुनिया में अपनी तरह का अनोखा है, जहां डॉक्टर्स भी इसका स्थायी इलाज ढूंढ पाने में असमर्थ हैं.

यह घटना साल 2013 की है, जब पेरू के पिस्को तट के पास एलेजांद्रो 30 मीटर से अधिक गहराई में समुद्री भोजन (सीफूड) की तलाश में गोताखोरी कर रहे थे. तभी एक गुजरती नाव ने उनकी ऑक्सीजन की होज पाइप फट गई. ऐसे में उन्हें अपनी जान बचाने के लिए बहुत तेजी से पानी की सतह पर आना पड़ा. गहरे पानी के दबाव से अचानक बाहर आने की इस प्रक्रिया ने उनके शरीर में "डिकंप्रेशन सिकनेस" या "चैम्बर सिकनेस" नामक गंभीर स्थिति पैदा कर दी. इस स्थिति में शरीर के ऊतकों और खून में घुली नाइट्रोजन गैस अचानक बुलबुले बना लेती है. विली के मामले में ये बुलबुले उनकी छाती और बाजुओं में जमा हो गए, जिससे उनका सीना, पेट और बांहें लगातार सूजने लगीं और एक फूले हुए गुब्बारे की तरह दिखने लगीं.

सुविचार
जिन लोगो को हम अपना कहकर बुलाते है, वह भी अपनी औकात दिखाकर जाते है!

सोनिया गांधी ने विजन 2047 पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को दी बधाई

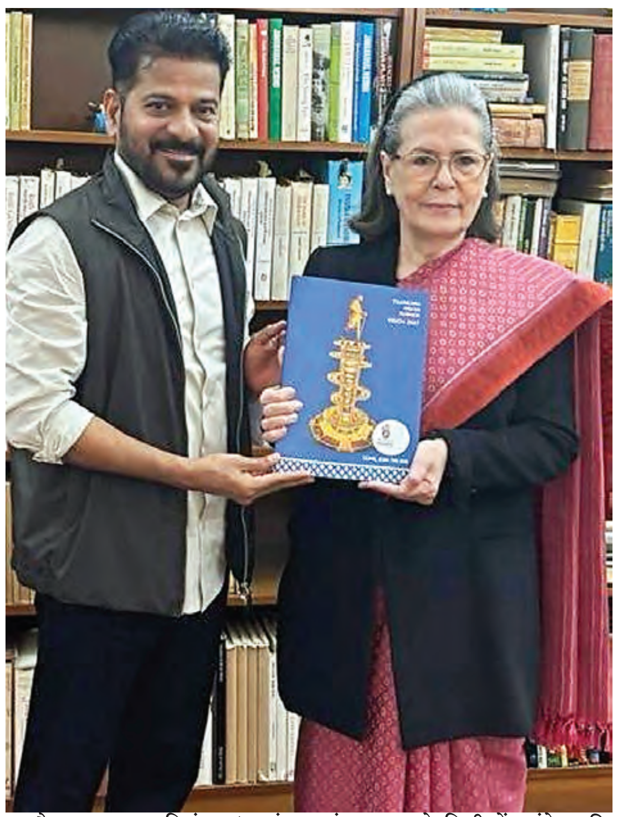

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता को तेलंगाना राइजिंग 2047 विजन डॉक्यूमेंट की एक प्रति भेंट की। उन्होंने 8 और 9 दिसंबर को फ्यूचर सिटी में आयोजित दो दिवसीय तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट-2025 की सफल आयोजन की जानकारी भी दी। रेवंत रेड्डी ने दिसंबर 2023 में पदभार संभालने के बाद से जनता की सरकार द्वारा लागू की गई कल्याणकारी योजनाओं की सफलता से भी सोनिया गांधी को अवगत कराया।

विजन डॉक्यूमेंट और पिछले दो वर्षों में शुरू किए गए विकास कार्यक्रमों के मुख्य उद्देश्यों पर भी चर्चा हुई। सोनिया गांधी ने जनता की सरकार के प्रदर्शन और राज्य के विकास के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की दूरदृष्टि की सराहना की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि रेवंत रेड्डी तेलंगाना राइजिंग-2047 विजन डॉक्यूमेंट के अनुरूप राज्य को विकास के पथ पर आगे बढ़ाएंगे और भविष्य में निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करेंगे।

चंद्रायनगुट्टा हत्या कांड का आरोपी गिरफ्तार

आरोपी मृत बच्चे का सौतेला पिता

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चंद्रायनगुट्टा थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय नाबालिग छात्र की नृशंस हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मृतक का सौतेला पिता बताया गया है। पुलिस ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 7 दिसंबर को दोपहर करीब 1 बजे जी.एम. कॉलोनी, चंद्रायनगुट्टा में आरोपी शेख इमरान (31) ने गुस्से में आकर अपने सौतेले बेटे मास्टर मोहम्मद असगर पर हमला किया। आरोप है कि एक स्थानीय बच्चे की शिकायत के बाद आरोपी ने मासूम को बेरहमी से पीटा और कॉलर पकड़कर उठाते हुए उसका सिर सड़क पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर सिर की चोटें आईं और कान से खून बहने लगा। घटना के तुरंत बाद आरोपी घायल बच्चे को ओवैसी अस्पताल ले गया, जहां से उसे गांधी अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान 12 दिसंबर की सुबह 8:19 बजे बच्चे ने दम तोड़ दिया। इसके बाद पुलिस ने मामला हत्या में तब्दील करते हुए बीएनएस की धारा 103(1) के तहत केस दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जुटाई, जिसमें आरोपी द्वारा बच्चे के साथ मारपीट और उसका सिर सड़क पर पटकने की पुष्टि हुई। विश्वसनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने 16 दिसंबर को रुमान होटल के पास से आरोपी को हिरासत में लेकर गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। यह कार्रवाई एसीपी चंद्रायनगुट्टा ए. सुधाकर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी आर. गोपी, एसआई एस. चंद्रा रेड्डी, एसआई वी. श्रीनिवास राव व उनकी टीम ने की। पुलिस अधिकारियों ने टीम के सराहनीय कार्य के लिए पुरस्कार देने की घोषणा की है।

ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर भीड़ और हथियारों पर रोक

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य चुनाव आयोग ने ग्राम पंचायत चुनाव के तीसरे चरण को देखते हुए मतदान वाले जिलों में सार्वजनिक स्थानों पर तीन या उससे अधिक लोगों के बिना अनुमति इकट्ठा होने पर रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध 18 दिसंबर को सुबह 10 बजे तक लागू रहेगा। चुनाव के दौरान शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आयोग ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों और पुलिस विभाग को निर्देश जारी किए हैं।

निर्देशों के अनुसार, छूट प्राप्त हथियारों को छोड़कर किसी भी तरह के हथियार, लाइसेंसी हथियार सहित, लेकर चलने पर रोक रहेगी। मतदान और मतगणना पूरी होने तक जुलूस, रैली, सार्वजनिक सभा और प्रदर्शन पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा, लिखित अनुमति के बिना लाउडस्पीकर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के इस्तेमाल की इजाजत नहीं होगी। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मतदान और मतगणना के दौरान सार्वजनिक शांति, आपसी सौहार्द और कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न मामलों पर चर्चा की।

शिक्षा विकास हेतु एफआरबीएम सीमा से ऋण छूट की मांग

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर शिक्षा क्षेत्र के विकास के लिए उठाए जा रहे ऋण को एफआरएबीएम (वित्तीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन) सीमा से बाहर रखने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने बताया कि तेलंगाना सरकार ने शिक्षा के सुदृढ़ीकरण के लिए यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल्स (वाईआईआईआरएस) की शुरूआत की है, जिन्हें राज्य की 105 विधानसभा क्षेत्रों में स्थापित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यालय में कक्षा 5 से 12 तक 2,560 छात्र अध्ययन करेंगे। इन स्कूलों से लगभग 2.70 लाख विद्यार्थियों को सीधे लाभ मिलेगा, जबकि आसपास के सरकारी स्कूलों के छात्र भी परोक्ष रूप से लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, स्टेडियम और आधुनिक सुविधाओं से युक्त इन 105 स्कूलों के निर्माण पर लगभग 21,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

इसके अलावा जूनियर, डिग्री, तकनीकी कॉलेजों एवं अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों में बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 9,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता है। इस प्रकार शिक्षा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए कुल 30,000 करोड़ रुपये की जरूरत है।

उन्होंने वित्त मंत्री से आग्रह किया कि एकीकृत स्कूलों के लिए गठित विशेष प्रयोजन इकाई (एसपीसी) के माध्यम से लिए जाने वाले ऋण को एफआरबीएम सीमा से मुक्त किया जाए और शिक्षा पर होने वाले खर्च को मानव संसाधन में निवेश के रूप में देखा जाए। मुख्यमंत्री की प्रस्तुति के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तेलंगाना सरकार की शिक्षा पर विशेष पहल की सराहना की और यंग इंडिया रेजिडेंशियल स्कूल्स की अवधारणा की प्रशंसा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से एसपीसी से संबंधित विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा। इस बैठक में सांसद डॉ. मल्लू रवि, सुरेश शेटकर, चमाला किरण कुमार रेड्डी और मंडाडी अनिल कुमार भी मौजूद रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JC 778942P, Sub, Kumar Neesu,R/o, Dist: Prakasam, A P, changed my Mother's name from Sundarama to Neesu Sundharamma, vide Affidavit No. 282916 dt. 15.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I , JC 778585X, Sub, Ajijul Islam, R/o, Dist: Birbhum, West Bengal, changed my Mother's name from Rsoba Bibi to Rasoba Khatun,vide Affidavit No. 282918 dt. 15.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No.14674145N, Hav, Hari Prasad, R/o, Dist: Mathura, Uttar Pradesh, changed my Mother's name from Rooma Devi to Ruma, vide Affidavit No. 282920 dt.15.12.2025, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Rishi, S/o. Chetan Kumar R/o. 21-7-893, Ghasi Bazar, Charminar, Hyderabad. Changed my name and address as RISHI AGARWAL R/o. 3-4-813/2, Flat No. 403, BVS Venkata Shyam Niwas, Barkath-pura, Hyderabad vide affidavit no. 41AA-438234 dt. 16.12.2025

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सात साल की बेटी को तीसरी मंजिल से फेंका, मौत

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरि पुलिस थाना क्षेत्र के वसंतपुरी कॉलोनी में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक महिला ने अपनी सात साल की बेटी को घर की तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दिया। पुलिस के अनुसार, महिला मोनालिसा ने मंगलवार को अपनी बेटी शेरोन मैरी को इमारत से धक्का दे दिया। नीचे गिरने से बच्ची को गंभीर चोटें आईं। परिवार के लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मलकाजगिरि पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने महिला को हिरासत में ले लिया है और घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

उत्तर जोन पुलिस का बड़ा खुलासा, चोरी के दो मामलों का पर्दाफाश

31 लाख के सोने-चांदी के आभूषण बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर जोन पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में घरों में चोरी की दो बड़ी वारदातों का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए करीब 31 लाख मूल्य के सोने व चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। इन मामलों में आरोपियों ने घर मालिकों के विश्वास का फायदा उठाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। एस. रश्मि पेरुमल, पुलिस उपायुक्त, उत्तर जोन, हैदराबाद ने बताया कि कारखाना थाना क्षेत्र निवासी आभूषण कारोबारी गजावाड़ा श्रीधर (52) ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनके घर से लंबे समय से सोने के आभूषण और सोने की बिस्कुटें गायब हो रही थीं। पुलिस ने जांच के दौरान घर में काम करने वाली नौकरानी उरगड्डा माधवी (35) और उसके पति उरगड्डा कृष्णैया (40) को संदेह के आधार पर हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों

ने बार-बार चोरी कर सोने के आभूषण और बिस्कुट चुराए तथा चोरी किए गए सोने का एक हिस्सा पिघलाकर अपने निजी उपयोग के लिए आभूषण बनवाए। दोनों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से कुल 24.2 तोला सोना बरामद किया गया। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इसी तरह दूसरे मामले में बोलारम थाना क्षेत्र के डोवटन रोड निवासी गृहिणी येल्लू सुजाता (53) ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके घर की अलमारी में रखे सोने और चांदी के आभूषण गायब हैं। उन्होंने जुलाई 2025 में एक नौकरानी को काम पर रखा था। यात्रा से पहले सामान की जांच के दौरान चोरी का पता चला। पुलिस ने मामला दर्ज कर नौकरानी जाजाला सिंधु उर्फ चिन्नारी को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से 5.1 तुला वजनी सोने का हार, 2 तोला पिघला हुआ सोना और 61 तोला चांदी के आभूषण बरामद किए गए। इन मामलों का सफल खुलासा संबंधित थाना पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की सतर्कता व कड़ी मेहनत से संभव हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस टीम की प्रशंसा करते हुए उनके प्रयासों को सराहा। हैदराबाद सिटी पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि घरेलू सहायकों को नियुक्त करने से पहले उनका पूरा सत्यापन कराएं।

बेगम बाजार में महेश बैंक निदेशक मण्डल चुनाव में संस्थापक पैनल की एकतरफा जीत की खुशियां मनाते हुए संस्थापक पैनल के संयोजक रमेश कुमार बंग, लक्ष्मीनारायण राठी, नवनिर्वाचित निदेशक सीए मुरली मनोहर पलोड, गोविन्द नारायण राठी, अमित लड्डा, देवेन्द्र झंवर, दीपक बंग, रूपेश सोनी, कैलाश मंत्री, मनोज लोया, विनोद कुमार बंग, मुकुन्दलाल बाहेती, पवन लोहिया साथ में प्रेम बजाज, सीए कन्हैयालाल राठी, दामोदर बंग, दिनेश बंग, सुमित राठी, घनश्याम बंग, निलेश बंग, सम्पत तोषनीवाल एवं अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे को चार राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने चार राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2025 जीतकर ऊर्जा दक्षता और हरित पहलों में अपनी अग्रणी भूमिका को फिर से साबित किया है। ये पुरस्कार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार समारोह में भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा प्रदान किए गए। इस समारोह का आयोजन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो ने विद्युत मंत्रालय के तहत किया था।

एससीआर को सरकारी भवन श्रेणी में गुंतकल स्थित डीजल ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर (डीटीटीसी) के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इकाई पुरस्कार मिला। इसके अलावा परिवहन/रेलवे स्टेशन श्रेणी में रायचूर, काचिगुडा और लिंगमपल्ली रेलवे स्टेशनों को प्रशस्ति पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट) प्रदान किए गए।

महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया और सौर ऊर्जा के उपयोग, एलईडी लाइटिंग, कुशल एचवीएसी प्रणालियों तथा अन्य ऊर्जा संरक्षण उपायों के माध्यम से ऊर्जा खपत कम करने के निरंतर प्रयासों के लिए रेलवे अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर प्रमुख मुख्य विद्युत अभियंता, मंडल रेल प्रबंधकों और अन्य संबंधित अधिकारियों की भी सराहना की।

विशेष रूप से, काचिगुडा रेलवे स्टेशन ने शून्य (नेट-जीरो ऊर्जा) का दर्जा हासिल किया है, जहां पूरी बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी की जा रही है। एससीआर राष्ट्रीय स्तर पर ऊर्जा संरक्षण में नए मानदंड स्थापित करता जा रहा है।

वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में टूटी वर्षों पुरानी परंपरा

> हलवाई का वेतन रुका, ठाकुर जी का भोग नहीं बना

मथुरा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा-वृंदावन के प्रसिद्ध श्री ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में सोमवार को एक ऐसी स्थिति सामने आई, जिसने भक्तों और मंदिर से जुड़े सेवायतों को चिंतित कर दिया है।

वर्षों से चली आ रही परंपरा के विपरीत ठाकुर बांके बिहारी जी के लिए बाल भोग और शयन भोग तैयार नहीं हो सका। बताया जा रहा है कि मंदिर में नियुक्त हलवाई को कई महीनों से वेतन नहीं मिलने के कारण उसने भोग तैयार करने से इंकार कर दिया। इस कारण सोमवार को ठाकुर जी बिना भोग के ही भक्तों को दर्शन दिए। ठाकुर जी को दोनों भोग नहीं लग पाने की बात सामने आई है। हाई पावर्ड कमिटी मामले में पल्ला झाड़ने में लगी हुई है।

क्या है मामला?

दरअसल, श्री ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हाई पावर कमेटी का गठन किया गया है। इसी कमेटी के अंतर्गत मंदिर में भोग और प्रसाद की व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के लिए हलवाई की नियुक्ति की गई थी। हलवाई को प्रतिमाह करीब 80 हजार रुपये वेतन दिए जाने का प्रावधान किया गया है। हालांकि, पिछले कुछ महीनों से वेतन का भुगतान न होने से हलवाई नाराज हो गया। उसने ठाकुर जी का भोग नहीं बनाया। मंदिर सूत्रों के अनुसार, हलवाई ने कई बार संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन को वेतन भुगतान को लेकर अवगत कराया था, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। आखिर वेतन न मिलने से आहत होकर उसने ठाकुर जी के लिए बाल भोग और शयन भोग तैयार नहीं किया।

चार बार लगता है भोग

मंदिर के गोस्वामी का कहना है कि श्री ठाकुर बांके बिहारी के भोग प्रबंधन का जिम्मा मयंक गुप्ता के पास है। मयंक हलवाई के माध्यम से ठाकुर जी के लिए सुबह में बाल भोग, दोपहर में राजभोग, शाम को उत्थापन भोग और रात को शयव भोग की व्यवस्था करते हैं। हलवाई का बनाया गया भोग ठाकुर जी को चढ़ाया जाता है।

हालांकि, सोमवार को सेवायतों को भोग नहीं मिला। कमेटी सदस्य का कहना है कि सोमवार को मंदिर परिसर में ठाकुर जी के लिए बाल भोग और शाम को शयन भोग नहीं मिलने की जानकारी मिली। मामले में मयंक गुप्ता से पूछताछ की गई तो उसने भुगतान न होने की बात कही। मयंक को भुगतान का आदेश दिया गया है।

एक्टर सोनू सूद और रेसलर खली को दूसरा नोटिस

दुबई से कानपुर पहुंचे 6 लोगों ने ठगी गैंग पर कराई एफआईआर, बोले-इसी पैसे से फतेह फिल्म बनी

कानपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कानपुर की कोतवाली पुलिस ने इंटरनेशनल ठग रवींद्र नाथ सोनी और उसके गैंग के खिलाफ सोमवार देर रात 6 और एफआईआर दर्ज की है। ये सभी दुबई के रहने वाली भारतीय एनआरआई हैं। इन सभी ने बताया कि शातिर ठग की ब्लूचिप कंपनी और फिल्म अभिनेता सोनू सूद के झांसे में फंसकर कंपनी में लाखों-करोड़ों रुपए इन्वेस्ट करते चले गए।

यह भी आरोप लगाया कि अभिनेता ने ठगी की रकम से ही साइबर क्राइम पर आधारित फतेह फिल्म बनाई थी। पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने सभी 6 ठगी के शिकार एनआरआई की तहरीर पर ठग रवींद्र नाथ सोनी और उसकी गैंग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए अब सात निश्चय-तीन कार्यक्रम : नीतीश कुमार

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने के लिए प्रदेश में अब सात निश्चय-तीन कार्यक्रमों को लागू करने का निर्णय लिया गया है। बिहार मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई बैठक में इससे संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी भी दे दी गई है। इस बीच, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बिहार में सुशासन के कार्यक्रमों के तहत सात निश्चय एक और दो में न्याय के साथ विकास से जुड़े निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के बाद अब सात निश्चय-तीन लागू करने का निर्णय लिया गया है।

उन्होंने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर इसकी विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि सात निश्चय-तीन का पहला निश्चय 'दोगुना रोजगार- दोगुनी आय' रखा गया है। इसका उद्देश्य राज्य की प्रति व्यक्ति औसत आय को दोगुना करना है। इसके लिए कई कार्यक्रमों एवं योजनाओं को लागू किया गया है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत हमलोग राज्य की महिलाओं को स्वरोजगार के लिए 10 हजार रुपये दे रहे हैं। इस योजना के लाभुकों को अपना रोजगार आगे बढ़ाने के लिए दो लाख रुपये तक की सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सात निश्चय-तीन का दूसरा निश्चय 'समृद्ध उद्योग- सशक्त बिहार' है। इसके तहत राज्य में तेजी से उद्योगों के विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन उच्चस्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। तीसरे निश्चय में उन्होंने 'कृषि में प्रगति- प्रदेश की समृद्धि' की चर्चा करते हुए कहा कि इसके तहत किसानों की आय बढ़ाने के लिए वर्ष 2024 से 2029 के लिए गठित चौथे कृषि रोड मैप के काम में और तेजी लाई जाएगी। इस दौरान उन्होंने सात निश्चय-तीन में उन्नत शिक्षा-उज्ज्वल भविष्य, सुलभ स्वास्थ्य- सुरक्षित जीवन, मजबूत आधार- आधुनिक विस्तार की बात कही है। उन्होंने आगे लिखा, सात निश्चय-3 का सातवां तथा अंतिम निश्चय 'सबका सम्मान- जीवन आसान' है। इसके तहत राज्य में आधुनिक तकनीक, नवाचार एवं संवेदनशील सुशासन के माध्यम से राज्य के सभी नागरिकों के जीवन को आसान बनाने हेतु कार्य किया जाएगा। उन्होंने अंत में भरोसा जताते हुए कहा कि सात निश्चय-तीन के कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से विकसित बिहार के संकल्प को पूरा करने में मदद मिलेगी तथा बिहार सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो जाएगा।

सांसद इकरा हसन बोलीं

हिजाब पहनना या न पहनना मुस्लिम महिलाओं का निजी फैसला है, बहस का मुद्दा नहीं

शामली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कैराना की सांसद इकरा हसन का हिजाब को लेकर दिया गया बयान सोशल मीडिया पर चर्चा में है। मंगलवार को एक न्यूज़ चैनल का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें एंकर ने देश में हिजाब को लेकर चल रही बहस पर सवाल किया।

यह बहस का विषय ही नहीं होना चाहिए

सवाल के जवाब में सांसद इकरा हसन ने साफ कहा कि देश में इससे कहीं ज्यादा गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर सरकार और मीडिया को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हिजाब पहनना या न पहनना किसी महिला की निजी इच्छा पर निर्भर करता है। इसे ओपन छोड़ा जाना चाहिए। अगर कोई किसी को हिजाब पहनने या न पहनने के लिए मजबूर करता है, तो वह लोकतंत्र नहीं है।'

महिलाओं की आजादी का मामला इकरा हसन ने कहा कि यह फैसला पूरी तरह संबंधित महिलाओं पर छोड़ देना चाहिए और इस पर बार-बार बहस करना ठीक नहीं है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विदेशों में ऐसे मुद्दों को तूल नहीं दिया जाता, बल्कि असली समस्याओं पर ध्यान दिया जाता है। सांसद ने कहा, 'मैं खुद एक मुस्लिम महिला हूं और ऐसे क्षेत्र से आती हूं, जहां सभी समाज की महिलाएं सिर ढकती हैं। यह हमारी संस्कृति है, लेकिन इसे किसी पर थोपा नहीं जाना चाहिए।' उन्होंने दो टूक कहा कि समाज और सरकार को शिक्षा, रोजगार, महंगाई और महिलाओं की सुरक्षा जैसे अहम मुद्दों पर फोकस करना चाहिए, न कि पहनावे को राजनीतिक बहस का विषय बनाना चाहिए।

साइबर गैंग तक पहुंचने के लिए खुद ठग बने पुलिसकर्मी

तब क्रैक हुआ सबसे बड़ा नेटवर्क-32 गिरफ्तार

आगरा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कुछ वर्षों पहले हलवाई की दुकान चलाने वाला नितिन भगौर साइबर ठगी के गैंग से जुड़ने के बाद रातों-रात अमीर बन बैठा। खुद का सफेद कॉलर रखने के लिए उसने दुबई का वीजा लिया और वहां जाकर एक बोगस कंपनी मेडलर ग्लोबल एक्सीलेंस, मेडलर सर्विस ग्रुप बना ली। ठगी कर कमाए रुपयों को कंपनी की आय के रूप में दर्शाकर आराम की जिंदगी जी रहा था। देश में गैंग के सदस्यों से संपर्क रखने और नए सदस्यों को ट्रेंड करने की जिम्मेदारी उसने अपने साथी रवि को दी थी। दुबई में ठगी का सेंटर चलाने के लिए बीच-बीच में देश आकर ट्रेंड युवाओं को अपनी कंपनी के वीजा पर दुबई ले जाता था।

32 साइबर अपराधियों की पूरी बारात पकड़ने के लिए पुलिस को दो महीने तक मेहनत करनी पड़ी। एनसीआरबी पर दर्ज हुई एक शिकायत पर जांच करने के दौरान प्रतिबिंब एप पर पुलिस को साइबर ठगी में शामिल युवक का पता चला। उसने पूछताछ में पुलिस को बताया कि ताजगंज के गोबर चौकी क्षेत्र निवासी रवि राठौर और न्यू सुरक्षा विहार कॉलोनी के नितिन भगौर के लिए काम करता है।

रवि के अपराध में शामिल होने की पुलिस को जल्द ही पुष्टि हो गई लेकिन नितिन तक पहुंचना मुश्किल था। नितिन अपने किसी नंबर, मेल और खाते का इस्तेमाल ठगी के लिए नहीं करता था। डार्क वेब और अन्य एप के माध्यम से ही कुछ खास लोगों से संपर्क करता था। पुलिस ने संदेह के घेरे में आए 200 से ज्यादा नंबरों और उनसे लिंक खातों के बारे में जांच शुरू की। एक संदिग्ध खाते से नितिन ने अपनी कंपनी के खाते में रकम ट्रांसफर कराई थी। इसके बाद पुलिस पूरी चेन पकड़ती चली गई। सोमवार को ताजगंज पुलिस ने ठगों के स्थानीय लीडर रवि राठौर को गिरफ्तार कर लिया है।

रविवार को ताजगंज थाना पुलिस ने 24 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया था। प्राथमिकी में सरगना नितिन समेत दस को नामजद किया था। पूछताछ में सामने आया है कि नितिन के गैंग में हर तरह के साइबर अपराध करने वाले शामिल थे पर कोई एक दूसरे को सीधा नहीं जानते थे। पुलिस को आरोपियों ने बताया कि खाते बेचने वाले लोगों से गैंग के दो सदस्य मिलते थे। वहीं जनसेवा केंद्रों के संचालकों से बैंक खाते खोलने और सिम लेने के लिए दस्तावेज की खरीद करने की जिम्मेदारी अलग व्यक्ति की होती थी। जो भी काम में ट्रेंड हो जाता था। नितिन आगरा आकर उसका टेस्ट लेता था। अच्छे वेतन और कमीशन का लालच देकर कंपनी के वीजा पर दुबई ले जाता था।

'नितिन नबीन को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाना बिहार के लिए सौभाग्य की बात'

पटना, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने पर कहा कि पहली बार यह दायित्व बिहार को दिया गया है, जो प्रदेश के लिए सौभाग्य की बात है। पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी 1980 में बनी। बिहार के एक कार्यकर्ता को यह सौगात और सम्मान मिला है। नितिन नबीन युवाओं में सबसे अधिक ऊर्जावान, पांच बार के विधायक युवा हैं। वे न्यू जेनरेशन के सबसे ऊर्जावान नेता के रूप में माने जाएंगे। इनके पिता के साथ हम लोग काम करते थे। सौभाग्य की बात है कि उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है।

राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि वे जेन जी कहते-कहते 80 साल के खड़गे को ले आए। कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार से बाहर नहीं निकल पाई। भाजपा ने यह बता दिया कि एक कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है। इसलिए पोस्टर लगाने से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का काम भाजपा ही कर सकती है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन ने कांग्रेस पार्टी के लिए उदाहरण पेश किया है। हमारी सोच है कि यह कार्यकर्ता-आधारित पार्टी है। और यह न्यू जेनरेशन जी जेन है।

एक्स पोस्ट में गिरिराज सिंह ने नितीन नबीन के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, "नितिन नबीन से मिलकर उन्हें भारतीय जनता पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उनके नेतृत्व और संगठनात्मक अनुभव से पार्टी को नई दिशा व ऊर्जा मिलेगी।"

दूसरी ओर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए गिरिराज सिंह ने लिखा, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।आपके कुशल नेतृत्व में राजस्थान, पीएम नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के विज़न के अनुरूप विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। ईश्वर आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें।"

दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग फरवरी में होगा स्थापित

मध्य प्रदेश तक 1635 किलोमीटर की यात्रा हो चुकी, 4 जनवरी तक पहुंचेगा विराट रामायण मंदिर

चंपारण, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग 4 जनवरी तक बिहार के पूर्वी चंपारण स्थित चकिया के विराट रामायण मंदिर पहुंचेगा। नए साल में फरवरी तक इस शिवलिंग के विराट रामायण मंदिर में स्थापित होने की उम्मीद है।

शिवलिंग ने अबतक करीब 1635 किलोमीटर की यात्रा कर ली है। यह शिवलिंग तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र होते हुए मध्य प्रदेश पहुंच गया है। अब मध्य प्रदेश के बाद शिवलिंग उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगा। उत्तर प्रदेश में भी विभिन्न जगहों पर स्वागत करने की योजना बनी है। बनारस, मोहनिया होते हुए शिवलिंग बिहार में प्रवेश करेगा।

बिहार में 15 जगहों पर स्वागत करने की योजना

महावीर स्थान न्यास समिति के सचिव सायण कुणाल ने कहा कि अबतक की यात्रा के दौरान भक्त शिवलिंग का स्वागत और पूजा-अर्चना के लिए जमा हो जा रहे हैं। जहां भी वाहन खड़ा किया जा रहा है। वहीं पर पूजा करने के लिए भक्तों की भीड़ जमा हो जा रही है। यह शिवलिंग बिहार में आरा, सकड्डी, छपरा, मसरख, मोहम्मदपुर, कजरिया, केसरिया होते हुए फिर विराट रामायण मंदिर पहुंचेगा। बिहार में 10 से 15 जगहों पर स्वागत करने की योजना है। इस शिवलिंग का वजन 210 मीट्रिक टन है और इस पर 108 सहस्त्रलिंगम तैयार किया गया है।

33 फीट का शिवलिंग एक ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर से बना

इस शिवलिंग का निर्माण तमिलनाडु के महाबलीपुरम के पट्टीकाडु गांव में बीते दस साल से हो रहा था। 33 फीट का शिवलिंग एक ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर है। सड़क मार्ग से इसे 21 नवंबर को महाबलीपुरम से 96 चक्का वाले ट्रक से पूर्वी चंपारण स्थित विराट रामायण मंदिर के लिए रवाना किया गया था। शिवलिंग को रवाना करने के पहले पूजा-पाठ की गई। शिवलिंग निर्माण करने वाली कंपनी के मुताबिक इस शिवलिंग के निर्माण पर करीब 3 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा

रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। विराट रामायण मंदिर का प्रवेश द्वार, गणेश स्थल, सिंह द्वार, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह का पाइलिंग, आदि का काम पूरा हो गया है। आकार में यह मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर और 22 मंदिर होंगे। मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट, चार शिखर की ऊंचाई 180 फीट, एक शिखर की ऊंचाई 135 फीट, आठ शिखर की ऊंचाई 108 फीट और एक शिखर की ऊंचाई 90 फीट होगी।

पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर

सायण कुणाल के मुताबिक 2023 के 20 जून को शिलान्यास के बाद विराट रामायण मंदिर का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। पटना से इस मंदिर की दूरी लगभग में 120 किलोमीटर है। विराट रामायण मंदिर में 4 आश्रम होंगे। चकिया का विराट रामायण मंदिर आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। विराट रामायण मंदिर का निर्माण हो जाने पर यह विश्व का सबसे बड़ा मंदिर होगा।

प्यार के लिए पति की हत्या में पत्नी-ममेरे साले को उम्रकैद

मां के खिलाफ बेटे की गवाही बनी सजा का आधार

अलीगढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ के इगलास में एक दशक पहले संपत्ति व प्यार की खातिर पति रवेंद्र की हत्या की दोषी पत्नी लतेश व ममेरे साले संदीप (कथित प्रेमी) को उम्रकैद से दंडित किया गया है। साथ में 35-35 हजार रुपये अर्थदंड भी नियत किया गया है। यह निर्णय एडीजे प्रथम प्रतिभा सक्सेना की अदालत से सुनाया गया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार यह रिपोर्ट दो जनवरी 2015 को इगलास थाने में बुलंदशहर सिकंदराबाद के तालबपुर कनकपुर के सुरेश ने दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया कि उसका छोटा भाई रवेंद्र उर्फ रवली 28 दिसंबर 2014 को अपनी पत्नी लतेश व ममेरे साले शिवपुरी इगलास के संदीप संग अपने दो छोटे बच्चों सुमित व चंचल को लेकर इगलास गया था। उसके पास एक लाख रुपये था। अगले दिन लतेश दोनों बच्चों को लेकर गांव वापस आ गई, लेकिन उसका भाई नहीं आया। जब लतेश से पूछा तो उसने बताया कि किसी काम से रुक गए हैं। आ जाएंगे। अगले दिन भी रवेंद्र के न आने पर उसकी खोज शुरू की गई। एक जनवरी को इगलास जाकर पुलिस को जानकारी दी गई। काफी खोजने पर जब कुछ पता नहीं चला तब पुलिस को तहरीर देकर संदीप, लतेश व अपने गांव के एक अन्य व्यक्ति पर रुपये हड़पने की नीयत से रवेंद्र को गायब करने का अंदेशा जताकर आरोप लगाया। तीन जनवरी की सुबह रवेंद्र का बोरे में बंद शव इगलास मंडी के पीछे खाली खेत से बरामद किया। साथ में लतेश व संदीप को भी पकड़ लिया। दोनों से पूछताछ में रवेंद्र की हत्या कर शव छिपाना उजागर हुआ। रिपोर्ट में जो एक अन्य व्यक्ति नामजद किया था, उसकी भूमिका उजागर न होने पर पुलिस विवेचना में लतेश व संदीप के खिलाफ चार्जशीट दी गई। इसी चार्जशीट पर सत्र परीक्षण में साक्ष्यों व गवाही के आधार पर लतेश व संदीप को दोषी करार देकर सजा सुनाई है।

मां के खिलाफ बेटे की गवाही बनी सजा का आधार

अभियोजन पक्ष के अनुसार इस घटना में कुल छह गवाह पेश किए गए। इनमें वादी मृतक का बड़ा भाई, घटना के समय मां-पिता के साथ रहा नौ वर्ष का बेटा सुमित के अलावा चार पुलिस के गवाह व चिकित्सक रहे। वादी ने गवाही दी कि उन दोनों भाइयों के हिस्से में गांव में 33 बीघा जमीन थी। इसमें से रवेंद्र की भूमि सरकारी अधिग्रहण में चली गई थी। इसके बदले उसे करीब 30 लाख रुपया मिला। इस रकम से उसने अपनी पत्नी के कहने पर उसके ननिहाल इगलास में एक प्लॉट पत्नी के नाम से खरीदा था।

फॉर्च्यूनर 100 की स्पीड में टकराई, 4 की मौत

उन्नाव, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उन्नाव में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर मंगलवार सुबह 5 बजे भीषण सड़क हादसे में फॉरच्यूनर सवार 4 लोगों की की मौत हो गई। एक्सप्रेस-वे के किमी संख्या- 241 के पास अचानक फॉरच्यूनर का टायर फटा और 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार में बेकाबू कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि फॉरच्यूनर अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। उसकी छत उड़ गई। कार का बोनट पिचक कर ड्राइविंग सीट तक पहुंच गया। मृतकों में एक के चेहरे के दो टुकड़े हो गए। ड्राइविंग सीट के बगल में बैठे युवक की गर्दन टूट गई।

टक्कर के बाद धमाके जैसी आवाज हुई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। 4 मृतकों की पहचान अशोक अग्रवाल, अभिनव अग्रवाल, आकाश गुप्ता और अवनीश कुशल के रूप में हुई है। सभी गाजियाबाद के रहने वाले थे। सुभासपा के एक कार्यक्रम में शिरकत करने लखनऊ जा रहे थे। दरअसल, अशोक सुभासपा के व्यापार प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

पुल से 150 फीट नीचे गिरी कार हेड कॉन्स्टेबल समेत दो की मौत

दो गंभीर; मेरठ में दबिश देकर लौट रहे थे

बागपत, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बागपत में एक स्विफ्ट कार फिसलते हुए बालैनी पुल से हिंडन नदी में गिर गई। हादसे में एक हेड कॉन्स्टेबल समेत दो लोगों की मौत हो गई। दोनों ही मेरठ में दबिश देकर लौट रहे थे। जबकि एक कॉन्स्टेबल सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

मंगलवार तड़के करीब चार बजे जब घायल गुड्डू होश में आया तो उसने पुलिस व अपने परिजनों को हादसे की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो कार हिंडन नदी में एक किनारे पर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त मिली। पुलिस ने कार से लोगों को निकालकर अस्पताल भिजवाया। वहीं शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हादसा मेरठ-बागपत-सोनीपत हाईवे पर बालैनी पुल के पास का है।

इकलौते बेटे ने मां-बाप को मार डाला

जौनपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। माता-पिता की हत्या के बाद आरोपी अम्बेश कुमार काशी गया और गंगा स्नान करने के बाद घाटों पर घूमते देखा गया। पुलिस ने उसे पकड़ा तो दोहरे हत्याकांड का खुलासा हुआ। जफराबाद थाना क्षेत्र के अहमदपुर गांव निवासी अम्बेश कुमार ने सिलबट्टे से अपनी मां बबिता देवी और पिता श्याम बहादुर की हत्या की। पुलिस की पूछताछ में यह बात सामने आई अम्बेश कुमार ने अपने माता-पिता की हत्या के बाद घर पर किसी के न होने का लाभ उठाते हुए शवों को बोरे में भरा, फिर उसे ठिकाने लगाने लगाने के लिए बोरे को कार में रखा। बेलाव घाट से शवों को बोरे सहित गोमती नदी में फेंक दिया। किसी को शक न हो इसके लिए घर भी आ गया।

इसके बाद खुद को बचाने के लिए अगले दिन नौ दिसंबर को माता पिता को खोजने का नाटक करने लगा। उसने माता-पिता के लापता होने की खबर अपने परिचित, रिश्तेदारों को भी दी। खोजबीन में जुटा अम्बेश कुमार 12 दिसंबर को खुद लापता हो गया। घर न आने पर वाराणसी जनपद के सिंधौरा थाना क्षेत्र कटौना गांव निवासी बहन वंदना परेशान हो गई। वह अगले दिन अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए जफराबाद थाने पर पहुंची। जहां उसने माता-पिता के अलावा इकलौते भाई के भी लापता होने की गुमशुदगी दर्ज कराई।

यमुना एक्सप्रेसवे हादसा : बस का शीशा तोड़कर दोनों बच्चों को बाहर निकाला, खुद नहीं निकल पाई पार्वती

मथुरा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में एक मां ने अपने दोनों बच्चों को तो बचा लिया, लेकिन खुद की जान नहीं बचा सकी। परिवार के लोग हादसे की जानकारी के बाद पहुंचे। उसकी लाश भी अब घरवालों को नहीं मिल रही है। हमीरपुर राठ की रहने वाली 42 साल की पार्वती अपने दो बच्चों प्राची और शनि के साथ नोएडा से अपने पति गोविंद के पास लौट रही थी। अचानक बस टकरा गई और उसमें तेजी से आग लग गई। पार्वती ने बिना कुछ सोचे अपने दोनों बच्चों को बस का कांच तोड़कर बाहर निकाल लिया, लेकिन वह खुद नहीं निकल पाई। पार्वती के देवर गुलज़ारी ने बताया कि पार्वती के गले में कांच टूटकर फंस गया और वह उसी बस में रह गई थी। उन्हें जब इस हादसे की जानकारी हुई तो सीधे हमीरपुर से पार्वती को खोजते हुए फिर रहे हैं। गुलज़ारी ने बताया कि उन्हें पार्वती न तो जिला अस्पताल में मिली है और न ही वृंदावन वाले अस्पताल में अब वह उसे खीजते हुए पोस्टमार्टम हाउस आए हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी उन्हें आश्वासन दे रहे हैं।

रक्षा खरीदारी के नियम बदलेंगे, स्वदेशीकरण पर जोर

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार रक्षा सामग्रियों की खरीदारी के नियमों में बड़े बदलावों पर विचार कर रही है। इस बदलाव का लक्ष्य ये है कि देश में ही बने रक्षा सामानों को ही बढ़ावा मिले और साथ ही साथ रक्षा जरूरतों के लिए खरीद प्रक्रिया भी तेज रहे। भरोसेमंद सूत्रों से पता चला है कि अब सरकार इस क्षेत्र में 'स्वदेशी सामग्री' की शर्त शुरू में ही लागू करने की जगह, इसे चरणबद्ध तरीके से बढ़ाने की सोच रही है। मतलब, अब कंपनियों को एक निश्चित वक्त मिलेगा, ताकि वे धीरे-धीरे स्वदेशी को पूरी तरह से अपना सकें। यही नहीं 100 करोड़ रुपये तक के सौदे के लिए सिंगल-वेंडर मेकेनिज्म और आवेदकों को फिल्टर करने के लिए स्पष्ट फ्रेमवर्क तैयार करने पर भी विचार हो रहा है। इससे खरीदारी की प्रक्रिया तेज हो सकेगी।

रक्षा खरीदारी पर सुझाव के लिए पैनल

सरकार ने इसी साल जून में पूर्व ब्योरक्रेट अपूर्व चंद्र की सलाह पर डायरेक्टर जनरल (एक्विजिशन) की अगुवाई में डिफेंस एक्विजिशन प्रोसीजर 2020 (डीएपी 2020) की समीक्षा के लिए एक हाई-लेवल पैनल बनाया था। इस पैनल को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि वह सशस्त्र सेनाओं की मौजूदा जरूरतों के हिसाब से खरीदारी प्रक्रिया तेज करने को लेकर ऐसे सुझाव दें, जो आत्मनिर्भरत भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्यों पर भी खरे उतर सकें।

स्वदेशी सामग्री से जुड़ी शर्तों में सहजता

इस पैनल ने कई दौर की बातचीत के बाद अपनी सिफारिशों का पहला ड्राफ्ट तैयार कर लिया है। इसके अनुसार जो सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश तैयार की गई है, उसमें डीएपी 2020 के तहत रक्षा खरीद की पांच श्रेणियों में से स्वदेशी सामग्री (आईसी) की शर्त पर विस्तार से विचार हुआ है। क्योंकि, डीएपी 2020 की व्यवस्था के तहत स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी के लिए जो श्रेणियां बटी थीं, उसे अब ज्यादा सहज बनाए जाने पर जोर दिया जा रहा है।

क्योंकि, सरकार भी शुरुआत में ही स्वदेशी सामग्री की शर्त को बदलकर इसे फेजवाइज करने की सोच रही है। इससे कंपनियों को थोड़ा समय मिलेगा और वह स्वदेशी सामग्री की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ा सकेंगी। इससे ऐसी शर्त कंपनियों के लिए बाधा नहीं बन सकेंगे।

स्वदेशीकरण के लिए रिसर्च, इनोवेशन

इसके अलावा जो बड़ा बदलाव नजर आने वाला है, उसके तहत विशेष रूप से घरेलू स्तर पर भारतीय इनोवेशन और रिसर्च एंड डेवलपमेंट को प्रोत्साहन दिया जाना है। हालांकि, प्रस्ताव के तहत इस क्षेत्र के लिए 100 करोड़ मूल्य से ज्यादा की सामग्री नहीं रखी गई है। इसके तहत ज्यादातर काम पायलट प्रोजेक्ट के तहत होंगे, ताकि प्रक्रियात्मक देरी नहीं हो और सशस्त्र सेनाओं की तत्काल वाली जरूरतों को तुरंत पूरा किया जा सके। मसलन, एक वेंडर की ओर से सप्लाई किए गए नाइट विजन गॉगल्स, छोटे ड्रोन आदि सामान यदि सभी तरह के फील्ड टेस्टिंग में सही पाए गए, तो फिर इनकी खरीदारी के लिए बड़े ऑर्डर भी जारी किए जा सकते हैं। कुल मिलाकर फोकस यह है कि सशस्त्र सेनाओं की आवश्यकताओं को तेजी से पूरा भी किया जा सके और साथ के साथ स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने की प्रक्रिया भी जारी रहे।

घरेलू सामग्रियों के विकास पर इंसेंटिव भी!

जानकारी यह भी है कि पैनल ने यह भी सुझाव दिए हैं कि अगर किसी बड़े उपकरण का कोई पार्ट भारत में विकसित हुआ है, लेकिन वह नई खरीदारी के तहत वापस आयात के माध्यम से आता है तो उसे भी स्वदेशी सामग्री माना जाना चाहिए और उसे भी दी जाने वाली प्राथमिकता में शामिल किया जाना चाहिए। पता यह भी चला है कि पैनल ने यह सुझाव भी दिए हैं कि सेमीकंडक्टर, नए मैटेरियल और नई टेक्नोलॉजी में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और क्षमताओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए इंसेंटिव भी लाए जाएं।

वीबी जी राम जी बिल : 'कांग्रेस ने जवाहर योजना का नाम बदला, क्या यह उनका अपमान था?'

> विपक्ष से शिवराज का सवाल

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार की ओर से मनरेगा का नाम बदलने के लिए पेश बिल पर लोकसभा में मंगलवार को भारी हंगामा दिखा। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वीबी-जी राम जी बिल 2025 को स्थापित करने की अनुमति मांगी।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिल का पुरजोर विरोध करते हुए कहा कि वह इस विधेयक में बदलाव पर अपनी आपत्ति दर्ज कराना चाहती हैं। भारी हंगामे के बीच बिल का बचाव करते हुए शिवराज सिंह चौहान ने कहा, महात्मा गांधी जी और पंडित दीन दयाल जी का संकल्प था कि जो सबसे नीचे है, उनका कल्याण सबसे पहले किया जाए।

सरकार उनकी भावनाओं के अनुसार कई योजनाएं चला रही है। हम रोजगार गारंटी योजना के तहत अब 100 दिन की जगह 125 दिन के रोजगार की गारंटी दे रहे हैं। शिवराज ने कहा कि कांग्रेस ने जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था तो क्या इससे जवाहर लाल जी का अपमान हो गया। कृषि मंत्री ने कहा कि भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) बिल पूरी तरह से महात्मा गांधी जी की भावनाओं के अनुरुप है।

सड़क निर्माण के दौरान विस्फोट, सेना का एक जवान बलिदान

श्रीनगर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कुपवाड़ा जिले के त्रेहगाम क्षेत्र की पुत्खा खान गली गली में सड़क निर्माण के दौरान हुए विस्फोट में सेना का एक जवान बलिदान हो गया। जवान की पहचान 13 जम्मू-कश्मीर लाइट इन्फैंट्री के हवलदार जुबैर अहमद के रूप में हुई है। सुरक्षा और प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, हादसा निर्माण कार्य के दौरान हुए विस्फोट के कारण हुआ। घायल जवान को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हादसे के बाद इलाके में सुरक्षा और राहत कार्य जारी हैं।

पिछली सरकारों की गलतियों को सुधारने में जुटी मौजूदा दिल्ली सरकार : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जलभराव और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए चल रहे प्रयासों के तहत सुनहरी पुल नाले के डी-सिल्टिंग कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के सभी प्रमुख नालों की गाद निकालने का काम गंभीरता से कर रही है ताकि बरसात के समय जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके और यमुना नदी में प्रदूषित पानी के बहाव को नियंत्रित किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद से बारापुला ड्रेन और सुनहरी पुल नाले का कई बार दौरा किया गया है।

उन्होंने कहा कि जब भी बारिश होती थी, इस इलाके के आसपास की सभी कॉलोनियों में पानी भर जाता था। यह समस्या एक-दो बार नहीं, बल्कि हर मानसून में सामने आती रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस नाले की डी-सिल्टिंग का काम पहले भी कई बार किया गया है और सभी संबंधित एजेंसियां इस स्थिति से भली-भांति परिचित हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह नाला वर्ष 2010 में बनाया गया था, लेकिन इसके निस्तारण के लिए कहीं भी उचित आउटलेट नहीं दिया गया था, जिससे इसकी नियमित सफाई संभव नहीं हो पाती थी।

उन्होंने कहा कि आज की सरकार इन बुनियादी खामियों को दूर करने का प्रयास कर रही है। चाहे दिल्ली में जलभराव की समस्या हो या प्रदूषण की चुनौती, दिल्ली के लोग पिछली सरकारों की गलत नीतियों और लापरवाहियों का खामियाजा भुगत रहे हैं। रेखा गुप्ता ने कहा कि अगर पिछली सरकारों ने समय रहते सही तरीके से काम किया होता, तो दिल्ली को आज यह हालत नहीं देखने पड़ती।

दुष्कर्म मामले में दंपती समेत तीन दोषियों को 20 वर्ष का कठोर कारावास

धर्मशाला, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी दंपती समेत तीन दोषियों को न्यायालय ने 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है और इसे अदा न करने पर अतिरिक्त कैद भी भुगतनी होगी। न्यायालय ने राज्य सरकार को पीड़िता को एक लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है, जो 30 दिनों के भीतर अदा करने के लिए कहा है। फास्ट ट्रैक विशेष अदालत (पोक्सो) धर्मशाला के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नितिन मित्तल की अदालत ने यह फैसला सुनाया है। दोषी महिला ने दुष्कर्म के बाद पीड़िता के कपड़े जलाए और छिपा कर सबूतों को नष्ट करने का प्रयास किया था। अक्तूबर 2023 को कांगड़ा जिला के एक पुलिस थाना में पीड़िता के जीजा ने शिकायत दर्ज करवाई थी।

विजय दिवस : 1971 युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि

युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह में शामिल हुए रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। 1971 के भारत पाक युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों की जीत की याद में आयोजित 54वें विजय दिवस का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंगलवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह का कार्यक्रम हुआ। इस आयोजन में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह , सीडीएस प्रमुख जनरल अनिल चौहान, सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी मौजूद थे। इस मौके पर तेलंगाना के सिकंदराबाद में एसपी रोड पर आर्मी परेड ग्राउंड में स्थित वीरूला सैनिक स्मारक पर भी पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया।

1971 के युद्ध में भारत के वीरजवानों ने पाकिस्तान को हराकर बांग्लादेश को आजाद कराया था। इसे देश विजय दिवस के रूप में मनाता है। राजनाथ सिंह ने सीडीएस प्रमुख, सीओएएस जनरल, वायु सेना प्रमुख और नौसेना प्रमुख के साथ मिलकर युद्ध में लड़ने वाले उन साहसी सशस्त्र बलों को श्रद्धांजलि दी। भारतीय सेना की पूर्वी कमान ने कहा कि 1971 का युद्ध उस समय खत्म हुआ जब पूरी तरह से पराजित लेफ्टिनेंट जनरल एएके नियाजी, पाकिस्तानी सेना की पूर्वी कमान के कमांडर, ने 16 दिसंबर को आत्मसमर्पण कर दिया और आत्मसमर्पण पत्र पर हस्ताक्षर किए और एक नए राष्ट्र ₹बांग्लादेश₹ का जन्म हुआ।

प्रधानमंत्री ने भी दी श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1971 के युद्ध में भाग लेने वाले सशस्त्र बलों के जवानों को याद किया और उनकी राष्ट्रवाद की भावना और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा विजय दिवस पर, हम उन वीर सैनिकों को याद करते हैं जिनके साहस और बलिदान ने 1971 में भारत को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके दृढ़ संकल्प और निस्वार्थ सेवा ने हमारे राष्ट्र की रक्षा की और हमारे इतिहास में गौरव का एक क्षण अंकित किया। यह दिन उनकी वीरता को सलाम और उनकी अद्वितीय भावना की याद दिलाता है।

कैसे हुआ बांगलादेश का निर्माण

हार के बाद पाकिस्तान पूर्वी कमान ने बांग्लादेश में तैनात सभी पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को पूर्वी मोर्चे पर भारत और बांग्लादेश बलों के जनरल ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ लेफ्टिनेंट-जनरल जगजीत सिंह अरोरा के सामने आत्मसमर्पण करने पर सहमति व्यक्त की। पाकिस्तानी थल, वायु और नौसेना बलों के साथ-साथ सभी अर्धसैनिक और नागरिक सशस्त्र बलों को हथियार डालने के कहा गया। आत्मसमर्पण का अर्थ यह भी था कि हस्ताक्षर करने के तुरंत बाद पाकिस्तान पूर्वी कमान लेफ्टिनेंट-जनरल अरोरा के आदेशों के अधीन आ जाएगी।

पीएम मोदी का जॉर्डन दौरा

विदेश सचिव बोलीं-आतंकवाद पर दोनों देशों का एक रुख, व्यापार-संस्कृति में नई साझेदारी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी अपने जॉर्डन दौरे पर है। जहां उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को दोहराया। इसी बीच विदेश मंत्रालय की सचिव (दक्षिण) डॉ नीना मल्होत्रा ने पीएम मोदी के जॉर्डन दौरा की अहमियत पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि 37 साल बाद पहली बार है कि जब भारत के किसी प्रधानमंत्री ने जॉर्डन का पूर्णकालिक द्विपक्षीय दौरा किया है।

बता दें कि अपने जॉर्डन दौरे के दौरान पीएम मोदी और जोर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने इंडिया-जॉर्डन बिजनेस फोरम को भी संबोधित किया, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यवसायी शामिल हुए। इस दौरान दोनों देशों के बीच ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, जल प्रबंधन, संस्कृति और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में कई समझौते और एमओयू भी साइन किए गए।

आतंकवाद पर भारत-जॉर्डन का समान रुख

पत्रकारों से बातचीत के दौरान डॉ. मल्होत्रा ने कहा कि जोर्डन की ओर से भारत के आतंकवाद विरोधी संघर्ष का समर्थन किया गया और सभी रूपों में आतंकवाद की निंदा की गई। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने भी इस दौरान जोर्डन के राजा के उदारवाद और इस्लामिक दुनिया में मध्यमार्ग की भूमिका की सराहना की। मल्होत्रा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों ने उर्वरक, विशेषकर फॉस्फेट के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को $5 बिलियन तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। साथ ही क्षेत्रीय मुद्दों पर दोनों नेताओं ने शांति और स्थिरता के महत्व पर जोर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम को मिला बढ़ावा

डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि दोनों देशों के बीच 2025-29 के लिए सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम को बढ़ावा मिला। इसके अलावा पेट्रा और महाराष्ट्र की एलोरा गुफाओं के बीच ट्विनशिप समझौता भी किया गया, ताकि पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाया जा सके। दोनों देशों ने सफल डिजिटल समाधान साझा करने के लिए पत्र पर सहमति भी दी।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को राहत

कमलनाथ बोले सत्य की जीत हुई

भोपाल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कोर्ट के फैसले का स्वागत किया।

उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी के चरित्र पर दाग लगाने की नाकाम कोशिश की गई, लेकिन अंत में सत्य की जीत हुई। कांग्रेस नेता कमलनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत के सार्वजनिक जीवन में देश के लिए जितना त्याग गांधी-नेहरू परिवार ने किया है, उतना शायद ही किसी परिवार ने किया हो। लेकिन भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही गांधी-नेहरू परिवार का चरित्र हनन करने की कोशिश करती रही है।

एआई से बढ़ा खतरा! देश में हर मिनट हो रहे 500 से ज्यादा साइबर क्राइम

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऑनलाइन ठगी, डेटा चोरी और हैकिंग के बढ़ते मामलों के कारण साइबर सुरक्षा की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा हो गई है। इसका असर यह है कि साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में काम कर रही भारतीय कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। हाल ही में आए डेटा के मुताबिक, देश में हर मिनट 505 से अधिक साइबर घटनाएं सामने आ रही है। साइबर क्राइम और आनलाइन धोखाधड़ी के मामले सबसे ज्यादा महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली में सामने आ रहे हैं।

भारतीय डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) की ताजा रिपोर्ट कहती है कि, भारत में साइबर सुरक्षा उत्पाद बनाने वाली कंपनियों की संख्या में पहले के मुकाबले तेजी से बढ़ोतरी हुई है। कंपनियों की संख्या 400 से अधिक हो गई है। पिछले पांच वर्षों में इनमें औसतन 34 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दर्ज देखी गई है। भारत में वर्ष 2020 में इन कंपनियों का कुल सालाना कारोबार 1.05 अरब डॉलर था। जबकि साइबर सुरक्षा उत्पाद कंपनियों का राजस्व 2026 तक बढ़कर करीब 6 अरब डॉलर होने की उम्मीद है, जो पिछले साल 4.46 अरब डॉलर था। रिपोर्ट के आंकड़े बताते है, 55 प्रतिशत कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी काम कर रही हैं। इनमें प्रमुख ग्राहक उत्तरी अमेरिका, पश्चिम एशिया और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में हैं। यह देश इन कंपनियों के लिए महत्त्वपूर्ण बाजार के रूप में उभरे हैं। भले ही कई साइबर सुरक्षा कंपनियों के ग्राहक विदेशों में है। लेकिन यह कंपनियां सीधे तौर पर वहां काम नहीं करती है। महज 17 प्रतिशत कंपनियों के ही विदेशों में अपने कार्यालय हैं। इसलिए अधिकतर कंपनियां अन्य भागीदारों के जरिए वहां सेवाएं देती हैं। देश में कर्नाटक, दिल्ली-एनसीआर और महाराष्ट्र इनके प्रमुख बाजार हैं।

न्यायिक मजिस्ट्रेट बनकर बचने के आरोप : पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने वकील की एफआईआर रद्द करने से किया इनकार

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने चंडीगढ़ में ट्रैफिक चेकिंग के दौरान खुद को न्यायिक मजिस्ट्रेट बताने के आरोप में आरोपी अधिवक्ता प्रकाश सिंह मारवाह के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि आरोप गंभीर हैं और उनकी सच्चाई केवल पूर्ण ट्रायल के दौरान ही साबित हो सकती है। एफआईआर के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस ने प्रकाश सिंह मारवाह को नंबर प्लेट ढकी होने और अन्य ट्रैफिक उल्लंघनों के चलते रोका था। आरोप है कि बचने के लिए उन्होंने खुद को न्यायिक मजिस्ट्रेट बताया और मौके से फरार हो गए। उनकी कार पर "Judge" लिखा स्टिकर भी लगा हुआ था।

पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 170 (लोक सेवक का रूप धारण करना), 419 (छल द्वारा व्यक्ति विशेष बनना), 353 (लोक सेवक के कर्तव्य में बाधा डालना) सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया था। याचिका खारिज करते हुए न्यायमूर्ति सूर्य प्रताप सिंह ने कहा कि अदालत जांच के शुरुआती चरण में हस्तक्षेप नहीं कर सकती। अदालत ने स्पष्ट किया कि आरोपों की सच्चाई या असत्यता का निर्धारण केवल साक्ष्यों के मूल्यांकन और ट्रायल के दौरान ही संभव है। कोर्ट ने धारा 353 आईपीसी से जुड़े बचाव को भी खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि इसके लिए लोक सेवक की लिखित शिकायत जरूरी है। अदालत ने कहा कि जब एफआईआर में कई अलग और स्वतंत्र अपराध शामिल हों, तो केवल एक धारा से जुड़ी प्रक्रियात्मक आपत्ति के आधार पर पूरी एफआईआर रद्द नहीं की जा सकती।

मणिपुर में दो प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादी गिरफ्तार

हथियार बरामद

इंफाल, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों के एक संयुक्त अभियान में पिछले 24 घंटों के दौरान तीन अलग-अलग जिलों से दो बैन संगठनों के पांच उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मणिपुर पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि बैन किए गए पीपल्स रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेइपाक (पीआरईपीएक) और कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) के पांच उग्रवादियों को बिष्णुपुर, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व जिलों में अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार किया गया। उग्रवादियों के पास से कई मोबाइल फोन और दूसरी चीजें जब्त की गईं। गिरफ्तार उग्रवादी ठेकेदारों, सरकारी कर्मचारियों, व्यापारियों और आम लोगों से जबरन चंदा वसूलने में शामिल थे। सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व जिले से सुइमी अवुंगशी (53), जो कामजोंग जिले का रहने वाला है, नाम के एक ड्रग पेडलर को भी एक किलो ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। ड्रग्स की अनुमानित कीमत 20 लाख रुपए थी।

राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए इंफाल घाटी और पहाड़ी जिलों में बड़े पैमाने पर इंटेलिजेंस-आधारित कॉम्बिंग, घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने थौबल और इंफाल पूर्वी जिलों से कुछ हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। बरामद हथियारों में एक एसएमजी कार्बाइन, एक .303 राइफल, छह अलग-अलग तरह की एसबीबीएल बंदूकें, तीन 12-बोर बंदूकें, दो मॉडिफाइड .303 राइफलें, पांच पिस्तौल और दो 36एचई हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इन दोनों जिलों से बड़ी मात्रा में अलग-अलग तरह का गोला-बारूद भी बरामद किया गया है।

केंद्र और राज्य की सुरक्षा बल आतंकवादियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई कर रही हैं, जिसमें जिलों के बाहरी, मिश्रित आबादी वाले और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और एरिया डोमिनेशन ड्राइव चलाए जा रहे हैं।

दुश्मन तत्वों और संदिग्ध गाड़ियों की गैर-कानूनी आवाजाही को रोकने के लिए मणिपुर में घाटी और पहाड़ी दोनों जिलों में कुल 113 नाके/चेकप्वाइंट लगाए गए हैं। सुरक्षा बल इम्फाल-जिरिबाम नेशनल हाईवे (एनएच-37) पर जरूरी सामान ले जा रहे ट्रकों सहित गाड़ियों को एस्कॉर्ट भी दे रहे हैं। गाड़ियों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील इलाकों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और काफिले की सुरक्षा जारी है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 17 दिसंबर - 2025

गन कल्चर के खतरे

ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी इलाके में हुई ताजा गोलीबारी की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि अब गन कल्चर पर गंभीर आत्ममंथन की जरूरत है। जिस देश को 1996 के पोर्ट आर्थर नरसंहार के बाद मजबूत हथियार कानूनों का उदाहरण माना जाता रहा, वहीं अब निर्दोष लोगों की जान चली जाना मानवता के लिए चेतावनी नहीं तो और क्या है? रविवार को हुई गोलीबारी के वीडियो से साफ है कि कैसे हमलावर भीड़ पर तेजी से गोलियां बरसा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया में सेमी-ऑटोमैटिक राइफलों पर प्रतिबंध है, लेकिन स्ट्रेट-पुल बोल्ट-एक्शन जैसी तकनीक वाले हथियार लगभग उसी रफ्तार से फायरिंग करने में सक्षम हैं। घटना में शामिल आरोपी कानूनी रूप से हथियारों के मालिक थे और एक गन क्लब के सदस्य भी। यह तथ्य अपने आप में डराने वाला है, क्योंकि यह दिखाता है कि समस्या केवल अवैध हथियारों की नहीं, बल्कि उस सोच की है जिसमें हथियार रखना सामान्य और स्वीकार्य बना दिया गया है। जानकारों का मानना है कि पोर्ट आर्थर के बाद किए गए गन बायबैक और प्रतिबंधों से ऑस्ट्रेलिया में दशकों तक सामूहिक गोलीबारी नहीं हुई, लेकिन समय के साथ कानूनों में ढील और नई तकनीकों ने सुधारों को कमजोर कर दिया है। आज लाइसेंस धारकों की संख्या घटने के बावजूद हथियारों की कुल संख्या रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। देखा जाए तो यह कहानी सिर्फ ऑस्ट्रेलिया की नहीं है, बल्कि दुनिया के कई देशों में गन कल्चर को स्वतंत्रता, शौक या सुरक्षा के नाम पर बढ़ावा दिया गया है। इसका सबसे बड़ा असर आम नागरिकों, बच्चों और परिवारों पर पड़ता है। गोलीबारी की हर घटना के पीछे सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उजड़े हुए घर, टूटे हुए सपने और ज़िंदगी भर का दर्द होता है। दुनिया की महाशक्ति अमेरिका में गन कल्चर अब सिर्फ आत्मरक्षात्मक या मनोरंजक गतिविधि नहीं है, बल्कि यह लाखों लोगों की जान लेने और गहरा सामाजिक व मानसिक प्रभाव डालने वाला एक बड़ा मानवाधिकार संकट बन गया है। हर गोलीबारी की संख्या सिर्फ आंकड़ा नहीं, बल्कि टूटे परिवार और बदलते जीवन की कहानी भी है। 2023 में जारी आंकड़े बताते हैं कि अमेरिका में 46,728 लोग गोलीबारी में मारे गए हैं। अमेरिकी सीडीसी के अनुसार हर लगभग 11 मिनट में एक व्यक्ति की जान गोलीबारी से जाती है। इन गोलीबारी की घटनाओं पर नजर डालें तो सबसे ज्यादा मौतें आत्महत्या से हुई हैं, जिसकी संख्या 27,300 है, जो कुल घातक मामलों का 60 प्रतिशत से ज्यादा है। आखिर आज समाज किस दिशा में जा रहा है। क्या हम ऐसी दुनिया चाहते हैं जहां तकनीक इंसानी जान लेने को और आसान बना दे? या फिर ऐसी दुनिया जहां सुरक्षा, संवाद और करुणा को प्राथमिकता मिले? ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री और कई राज्य सरकारें अब हथियारों की संख्या सीमित करने और कानूनों की दोबारा समीक्षा की बात कर रही हैं। यह एक सही शुरुआत हो सकती है, लेकिन असली बदलाव तब आएगा जब पूरी दुनिया गन कल्चर को एक वैश्विक खतरे के रूप में देखेगी। यह समय सिर्फ क़ानून बदलने का नहीं, बल्कि सोच बदलने का भी है। क्योंकि हर गोली जो चलती है, वह सिर्फ एक शरीर को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को घायल करती है, जिसकी कराह पूरी दुनिया में सुनाई देती है।

जीपीएस स्पूफिंग : भारत में विमानों के लिए बड़ा खतरा

ज्ञान चंद पाटनी

पिछले दो वर्ष के दौरान भारत में विमानों के जीपीएस सिस्टम के साथ 1,951 बार छेड़छाड़ की घटनाएं दर्ज की गई हैं। सरकार ने ही यह आंकड़ा लोकसभा में उजागर किया है। जाहिर है जीपीएस छेड़छाड़ भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र के लिए बड़ा खतरा है। जिस नियोजित तरीके से जीपीएस स्पूफिंग हो रही है, उससे भारत से शत्रुता रखने वाले देशों की तरफ भी संदेह की सूई घूम रही है। साइबर विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के काम के लिए जितने संसाधन चाहिए, वे किसी छोटे—मोटे समूह के लिए संभव नहीं। इस तरह की कार्रवाई दुश्मन देशों की शह और मदद से करना आसान है। जीपीएस सिस्टम से छेड़छाड़ होने की बात स्वीकारना ही काफी नहीं, सरकार को विमानों की सुरक्षा के सभी आवश्यक इंतजाम भी करने होंगे।

जीपीएस विमान को सटीक लोकेशन और दिशा दिखाता है। किसी भी गड़बड़ी से विमान भटक सकता है जो विनाशकारी दुर्घटना का कारण बन सकता है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर हाल की घटनाओं ने इस खतरे को उजागर किया है।

जीपीएस स्पूफिंग एक तरह का साइबर हमला है जिसमें अपराधी नकली सैटेलाइट सिग्नल भेजकर विमान के नेविगेशन सिस्टम को धोखा देते हैं। सामान्य जैमिंग से अलग, स्पूफिंग में असली सिग्नल के साथ नकली सिग्नल मिश्रित कर दिए जाते हैं, जिससे सिस्टम गलत लोकेशन दिखाता है। उदाहरण के लिए पायलट को लग सकता है कि विमान सही रनवे पर लैंड कर रहा है जबकि वह गलत दिशा में जा रहा हो। जाहिर है इससे विमान गलत दिशा में मुड़ सकता है, टकराव हो सकता है या गलत लैंडिंग हो सकती है। नकली सिग्नल विमान के फ्लाइट मैनेजमेंट सिस्टम (एफएमएस) को गुमराह करते हैं, जिससे गलत ऊंचाई, मौसम या रनवे डेटा मिलता है। जीपीएस सिग्नल पृथ्वी से 20,000 किलोमीटर ऊपर सैटेलाइट से आते हैं और उनकी शक्ति बहुत कम होती है। इसे आसानी से ओवरराइड किया जा सकता है। भारत जैसे देश में, जहां उड़ानें घनी हैं, यह खतरा कई गुना बढ़ जाता है। गौरतलब है कि सरकार ने संसद में दूसरी बार जीपीएस स्पूफिंग की बात स्वीकार की है। 1 दिसंबर को भी राज्यसभा में नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 7 नवंबर की घटना का जिक्र किया था। यहां ऑटोमेटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) प्रभावित हुआ, जिससे 12 घंटे से अधिक समय तक फ्लाइट संचालन ठप रहा। 800 से ज्यादा उड़ानें लेट हुईं और 20 उड़ानों को रद्द करना पड़ा। यात्रियों की लंबी कतारें लगीं। इसका असर मुंबई, अमृतसर, हैदराबाद तक हुआ।

एएमएसएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से जुड़ा कंप्यूटर नेटवर्क है जो फ्लाइट प्लान, ऊंचाई, फ्यूल, मौसम अपडेट आदि रीयल-टाइम मैसेज भेजता है। सिस्टम फेल होने पर मैन्युअल काम करना पड़ता है जिससे काम का भार बढ़ जाता है और गलती होने की आशंका भी रहती है।

दिल्ली के अलावा कोलकाता, अमृतसर, मुंबई, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई में भी इस तरह की शिकायतें मिलीं। मंत्री नायडू ने इसे साइबर हमला माना और एएआई को एडवांस साइबर सिक्योरिटी लागू करने को कहा गया है। बताया गया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मामले की निगरानी कर रहे हैं।साइबर सुरक्षा कंपनी क्लाउडएसईके की रिपोर्ट में कहा गया कि इतने बड़े पैमाने पर नकली सिग्नल फैलाने के लिए सैन्य-स्तरीय उपकरण और ऊर्जा चाहिए जो सामान्यतः अपराधिक गिरोहों के पास नहीं होती। इससे यह आशंका बलवती होती है कि ये किराए के साइबर समूह हैं जो दुश्मन देशों के लिए काम करते हैं। इशारा मिलने पर ये रेलवे, शिपिंग, एविएशन को निशाना बनाते हैं। दुनियाभर में ऐसे मामले बढ़े हैं। उदाहरण के तौर पर क्राउडस्ट्राइक आउटेज जुलाई 2024 में हुआ एक बड़ा वैश्विक आईटी व्यवधान था।

छोटा देश भी मोदी के लिए महत्वपूर्ण है

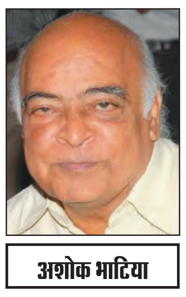

अशोक भाटिया

भारत के प्रधान मंत्री के रूप में अपने समय के दौरान, नरेंद्र मोदी ने एक साहसिक विदेश नीति लागू की है जिसका उद्देश्य विभिन्न आकार के देशों के साथ भारत के संबंधों को बढ़ाना है। मोदी की व्यक्तिगत कूटनीति, जो अक्सर उनके गतिशील और करिश्माई नेतृत्व के माध्यम से प्रदर्शित होती है, भारत के विदेशी संबंधों को बदलने में महत्वपूर्ण रही है। अपनी विदेश यात्राओं में छोटे देशों को वरीयता देने का विचार एक बहुध्रुवीय दुनिया की स्थापना के एक बड़े लक्ष्य पर आधारित है जहां भारत महत्वपूर्ण शक्ति रखता है।

इसी तरह, श्रीलंका और नेपाल जैसे देशों की मोदी की नियमित यात्राओं ने सीमा विवाद और जातीय मतभेदों जैसे मामलों पर उत्पन्न होने वाले तनाव को कम करने में भूमिका निभाई है। नेतृत्व के साथ सीधे जुड़ने के मोदी के प्रयासों ने संबंधों को स्थिर करने और व्यापार, बुनियादी ढांचे के विकास और सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने की नींव रखने में योगदान दिया है। छोटे देशों के साथ बातचीत करने का मोदी का तरीका दक्षिण एशिया में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जहां चीन की बढ़ती उपस्थिति अक्सर भारत के प्रभाव के लिए एक चुनौती बन जाती है। मोदी का लक्ष्य चीन के बढ़ते बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) को संतुलित करना और छोटे पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सुधार करके क्षेत्र में भारत के प्रभुत्व को बनाए रखना है। छोटे देशों पर भारत का ध्यान ₹नेबरहुड फर्स्ट₹ नीति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी उजागर करता है, जो पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को बढ़ाने को प्राथमिकता देता है।

मोदी की छोटे देशों की यात्राओं का एक अन्य महत्वपूर्ण लाभ आर्थिक सहयोग को प्रोत्साहित करना है। भारत अक्सर बुनियादी ढांचे के निर्माण, व्यापार गठबंधन बनाने और छोटे देशों के साथ निवेश को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित पहलों में संलग्न रहता है। इन बैठकों के परिणामस्वरूप अन्य क्षेत्रों के अलावा कृषि, प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और शिक्षा में व्यापार सौदे और साझेदारी स्थापित हुई।

इसके अतिरिक्त, छोटे देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए मोदी का समर्पण अपने व्यापार गठबंधनों का विस्तार करने के भारत के समग्र लक्ष्य का समर्थन करता है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत का लक्ष्य संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन जैसे पारंपरिक व्यापार सहयोगियों पर अपनी निर्भरता कम करना और नए बाजारों की खोज करना है। हालांकि आर्थिक आकार में छोटे, छोटे देश अक्सर विशिष्ट बाजारों और नए क्षेत्रों में सहयोग के अवसर प्रदान करते हैं। 2014 में मोदी की फिजी यात्रा न केवल राजनयिक उद्देश्यों के लिए, बल्कि प्रशांत द्वीप समूह में भारतीय समुदाय के साथ संबंधों को बढ़ाने में इसके प्रतीकात्मक मूल्य के लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर था। इस यात्रा ने प्रशांत द्वीप देशों के प्रति भारत के समर्पण पर जोर दिया और एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में हिंद-प्रशांत के महत्व की पुष्टि की। मोदी ने साझा सांस्कृतिक संबंधों के महत्व पर प्रकाश डालकर स्थानीय समुदायों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है, जिसमें इन देशों के सांस्कृतिक विकास पर भारतीय प्रवासियों का प्रभाव भी शामिल है।

शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और आपदा राहत में भारत की भागीदारी ने एक सहायक अंतरराष्ट्रीय भागीदार के रूप में अपनी छवि को मजबूत किया है। छोटे द्वीपीय देशों की अपनी यात्रा के दौरान मोदी ने आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों के लिए सहायता का वादा किया। भारत छात्रवृत्ति और कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करके उन देशों में क्षमता निर्माण के प्रयासों में भी संलग्न रहा है, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया भर में सकारात्मक प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 से 18 दिसंबर तक जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान की यात्रा पर निकले हुए हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा का पहला पड़ाव छोटा सा मुस्लिम देश जॉर्डन है। जॉर्डन के राजा किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर जॉर्डन की 75 साल पूरे होने पर पीएम मोदी वहां पहुचे है । इजराइल और सऊदी के बीच बसा एक छोटा सा देश जॉर्डन, जिसके पास न तो तेल का भंडार हैं और न ही दुर्लभ खनिज, जिस देश का हथियारों से भी कोई लेना-देना है, आखिर उस देश पीएम मोदी की इस यात्रा के मायने क्या है। मुस्लिम देश जॉर्डन का शाही परिवार हाशमी राजवंश का हिस्सा है, जो दुनिया के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित शाही घरानों में से एक है, जिसकी जड़ें पैगंबर मोहम्मद से जुड़ी हैं। आज जानेंगे उस शाही परिवार से लेकर पीएम मोदी के इस दौरे के मायने और भारत के लिए इस देश की जरूरत के बारे में जानना जरुरी है ।

दरअसल 89,342 वर्ग किमी वाला देश जॉर्डन भारत का चौथा सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। भारत इसी देश से अपनी जरूरत का 40% खाद खरीदता है। दोनों देशों के बीच का रिश्ता 75 साल पुराना है। भारत के साथ इससे संबंधों से पहले यहां से शाही परिवार के बारे में जानते हैं। जॉर्डन की राजशाही और वहां का राज परिवार पैंगबर मोहम्मद के वंश से आते हैं। मौजूदा राजा अब्दुल्ला द्वितीय साल बीते 25 सालों से जॉर्डन के राजा बने हुए हैं। साल 1999 में उन्होंने राज गद्दी संभाली और अब पैगंबर मुहम्मद की 41वीं पीढ़ी के वंशज हैं। ब्रिटेन और अमेरिका में पढ़ाई करने वाले अब्दुल्ला ने एक आम लड़की से शादी की। राज परिवार करीब 99 एकड़ में फैले महल अल-मकार में रहता है। अल-मकार राजधानी अम्मान में है, जिसे 1918 में बनाया गया था। 2018 में किंग अब्दुल्ला द्वितीय भारत यात्रा पर आए थे। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोबाल और कई मंत्री भी जॉर्डन जाते रहे हैं। अप्रैल 2025 में दोनों देशों के बीच चौथे दौर की फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन भी हुई। भारत जॉर्डन का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2023 से लेकर 2024 में दोनों देशों का व्यापार 2.875 अरब अमेरिकी डॉलर यानी कि 25858 करोड़ का रहा है। भारत ने जॉर्डन को 1465 मिलियन यानी कि 13 करोड़ का निर्यात किया था। भारत मुख्यत इलेक्ट्रिकल उपकरण, अनाज, केमिकल, पेट्रोलियम और ऑटो पार्ट्स भेजता है। जॉर्डन से उर्वरक, फास्फेट और फास्फेरिक एसिड आयात किए जाते हैं। दोनों देशों की कंपनियों के बीच बड़े निवेश भी हैं। फास्फेट और टेक्सटाइल क्षेत्रों में 1.5 अरब डॉलर का महत्वपूर्ण भारतीय निवेश है। वहीं इफको जेपीएमसी का 860 मिलियन डॉलर वाला ज़िफको प्रोजेक्ट फॉस्फेरिक एसिड उत्पादन में अहम है। 15 से अधिक भारतीय मूल की गवर्नमेंट कंपनियां भी जॉर्डन में काम करती हैं। 2025 में हेल्थ पर जॉइंट वर्किंग ग्रुप की बैठक में मेडिसिन रेगुलेशन, मेडिसिन डिवाइस और डिजिटल हेल्थ मिशन पर अहम चर्चा हुई।

परमाणु क्रांति : निजी भागीदारी से आत्मनिर्भर भारत

आरके जैन

अंधेरे पर नहीं, रोशनी पर टिकी है किसी राष्ट्र की असली ताक़त। वही रोशनी जो कारखानों को गति देती है, तकनीक को जीवन देती है और अर्थव्यवस्था को निरंतर आगे बढ़ाती है। भारत आज उसी रोशनी के एक नए युग के द्वार पर खड़ा है, जहाँ ऊर्जा की कमी विकास की रफ़्तार तय नहीं करेगी और पर्यावरण प्रगति की कीमत नहीं बनेगा। दिसंबर 2025 में कैबिनेट द्वारा मंजूर और लोकसभा में 15 दिसंबर को पेश किए गए शांति विधेयक (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) ने निजी निवेश के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को खोलने का मार्ग प्रशस्त किया है। यह मात्र एक विधेयक नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता, जलवायु नेतृत्व और आर्थिक महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षा का निर्णायक उद्घोष है।

लंबे समय तक भारत का परमाणु ऊर्जा क्षेत्र नीतिगत जड़ता और सरकारी एकाधिकार की सीमाओं में कैद रहा। वर्ष 1962 का परमाणु ऊर्जा अधिनियम, राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक संवेदनशीलता के तर्कों के साथ, इस क्षेत्र को बाहरी भागीदारी से दूर रखता आया। इसका नतीजा यह हुआ कि आज भारत की परमाणु क्षमता महज़ 8.88 गीगावाट पर सिमटी है, देश के कुल बिजली उत्पादन में इसकी हिस्सेदारी तीन प्रतिशत से भी कम। उसी दौर में विकसित राष्ट्र परमाणु ऊर्जा को अपनी ऊर्जा सुरक्षा की रीढ़ बना चुके हैं, जबकि भारत कोयले पर अत्यधिक निर्भर बना रहा। इस निर्भरता ने न केवल पर्यावरणीय दबाव बढ़ाया, बल्कि आयातित ईंधन पर खर्च का बोझ भी भारी किया। शांति विधेयक इसी ठहराव को तोड़ने वाला निर्णायक हस्तक्षेप है। यह निजी कंपनियों को रिएक्टरों के निर्माण, संचालन और सहायक गतिविधियों में भागीदारी की अनुमति देता है, जबकि ईंधन उत्पादन और परमाणु कचरा प्रबंधन जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र सरकारी नियंत्रण में ही रहेंगे। इस ऐतिहासिक फैसले के केंद्र में 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। यह लक्ष्य कोई साधारण संकल्प नहीं, बल्कि भारत की नेट-ज़ीरो 2070 प्रतिबद्धता की मजबूत आधारशिला है। कोयला आधारित बिजली पर निर्भरता घटाना, चौबीसों घंटे स्वच्छ और स्थिर बेसलोड ऊर्जा उपलब्ध कराना तथा भविष्य की तेज़ी से बढ़ती मांग को पूरा करना- ये सभी इसी लक्ष्य से गहराई से जुड़े हैं। अब तक सरकारी प्रयास इसलिए सीमित रहे क्योंकि परमाणु परियोजनाएँ अत्यंत पूंजी-गहन होती हैं; एक गीगावाट क्षमता स्थापित करने में हजारों करोड़ रुपये की आवश्यकता होती है। निजी क्षेत्र की भागीदारी न केवल विशाल निवेश को आकर्षित करेगी, बल्कि उन्नत वैश्विक तकनीकों का द्वार भी खोलेगी। विशेष रूप से छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) भारत के ऊर्जा परिदृश्य को बदल सकते हैं-जो फैक्ट्री में निर्मित होकर स्थल पर असेंबल होते हैं, जिससे निर्माण समय और लागत दोनों कम होंगे।

इस विधेयक की असली ताक़त इसकी संतुलित और दूरदर्शी सोच में निहित है। यह विस्तार और सुरक्षा के बीच किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करता। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की सीमा 49 प्रतिशत पर निर्धारित कर, नीति निर्माताओं ने तकनीकी सहयोग और पूंजी प्रवाह का मार्ग तो खोला है, लेकिन राष्ट्रीय संप्रभुता और रणनीतिक नियंत्रण को पूरी तरह सुरक्षित रखा है। नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 में प्रस्तावित संशोधन वर्षों से चली आ रही आपूर्तिकर्ताओं की आशंकाओं का समाधान करते हैं। दुर्घटना दायित्व से जुड़ी अनिश्चितता के कम होने से अब वैश्विक परमाणु कंपनियों के लिए भारत एक अधिक भरोसेमंद और आकर्षक निवेश गंतव्य बन सकता है। यह दृष्टिकोण अमेरिका और फ्रांस जैसे देशों के अनुभवों से प्रेरित है, जहाँ निजी भागीदारी ने परमाणु ऊर्जा को न केवल सुरक्षित, बल्कि व्यावसायिक रूप से भी सफल बनाया है।

फिर भी, यह यात्रा सहज नहीं, बल्कि चुनौतीपूर्ण है। सबसे बड़ी अड़चन बीमा संरचना की कमजोरी है। वर्तमान भारतीय परमाणु बीमा पूल मात्र 1,500 करोड़ रुपये का कवर प्रदान करता है, जो निजी संचालकों के जोखिम प्रोफ़ाइल के मुकाबले अपर्याप्त है। विशेष रूप से 'हॉट ज़ोन' अर्थात रिएक्टर क्षेत्रों की परिसंपत्तियों को बीमा दायरे में लाना अनिवार्य होगा, ताकि अंतरराष्ट्रीय पुनर्बीमा कंपनियों और वित्तीय संस्थानों का भरोसा जीता जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यापक और विश्वसनीय बीमा सुरक्षा के बिना बड़े निवेशक कदम बढ़ाने से हिचकेंगे। दूसरी प्रमुख चुनौती ईंधन सुरक्षा की है। भारत वर्तमान में अपनी यूरेनियम आवश्यकताओं का लगभग 70 प्रतिशत आयात करता है, जो दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति के लिए जोखिमपूर्ण है। ऐसे में थोरियम-आधारित परमाणु तकनीक भारत के लिए गेम-चेंजर सिद्ध हो सकती है, क्योंकि विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडार हमारे पास हैं। उन्नत परमाणु ईंधन (एएनईईएल) जैसे प्रयोग यदि सफल होते हैं, तो वे न केवल यूरेनियम पर निर्भरता घटाएंगे, बल्कि भारत को परमाणु ईंधन तकनीक में वैश्विक अग्रणी भी बना सकते हैं।

मानव संसाधन का सुदृढ़ीकरण इस परिवर्तन की अनिवार्य शर्त है। परमाणु क्षेत्र में विश्व-स्तरीय इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और कुशल तकनीशियनों की कमी लंबे समय से इसकी गति को सीमित करती रही है। निजी भागीदारी के साथ प्रशिक्षण संस्थानों का विस्तार, अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्रों की स्थापना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई धार मिलेगी। साथ ही, परियोजनाओं की लंबी समय-सीमा को मौजूदा 11-12 वर्षों से घटाकर छह-सात वर्ष तक लाना आवश्यक होगा, जिसके लिए पेशेवर प्रबंधन, दक्ष आपूर्ति श्रृंखला और समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया अपरिहार्य हैं। ये सुधार केवल क्षमता विस्तार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि परमाणु ऊर्जा को लागत और विश्वसनीयता दोनों के लिहाज़ से प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

यह विधेयक भारत को वैश्विक परमाणु परिदृश्य में एक नई पहचान देगा। जिस समय चीन और रूस तेज़ी से अपनी परमाणु क्षमता बढ़ा रहे हैं, भारत अब निजी नवाचार और पूंजी की शक्ति के साथ इस रणनीतिक दौड़ में निर्णायक प्रवेश कर रहा है। यह ऊर्जा सुरक्षा का ठोस आश्वासन है-जो आयातित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाएगा, मुद्रास्फीति पर दबाव कम करेगा और ग्रामीण से लेकर शहरी क्षेत्रों तक भरोसेमंद बिजली सुनिश्चित करेगा। जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में परमाणु ऊर्जा सबसे स्वच्छ और स्थिर बेसलोड स्रोत के रूप में उभरती है, जो कार्बन उत्सर्जन में भारी कटौती का मार्ग प्रशस्त करेगी।

नेशनल हेराल्ड केस में गांधी परिवार को राहत

अजय कुमार

नेशनल हेराल्ड केस में मंगलवार को गांधी परिवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से बड़ी राहत मिली, जहां प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया। यह मामला 2012 से चला आ रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्तियों के कथित गबन का आरोप लगाते हुए कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार की प्रकाशक कंपनी है, जो आजादी के आंदोलन के दौर में स्थापित हुई थी और नेहरू-गांधी परिवार से जुड़ी रही। मामले की जड़ 1938 में है, जब नेशनल हेराल्ड की स्थापना जवाहरलाल नेहरू ने की।

स्वतंत्र भारत में कंपनी को दिल्ली, मुंबई, लखनऊ समेत कई जगहों पर रियायती दरों पर जमीनें मिलीं। 2008 में एजेएल पर 90 करोड़ रुपये का कर्ज था, जिसे चुकाने के लिए कांग्रेस ने यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड नामक नॉन-प्रॉफिट कंपनी बनाई। सोनिया और राहुल इसमें 38-38 प्रतिशत शेयरधारक बने, जबकि अन्य कांग्रेस नेताओं के नाम भी जुड़े। यंग इंडियन ने एजेएल को ब्याजरहित 90 करोड़ का कर्ज दिया, बदले में एजेएल ने अपनी 99 प्रतिशत शेयर यंग इंडियन को ट्रांसफर कर दिए। भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने इसे धोखाधड़ी बताया,इससे एजेएल की मूल्यवान संपत्तियां गांधी परिवार के नियंत्रण में आ गईं, जबकि अखबार बंद हो चुका था। 2012 में स्वामी की शिकायत पर दिल्ली की मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट ने 2014 में ईओडब्ल्यू (इकोनॉमिक ऑफेंस विंग) को केस सौंपा। ईओडब्ल्यू ने 2015 में सोनिया, राहुल, सैम पितरोदा समेत कई पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। गांधी परिवार ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध बताया, दावा किया कि कर्ज से एजेएल को उबारने का प्रयास था, न कि संपत्ति हड़पने का। मामला हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां 2018-19 में यंग इंडियन को एजेएल शेयर वापस करने का आदेश मिला, लेकिन अपीलें लंबी चलीं।

इसी बीच 2018 में ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का कोण जोड़ दिया कि 700 करोड़ से अधिक की संपत्तियां अपराध की आय हैं। ईडी ने सोनिया-राहुल से कई बार पूछताछ की, रॉबर्ट वाड्रा का नाम भी आया। 2024-25 में केस ने नया मोड़ लिया। नवंबर 2025 में दिल्ली पुलिस की ईओडब्ल्यू ने नई एफआईआर दर्ज की, जिसमें गांधी परिवार पर सार्वजनिक संपत्तियों को व्यक्तिगत लाभ के लिए हड़पने का आरोप लगाया। ईडी ने इसी आधार पर दिसंबर में मनी लॉन्ड्रिंग की चार्जशीट दाखिल की। सुनवाई 16 दिसंबर को हुई, जहां जज विशाल गोगने ने ईडी की शिकायत खारिज करते हुए कहा कि निजी शिकायत पर मनी लॉन्ड्रिंग की कार्रवाई नहीं चलाई जा सकती। कोर्ट ने ईओडब्ल्यू की शिकायत से जुड़े रिवीजन पर भी फैसला सुनाया, जिसमें एफआईआर कॉपी देने से इनकार किया। गांधी पक्ष ने दलील दी कि कोई संपत्ति का उपयोग या प्रदर्शन नहीं हुआ, सिर्फ कर्ज चुकाया गया।

यह राहत अस्थायी लगती है, क्योंकि ईडी अपील कर सकती है। कांग्रेस ने इसे राजनीतिक साजिश का अंत बताया, जबकि भाजपा ने प्रक्रिया जारी कहा। केस ने 13 साल में गांधी परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाया, लेकिन आज का फैसला उनके लिए कानूनी जीत है। मूल मुकदमे में ईओडब्ल्यू की चार्जशीट पर सुनवाई बरकरार है। कुल मिलाकर, नेशनल हेराल्ड का यह सफर नेहरू युग की विरासत से लेकर आज की राजनीतिक जंग तक फैला है, जहां संपत्ति, कर्ज और सत्ता का टकराव केंद्र में रहा।

क्या समाप्त हो रहा है गांधी विचारधारा का युग

संजय सक्सेना

मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें महात्मा गांधी के नाम से जाना जाता है, आजादी की लड़ाई के प्रमुख नायक रहे हैं। लेकिन आज के भारत में उनकी छवि पर सवाल उठ रहे हैं। कई लोग मानते हैं कि उनको नापसंद करने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। सोशल मीडिया पर बहसें भड़कती हैं, जहां गांधी को हिंदू विरोधी ठहराया जाता है। खासकर युवा पीढ़ी में यह भावना मजबूत हो रही है। पुरानी किताबें पढ़कर या वीडियो देखकर लोग उनके फैसलों पर सवाल खड़े करते हैं। क्या वाकई गांधी ने हिंदुओं को अनदेखा किया और मुसलमानों पर ज्यादा भरोसा जताया? देश के बंटवारे के समय क्या उन्होंने सिर्फ एक पक्ष के हित सोचे? बदलते भारत में उनके विचार क्यों पीछे छूटते नजर आ रहे हैं? यह बदलाव हाल के वर्षों में नजर आया है। सोशल मीडिया पर गांधी के खिलाफ मीम्स और पोस्ट्स की बाढ़ आ गई है। कुछ लोग उन्हें श्मुस्लिम तुष्टिकरणश का प्रतीक बताते हैं।

दावा किया जाता है कि गांधी ने हिंदू भावनाओं को ठुकराया। इसका एक कारण है खत्री हत्या का बदला न लेना। 1948 में नाथूराम गोडसे ने गांधी की हत्या की। गोडसे हिंदू राष्ट्रवाद के समर्थक थे। वे मानते थे कि गांधी ने बंटवारे के दौरान हिंदुओं का नुकसान किया। हत्या के बाद कुछ हिंदू संगठनों ने आक्रोश जताया। लेकिन गांधी ने पहले कलकत्ता में भूख हड़ताल की, जिससे सांप्रदायिक दंगे थमे। फिर दिल्ली में भी ऐसा ही किया। लोगों का कहना है कि इससे हिंदुओं को न्याय न मिला। वे पूछते हैं कि पाकिस्तान जाने वाले हिंदुओं की संपत्ति लूटी गई, तो गांधी ने क्यों चुप्पी साधी? क्या यह हिंदू विरोधी रुख नहीं था?

गांधी के फैसलों में कई ऐसे पल हैं, जिन्हें हिंदू विरोधी कहा जाता है। खिलाफत आंदोलन इसका बड़ा उदाहरण है। 1919-1924 के बीच गांधी ने तुर्की के खलीफा के पक्ष में मुसलमानों का साथ दिया। हिंदू-मुस्लिम एकता के नाम पर उन्होंने हिंदुओं से अपील की कि मुसलमानों का विश्वास जीतें। लेकिन जब खिलाफत विफल हुई, तो हिंदू नुकसान में रहे। मालाबार में विद्रोह हुआ, जिसमें हजारों हिंदुओं की हत्या हुई। गांधी ने इसे शिंदू अत्याचारश कहा। लोगों का गुस्सा भड़का। वे कहते हैं कि गांधी ने मुसलमानों की हिंसा को नजरअंदाज किया। इसी तरह कोहाट दंगे में हिंदुओं को घर छोड़ने पड़े। गांधी ने मुसलमानों से संपत्ति न लूटने की अपील की, लेकिन हिंदुओं की चुप्पी पर सवाल न उठाया।

देश के बंटवारे के समय गांधी का रवैया सबसे ज्यादा विवादास्पद रहा। 1947 में भारत-पाकिस्तान का विभाजन हुआ। लाखों हिंदू और सिख पाकिस्तान से विस्थापित हुए। संपत्ति लूटी गई, महिलाओं पर अत्याचार हुए। लेकिन गांधी ने नेहरू सरकार से पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपये देने को कहा। यह राशि बंटवारे के समय रोकी गई थी। उनका तर्क था कि भारत को पाकिस्तान का कर्ज चुकाना चाहिए। आलोचक कहते हैं कि यह फैसला हिंदू शरणार्थियों के दर्द को भूल गया। वे भूखे मर रहे थे, लेकिन पैसा दुश्मन देश को दिया गया। गांधी ने कहा कि बिना पैसे दिए पाकिस्तान दंगे थाम सकता है। लेकिन हिंदुओं ने इसे अन्याय माना। क्या गांधी ने मुसलमानों के हित ही सोचे? जिन्ना की मांग पर देश टूटा, फिर भी गांधी ने हिंदू संगठनों को दबाया। आरएसएस पर प्रतिबंध लगवाया। लोग पूछते हैं कि हिंदू पीड़ितों के लिए ऐसा क्यों न किया?

गांधी के विचारों में अहिंसा मुख्य था। लेकिन आज के भारत में यह विचार कमजोर पड़ रहा है। आतंकवाद, सीमा पर हमले, चीन-पाकिस्तान की धमकियां। युवा कहते हैं कि गांधी की अहिंसा से दुश्मन मजबूत होते हैं। कश्मीर में हिंदू कश्मीरी पंडितों का नरसंहार हुआ। गांधी जीवित होते तो क्या कहते? उनके अनुयायी कहते हैं कि गांधी ने एकता सिखाई। लेकिन आलोचक चेताते हैं कि यह एकतरफा एकता थी। गांधी ने हिंदू त्योहारों पर कमजोर दिया। रामराज्य की बात की, लेकिन मूर्ति पूजा पर सवाल उठाए। वे कहते थे कि भगवान सर्वव्यापी हैं। हिंदू परंपराओं को कमजोर करने का आरोप लगता है। मुसलमानों को गाय काटने की छूट दी। हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंची।

बदलते भारत में गांधी अप्रासंगिक क्यों हो रहे हैं? आज का भारत आर्थिक शक्ति बन रहा है। चंद्रयान, मंगलयान, तेज विकास। युवा राष्ट्रवाद से प्रेरित हैं। मोदी सरकार की नीतियां हिंदू अस्मिता पर जोर देती हैं। राम मंदिर निर्माण, नागरिकता कानून। ये गांधी के विचारों से अलग हैं। सोशल मीडिया ने इतिहास को नया रूप दिया। पुरानी किताबें झूठी बताई जाती हैं। गांधी को नेहरू का साथी ठहराया जाता है। नेहरू की धर्मनिरपेक्षता को गांधी का वारिस कहा जाता है।

लेकिन हिंदू कहते हैं कि यह छलावा था। बाबरी मस्जिद विवाद में गांधी चुप रहे। आज के भारत में सांस्कृतिक जागरण हो रहा है। योग, आयुर्वेद, वेदांत की वापसी। गांधी का पश्चिमी प्रभाव वाला अहिंसा अब पुराना लगता है।

एक सर्वे बताता है कि 18-35 साल के 40 प्रतिशत युवा गांधी को नायक नहीं मानते। वे भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस को पसंद करते हैं। वे हिंसा से आजादी दिलाने वाले मानते हैं। गांधी की भूख हड़ताल को कमजोरी कहा जाता है। ब्रिटिश चले गए क्योंकि जापान ने दबाव डाला, ऐसा दावा है। गांधी का योगदान कम बताते हैं।

प्रदोष व्रत, कुछ इस तरह करें महादेव को प्रसन्न..

पंचांग के अनुसार पौष मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 16 दिसंबर , मंगलवार रात 11 बजकर 58 मिनट से शुरू हो चुकी और 18 दिसंबर, गुरुवार को रात 2 बजकर 33 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि और प्रदोष काल की गणना के आधार पर साल का अंतिम प्रदोष व्रत 17 दिसंबर 2025, बुधवार को ही रखा जाएगा। प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा करने से जीवन में समृद्धि और सौभाग्य की वृद्धि होती है।

प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

बुधवार के दिन पड़ने पर इसे बुध प्रदोष व्रत कहा जाएगा। यह व्रत व्यापार और करियर में प्रगति दिलाने वाला माना जाता है। प्रदोष काल 17 दिसंबर 2025, बुधवार को शाम 5 बजकर 27 मिनट से रात 8 बजकर 11 मिनट तक रहेगा। इस काल को भगवान शिव की पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। इस दिन सूर्यास्त से लगभग 45 मिनट पहले और 45 मिनट बाद तक यानी प्रदोष काल में पूजा अत्यधिक फलदायी मानी जाती है।

प्रदोष व्रत की धार्मिक मान्यता

धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत रखने से व्यक्ति के जीवन में आने वाले संकट और दोष धीरे-धीरे कम होने लगते हैं। इस दौरान शिवलिंग पर जल, दूध, बेल पत्र, फूल और धूप-दीप अर्पित कर पूजा करने से विशेष फल प्राप्त होता है। मान्यता है कि लगातार 11 प्रदोष व्रत रखने से सभी कष्ट, पाप और दुख दूर होते हैं और भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। विवाह की इच्छा रखने वाली कन्याओं को इस दिन माता पार्वती को लाल चुनरी अर्पित करनी चाहिए।

प्रदोष व्रत की पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन स्नान कर साफ वस्त्र पहने।

घर के मंदिर या शिवालय में बेलपत्र, गंगाजल, दही, दूध, शहद आदि से अभिषेक करें।

शिवलिंग पर चंदन, अक्षत, फूल, धूप–दीप, नैवेद्य अर्पित करें।

शाम के समय स्नान कर या स्वच्छ होकर शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।

इसके बाद "ॐ नमः शिवाय" या महामृत्युंजय मंत्र का जप करें।

प्रदोष काल में भगवान शिव और माता पार्वती पूजा और आरती करें।

पूजा संपन्न होने पर भगवान को भोग लगाएं और प्रसाद खुद भी ग्रहण करें।

नए साल में केतु होगा बलवान इन 3 राशियों को करेगा परेशान

नये साल में वैसे तो कई ग्रहों का राशि परिवर्तन होगा लेकिन सभी में केतु का गोचर काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल केतु एक ही साल में तीन बार राशि परिवर्तन करने जा रहा है। 29 मार्च को केतु मघा नक्षत्र में प्रवेश करेगा तो वहीं 5 दिसंबर को फिर से अपना नक्षत्र परिवर्तन करने के साथ-साथ अपनी राशि भी बदलेगा। लेकिन केतु का 29 मार्च वाला नक्षत्र गोचर काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इस दिन केतु अपने मघा नक्षत्र में प्रवेश करेगा। जिससे वह बलवान हो जाएगा और 5 दिसंबर तक यानी पूरे 8 महीने तक इसी नक्षत्र में रहेगा। ज्योतिष अनुसार ये अवधि तीन राशियों के जीवन में भूचाल लाने का काम कर सकती है। चलिए जानते हैं ये कौन सी राशियां हैं।

वृषभ राशि

केतु के नक्षत्र गोचर के कारण वृषभ वालों को पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आप काफी तनाव महसूस करेंगे। आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा। इस दौरान किसी भी काम में जोखिम लेने से बचना होगा नहीं तो भयंकर नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसके अलावा अप्रैल से नवंबर 2026 तक पैसों का उधार लेन-देन बिल्कुल न करें। प्रेम विवाह की इच्छा रखने वालों को भी इस दौरान काफी दिक्कतें आ सकती हैं।

सिंह राशि

केतु के कारण आपको करियर में अचानक समस्याएं आ सकती हैं। बिजनेस में भारी नुकसान हो सकता है इसलिए सतर्क रहें। प्रेम संबंधों में जल्दबाजी न करें नहीं तो नुकसान हो सकता है। केतु के कारण मनचाहे परिणाम मिलने में देरी हो सकती है। किसी वाद-विवाद में फंस सकते हैं। पार्टनरशिप के कामों में धोखा मिल सकता है। सेहत को लेकर भी सतर्क रहने के संकेत मिल रहे हैं।

मीन राशि

मीन राशि वालों के लिए अप्रैल से नवंबर 2026 तक का समय काफी मुश्किल हो सकता है। इस दौरान आपको लगभग सभी कार्यों में निराशा का सामना करना पड़ सकता है। किसी भी काम में जल्दबाजी नुकसान पहुंचा सकती है। इस अवधि में कहीं से बुरी खबर सुनने को मिल सकती है। सतर्क रहेंगे तो बड़े नुकसान से बच पाएंगे।

माघ मेले में वर्षों बाद बनने जा रहा बेहद शुभ संयोग

स्नान के लिए ये दिन होगा बेहद खास

माघ मेला हर साल प्रयागराज में आयोजित किया जाता है। इस मेले की शुरुआत पौष पूर्णिमा से होती है और महाशिवरात्रि तक यह मेला चलता है। माघ मेले के दौरान गंगा स्नान करने से भक्तों के पाप नष्ट होते हैं साथ ही आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी माघ मेले को बेहद खास माना जाता है। साल 2026 में माघ मेले की शुरुआत पौष पूर्णिमा से होगी जो 3 जनवरी को है। इसके बाद 5 अन्य प्रमुख तिथियों पर भी माघ मेले का पवित्र स्नान किया जाएगा। इस बार माघ मेले पर 75 साल बाद एक शुभ संयोग भी बनने जा रहा है जिसके चलते इस मेले को और भी खास माना जा रहा है।

माघ मेला 2026 प्रमुख तिथियां

पौष पूर्णिमा:	**3 जनवरी 2026**
मकर संक्रांति	**14 जनवरी 2026 (15 जनवरी को भी संक्रांति स्नान किया जाएगा)**
मौनी अमावस्या	**18 जनवरी 2026**
बसंत पंचमी	**23 जनवरी 2026**
माघ पूर्णिमा	**1 फरवरी 2026**
महाशिवरात्रि	**15 फरवरी 2026**

माघ मेला 2026 शुभ संयोग

माघ माह की शुरुआत इस साल 4 जनवरी से हो रही है और इस दिन रविवार रहेगा। साथ ही बेहद शुभ पुनर्वसु नक्षत्र इस दिन रहेगा। पुनर्वसु जैसे शुभ नक्षत्र के साथ माघ माह की शुरुआत होना बेहद मंगलकारी संयोग है। इसके साथ ही वर्षों बाद मकर संक्रांति के स्नान वाले दिन शनि का नक्षत्र अनुराधा विराजमान रहेगा। यानि जिस दिन सूर्य राशि बदलेंगे उस दिन सूर्य देव के पुत्र शनि का नक्षत्र रहेगा। ऐसे में मकर संक्रांति के स्नान को बेहद शुभ माना जा रहा है। इस दिन स्नान करने से आपको सूर्य का तेज और शनि की आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होगी। हालांकि, अन्य तिथियों का स्नान भी शुभ फलदायक होगा लेकिन मकर संक्रांति के स्नान को दान-पुण्य और आध्यात्मिक उत्थान के लिए इस वर्ष खास माना जा रहा है।

संक्रांति स्नान क्या दो दिन किया जाएगा?

साल 2026 में सूर्य ग्रह 14 जनवरी को दोपहर 3 बजे के बाद मकर राशि में प्रवेश करेंगे। इसलिए संक्रांति का सांयकालीन स्नान 14 जनवरी को किया जाएगा वहीं संक्रांति का प्रातःकालीन स्नान 15 जनवरी को मान्य होगा। इसलिए कई जगह आपको संक्रांति स्नान की तारीख 14 जनवरी तो कहीं 15 जनवरी दिख रही होगी।

क्रिसमस से पहले क्या होता है एडवेंट टाइम और एडवेंट कैंडल

एडवेंट टाइम हर साल क्रिसमस से करीब चार सप्ताह पहले शुरू होता है. यह समय आमतौर पर नवंबर के आखिरी या दिसंबर के पहले रविवार से शुरू होकर 24 दिसंबर तक चलता है. माना जाता है कि इसकी शुरुआत कई सौ साल पहले चर्चों में हुई थी, जब लोग यीशु मसीह के जन्म की याद में खुद को मानसिक और आध्यात्मिक रूप से तैयार करते थे. इस दौरान चर्चों में खास प्रार्थनाएं, गीत और सामूहिक सभाएं होती हैं. कई परिवार अपने घरों में भी छोटे स्तर पर इसे मनाते हैं. बच्चों के लिए यह समय खास होता है क्योंकि उन्हें हर सप्ताह कुछ नया देखने और सीखने को मिलता है. यह परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चलती आ रही है और आज भी उतनी ही भावनात्मक मानी जाती है।

एडवेंट कैंडल: चार दीपक, चार प्रतीक

एडवेंट टाइम का सबसे पहचाना जाने वाला प्रतीक है एडवेंट कैंडल. आमतौर पर एक गोल या चौकोर हरी माला में चार मोमबत्तियां लगाई जाती हैं. हर रविवार एक नई मोमबत्ती जलाई जाती है. यह क्रम धीरे-धीरे रोशनी बढ़ने का संकेत देता है.

पहली कैंडल – उम्मीद

यह मोमबत्ती आने वाले अच्छे समय की याद दिलाती है. अंधेरे में पहली रोशनी जैसे मन को सहारा देती है।

दूसरी कैंडल – शांति

यह हमें सिखाता है कि भागदौड़ भरी जिंदगी में भी मन को शांत रखना कितना जरूरी है।

तीसरी कैंडल – खुशी

इसे अक्सर गुलाबी रंग का रखा जाता है, जो बताता है कि खुशियां पास आ रही हैं।

चौथी कैंडल – प्रेम

यह सभी रिश्तों को जोड़ने वाले प्रेम का प्रतीक है, जो क्रिसमस का मुख्य भाव माना जाता है।

हर कैंडल के जलने के साथ घर और चर्च में माहौल और भी उजला हो जाता है।

कुछ घरों में क्रिसटलिंग की परंपरा

कुछ देशों और परिवारों में एडवेंट के समय क्रिसटलिंग नाम की परंपरा भी निभाई जाती है. इसमें एक संतरे के ऊपर मोमबत्ती लगाई जाती है और उसके चारों ओर रिबन, सूखे फल और मिठाइयां सजाई जाती हैं. संतरा धरती का प्रतीक माना जाता है और मोमबत्ती उस पर फैलती रोशनी का।

यह परंपरा खास तौर पर बच्चों को जीवन के प्रतीकों को समझाने के लिए अपनाई जाती है. इसके जरिए उन्हें बताया जाता है कि रोशनी और अच्छाई कैसे पूरे संसार में फैलती है।

एडवेंट का असली संदेश

एडवेंट टाइम का उद्देश्य सिर्फ धार्मिक रस्म निभाना नहीं है. इसका असली संदेश है अपने व्यवहार, सोच और रिश्तों में सुधार लाना. यह समय माफ़ी, सहानुभूति और मदद की भावना को बढ़ाने का होता है. कई लोग इस दौरान जरूरतमंदों की मदद करते हैं, दान देते हैं और अपनों के साथ समय बिताते हैं. धीरे-धीरे जलती मोमबत्तियां यह सिखाती हैं कि बदलाव एकदम नहीं आता, बल्कि छोटे-छोटे कदमों से जीवन उजाला बनता है।

नाम से तय होता है बच्चे का भाग्य

नामकरण में इन बातों का रखें विशेष ध्यान

शास्त्रों के अनुसार, बच्चे का नाम छोटा, सरल और अर्थपूर्ण होना चाहिए. इसके साथ ही जन्म के समय का नक्षत्र नामकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. नक्षत्र के अनुसार रखा गया नाम बच्चे के जीवन में संतुलन और सफलता लाता है. इसके अलावा वंश और गोत्र का ध्यान रखना भी आवश्यक माना गया है ताकि भविष्य में किसी प्रकार की धार्मिक या सामाजिक बाधा उत्पन्न न हो।

रामचरितमानस से मिलते हैं नामकरण के संकेत

धार्मिक ग्रंथों जैसे- रामचरितमानस और सुंदरकांड में नाम और उसके प्रभाव से जुड़े कई उदाहरण मिलते हैं. एक प्रसंग में माता सीता अशोक वृक्ष के नीचे बैठी होती हैं और कहती हैं, 'सत्य नाम करु हरूमम शोका.' यहां अशोक का अर्थ है, जो शोक का नाश करता है. इसी प्रकार चंद्रमा के दो नाम शशि और मयंक का उल्लेख मिलता है. एक प्रसंग में शशि को कलंक से जोड़ा गया है, जिसके कारण कई विद्वान इस नाम से बचने की सलाह देते हैं।

गलत नाम बन सकता है गलत दिशा का कारण

उज्जैन के आचार्य भारद्वाज का कहना है कि बच्चों को हमेशा ऐसे नाम देने चाहिए, जो सद्गुण, सकारात्मकता और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक हों, राक्षसी प्रवृत्ति या दुष्ट चरित्रों से जुड़े नाम जैसे- कंस, रावण या उनके पर्यायवाची बच्चों के नाम से कभी नहीं जोड़ने चाहिए. ऐसे नाम बच्चे को अनजाने में नकारात्मक सोच और गलत दिशा की ओर ले जा सकते हैं।

भाग दौड़ की जिंदगी में नहीं ले पा रहे हैं आराम की नींद तो अपनाएं फेंगशुई के ये टिप्स!

अपने बिस्तर के लिए सही दिशा चुनें

फेंगशुई के अनुसार, बिस्तर का हेडबोर्ड दीवार से सटा होना चाहिए और सीधे दरवाजे के सामने नहीं होना चाहिए. यह सुरक्षा और स्थिरता को दर्शाता है, जो अच्छी नींद के लिए जरूरी हैं।

बाथरूम इस दिशा में नहीं बनवाना चाहिए

आपको कभी भी अपना बाथरूम दक्षिण-पूर्व या उत्तर-पश्चिम दिशा में नहीं बनवाना चाहिए. इन दिशाओं में बने बाथरूम नेगेटिव एनर्जी को आकर्षित करते हैं और धन और खुशी का नुकसान हो सकता है. बाथरूम से नेगेटिव एनर्जी को दूर करने के लिए, उसे हमेशा साफ-सुथरा रखना चाहिए. जब इस्तेमाल न हो रहा हो तो टॉयलेट का ढक्कन और बाथरूम का दरवाज़ा बंद रखना चाहिए।

बेड के सामने शीशा नहीं होना चाहिए

फेंगशुई के अनुसार, बिस्तर के सामने शीशा नहीं होना चाहिए. इससे नींद खराब हो सकती है और बेचैनी हो सकती है.

बेडरूम को रखें साफ

एनर्जी का सही फ्लो बनाए रखने के लिए बिस्तर के नीचे फालतू सामान रखने से बचें और कमरे को साफ-सुथरा रखें।

बुद्धि को तराश कर भक्ति को दृढ़ कर लिया जाए

अगर बुद्धि तराश ली जाए, भक्ति दृढ़ कर ली जाए तो हमारी हैसियत चाहे छोटी हो, बड़े-बड़े पद-कद वाले लोग भी हमारे पास कुछ प्राप्त करने आएंगे। इसका उदाहरण हैं काकभुशुंडि जी। हैं तो कौवा, लेकिन शिव जी ने पक्षीराज गरुड़ को कहा कि उनके पास जाओ। तो क्या था ऐसा काकभुशुंडि जी के पास? तुलसीदास जी लिखते हैं- गयउ गरुड़ जहं बसइ भुसुंडा, मति अकुंठ हरि भगति अखंडा। निश्छल हरिभक्ति और तीव्र बुद्धि वाले भुशुंडि जी जहां रहते थे, वहां गरुड़ जी गए।

इसमें अकुंठ बुद्धि का अर्थ- जो कभी कुंठित ना हो, कुंद ना हो, तीव्र रहे। और अखंड भक्ति का अर्थ- जो कभी खंडित ना हो। एकतार, तेल की धारा की तरह स्थिर रहने वाली निश्चल, अविरल। भक्ति का अर्थ है अपने से ऊपर किसी शक्ति को मान्यता देना। और बुद्धि अकुंठ तब होगी, जब हम उसे शिक्षा, अनुभव से तराशते रहेंगे। दोनों काम अपनी हैसियत के बाहर जाकर करें। शिक्षा पानी ही है, इसमें लापरवाही ना करें। भक्ति को दृढ़ रखना ही है, इसमें भूल न की जाए।

तिल में छुपा है किस्मत का राज, नजरअंदाज करना पड़ सकता है भारी!

होता है बेहद भाग्यशाली और धन-संपन्न

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के दाएं गाल पर तिल होना अत्यंत शुभ माना जाता है. ऐसे लोग किस्मत के धनी होते हैं और जीवन में कभी आर्थिक कमी महसूस नहीं करते।

ये अपने जीवनसाथी के प्रति बेहद वफादार होते हैं और रिश्तों में अच्छा तालमेल बनाए रखते हैं. वहीं अगर बाएं गाल पर तिल हो, तो ऐसा व्यक्ति स्वभाव से थोड़ा अधिक खर्चीला माना जाता है।

यहां तिल होना माना जाता है सौभाग्य का संकेत

शास्त्रों के अनुसार माथे के दाएं हिस्से पर तिल होना धन-वृद्धि का संकेत देता है. ऐसे लोग मेहनती होते हैं और अपने परिश्रम से ऊँचाइयों तक पहुँचते हैं.इनके जीवन में धन और वैभव की निरंतर बढ़ोतरी होती रहती है. वहीं माथे के बाएँ भाग पर तिल जीवन में संघर्ष और चुनौतियों का संकेत माना जाता है।

सीने के बीच तिल दे विशेष कृपा

यदि किसी व्यक्ति के सीने के मध्य भाग में तिल हो, तो यह अत्यंत शुभ फलदायी माना जाता है. ऐसे लोग भाग्यशाली होते हैं और इन पर माता लक्ष्मी की विशेष कृपा बनी रहती है. इन्हें जीवन के भौतिक सुख सहज ही प्राप्त होते हैं. ये लोग योजनाबद्ध तरीके से कार्य करते हैं और समाज में अपनी अलग पहचान बनाते हैं।

मिलती है सफलता, नाम और शोहरत

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार दाहिनी हथेली पर तिल होना अत्यधिक शुभ संकेत है. ऐसे व्यक्ति व्यापार और करियर में बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं. इन्हें मान-सम्मान, प्रसिद्धि और आर्थिक मजबूती तीनों का सुख मिलता है. धन-संपत्ति के मामलों में ये लोग काफी लकी माने जाते हैं।

होंठ और ठोड़ी पर तिल का विशेष अर्थ

शास्त्रों में होंठ और ठोड़ी का संबंध बुध और शुक्र ग्रह से माना गया है।

अगर होंठों के नीचे या ठोड़ी पर तिल हो, तो यह ग्रहों की कमजोरी का संकेत देता है, जिसके कारण व्यक्ति को जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है. वहीं होंठों के ऊपर तिल होना बुध और शुक्र की मजबूती को दर्शाता है, जिससे व्यक्ति को वाणी, बुद्धि और ऐश्वर्य का लाभ मिलता है।

आलिया भट्ट का ब्लैक हॉल्टर-नेक ड्रेस में ग्लैमरस अवतार, उस पर डायमंड नेकलेस ने खींचा ध्यान

आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर ब्लैक हल्टर-नेक ड्रेस में ग्लैमरस लुक शेयर किया. फैंस ने उनके स्टाइल और खूबसूरती की जमकर तारीफ की. बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट हमेशा अपनी फिल्मों और स्टाइल के लिए चर्चा में रहती हैं. हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी नई फोटो शेयर की, जिसमें उनका ग्लैमरस अवतार देखने को मिला हैं. फैंस उनकी खूबसूरती और स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपनी फोटो पोस्ट की है जिसमें वे बेहद ग्लैमरस लग रही हैं उन्होंने ब्लैक हॉल्टर-नेक ड्रेस पहनी हुई थी जो उनके फिगर पर परफेक्ट फिट बैठ रही थी और उनके एलीगेंट और क्लासी स्टाइल को हाइलाइट कर रही थी. ड्रेस की सिंपल लेकिन सोफिस्टिकेटेड डिजाइन उनके ओवरऑल लुक को और भी ग्लैमरस बना रही थी.

उनका मेकअप बहुत ही सॉफ्ट और नैचुरल था. आंखों पर हल्का स्मोकी इफेक्ट और सटल लिप्स उनके लुक को बैलेंस्ड और क्लासी बना रहे थे. चीक्स पर सटल ब्लश उनके फेस को फ्रेश और रेडियंट दिखा रहा था.

बाल लूजली टाइड मेस्सी बन में थे, जो उनके लुक में कैज़ुअल चार्म ऐड कर रहा था. एक्सेसरीज में उन्होंने सिर्फ डायमंड चोकर नेकलेस और छोटे ईयररिंग्स चुने थे, जिससे उनका लुक मिनिमलिस्टिक और सोफिस्टिकेटेड लग रहा था.

फैंस ने आलिया की इस फोटो पर जबरदस्त रिएक्शन दिया है. सोशल मीडिया पर उनके फॉलोअर्स ने कमेंट्स में लिखा -'मेरे ड्रीम लुक','ग्लैमरस क्वीन', 'अल्टीमेट स्टाइल गोल्स', और 'इतनी खूबसूरत लग रही हो, आलिया'. उनकी पोस्ट पर हजारों लाइक्स और हार्ट इमोजी की बाढ़ देखने को मिली, जो उनके ग्लैमरस लुक और स्टाइल की तारीफ कर रही थी.

आलिया भट्ट इस समय अपने करियर के बहुत ही एक्साइटिंग फेज में हैं. उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स भी फैंस के लिए बहुत खास हैं.

वाईआरएफ की स्पाय थ्रिलर 'अल्फा' जो 17 अप्रैल 2026 को रिलीज़ होगी. इस फिल्म में आलिया के साथ शर्वरी और बॉबी देओल नजर आएंगे. इस मूवी में आलिया का इंटेंस और एक्शन-पैक्ड लुक स्क्रीन पर उनकी वर्सेटिलिटी को हाइलाइट करेगा.

साथ ही, संजय लीला भंसाली की एपिक रोमांटिक-ड्रामा 'लव एंड वॉर' जो 14 अगस्त 2026 को रिलीज़ होने वाली है इस फिल्म में उनके को-स्टार्स रणबीर कपूर और विक्की कौशल हैं.

संजय लीला भंसाली की ग्रैंड स्टोरीटेलिंग और आलिया की इमोटिव परफॉर्मेंस इस मूवी को खास बनाने वाली हैं. इसके अलावा, फैंस उन्हें पोटेंशियल कैमियो या सपोर्टिंग रोल में ब्रह्मास्त्र पार्ट टूः देव और जी ले जरा में भी देखने की उम्मीद कर रहे हैं.

'बॉर्डर 2' के टीजर लॉन्च पर रोने लगे सनी देओल पिता धर्मेंद्र को याद कर भर आईं आंखें

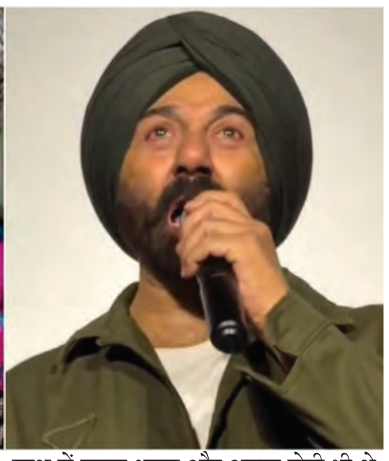

दिवंगत अभिनेता और पिता धर्मेंद्र के निधन के बाद सनी देओल पहली बार मंगलवार को किसी सार्वजनिक इवेंट में नजर आए। सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 के टीजर लॉन्च पर पूरी टीम के साथ मौजूद रहे। इस दौरान उनकी आंखों में आंसू नजर आए। पिता को खोने के दर्द के बीच सनी पाजी अपनी प्रोफेशनल कमिटमेंट को निभाते हुए नजर आए।

सनी देओल हो गए भावुक

इस इवेंट पर जैसे ही सनी देओल ने 'बॉर्डर 2' का एक डायलॉग बोलना शुरू किया, तो उनका गला रूंध गया। वो भावुक हो गए और आंखों में आंसू भर आए। वहां मौजूद सभी लोगों और मीडिया ने सनी देओल का हौसला बढ़ाया। इवेंट के दौरान सनी ने फिल्म से अपने किरदार के लुक में एंट्री की। वह जीप चलाते हुए सेट पर आए। साथ में वरुण धवन और अहान शेट्टी भी थे, जो फिल्म में अहम रोल में हैं।

काफी समय से बीमार थे धर्मेंद्र

धर्मेंद्र लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। सांस लेने में परेशानी बढ़ने पर उन्हें 10 नवंबर 2025 को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान उनकी हालत गंभीर हो गई, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा।

बाद में उन्हें अस्पताल से छुट्टी देकर घर ले जाया गया, जहां परिवार और मेडिकल टीम की निगरानी में उनका उपचार चलता रहा। उनकी तबीयत में कुछ सुधार भी देखा गया, लेकिन 24 नवंबर को 89 वर्ष की आयु में उन्होंने अंतिम सांस ली। धर्मेंद्र की अंतिम फिल्म 'इक्कीस' 25 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

करीना को लेकर इस वजह से सैफ को होती थी जलन एक्टर का बड़ा खुलासा; बोले- 'रिश्तों में भरोसा होना चाहिए'

सैफ अली खान और करीना कपूर बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा कपल में से एक हैं। दोनों अक्सर ही एक-दूसरे पर प्यार लुटाते हुए कपल गोल देते रहते हैं। अब सैफ ने करीना से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है। सैफ ने कहा कि जब करीना दूसरे अभिनेताओं के साथ स्क्रीन पर काम करती थीं, तो उन्हें जलन होती थी। हालांकि, एक्टर ने बताया कि समय के साथ कैसे उनका रिश्ता अब और मजबूत हुआ है।

सैफ ने की करीना की दिल खोलकर तारीफ

सैफ अली खान ने पुराने वक्त को याद किया। एक्टर ने कहा कि करीना पहली अभिनेत्री थीं, जिनके साथ उन्होंने डेट किया था। इस दौरान उन्होंने रानी मुखर्जी से मिली सलाह का भी जिक्र किया था, जिन्होंने उन्हें किसी हीरो के साथ डेट करने का नाटक करने को कहा था। इस पर बात करते हुए सैफ ने करीना की खासियतों के बारे में बताया। सैफ का मानना है कि करीना में एक स्टार होने के अलावा एक मां, पत्नी और गृहणी होने के भी गुण मौजूद हैं। सैफ ने कहा कि वह सचमुच एक अद्भुत महिला हैं और मैं उनके साथ रहकर बहुत भाग्यशाली महसूस करता हूं। क्योंकि वह उन प्यार करने वाली लोगों में से एक हैं जिनसे मैं मिला हूं। वह बिल्कुल अद्भुत हैं। मैं उनकी बहुत तारीफ कर सकता हूं। मुझे पता है कि यह थोड़ा भावुक करने वाला है। वह हमारे लिए एक प्यारा घर बनाती हैं। वह कैमरे के सामने बहुत क्रिएटिव हैं, लेकिन वह हमारे साथ भी उतनी ही क्रिएटिव हैं।

करीना के दूसरे एक्टर के साथ काम करने पर सैफ को होती थी जलन

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सैफ ने ये माना कि करीना को दूसरे अभिनेताओं के साथ काम करते देखकर उन्हें इनसिक्योरिटी और जलन महसूस होती थी। एक्टर ने कहा कि शुरुआत में मेरे साथ सामान्य व्यवहार करना आसान नहीं था। शायद मैं थोड़ी जलन महसूस करता था और यह समझ नहीं पा रहा था कि दूसरे पुरुषों के साथ उनके काम पर कैसी प्रतिक्रिया दूं। यह सब मेरे लिए नया था। ये ऐसी फीलिंग्स हैं, जिन्हें समझदारी से संभालना पड़ता है। एक-दूसरे पर बहुत भरोसा और विश्वास होना चाहिए। जब रिश्ते नए होते हैं और अगर आप स्वभाव से इनसिक्योर हैं, तो इसे संभालना मुश्किल हो सकता है। आमतौर पर मैं ऐसी लड़कियों के साथ डेट पर जाता था जिनका फिल्मों से कोई लेना-देना नहीं होता था। मुझे जो बात खटकती थी, वह यह थी कि मेरे कम्पटीटर उनके सहयोगी होते थे और मैं सोचता था, 'यह सब कैसे चलता है? लेकिन प्यार इन सब पर जीत हासिल करता है। हालांकि, अब मैं हमेशा करीना की खुशी को हर चीज से ऊपर रखंगाष भले ही इसका मतलब किसी प्रतिद्वंदी की सफलता का जश्न मनाना ही क्यों न हो।

2012 में शादी के बंधन में बंधे सैफ-करीना

सैफ और करीना के अफेयर की चर्चाएं 'टशन' फिल्म में साथ काम करने के दौरान शुरू हुई थीं। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए। इसके बाद साल 2008 में सैफ ने अपनी बांह पर करीना के नाम टैटू भी करवाया। फिर दोनों ने साल 2012 में शादी कर ली। इसके बाद साल 2016 में दोनों ने अपने पहले बेटे तैमूर का स्वागत किया। फिर 2021 में करीना दूसरी बार मां बनीं और उन्होंने जेह को जन्म दिया।

भारती सिंह ने आयशा खान को लेकर किया ऐसा कमेंट, लोगों ने कर दिया ट्रोल; बोले- 'ये मजाक नहीं बॉडी शेमिंग है'

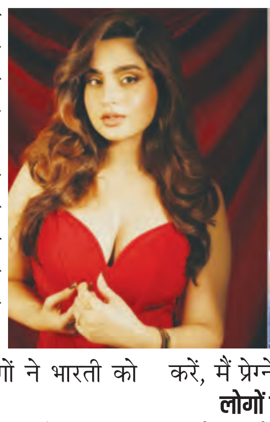

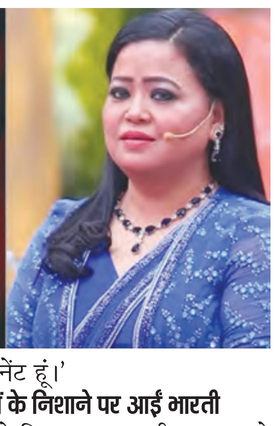

कॉमेडियन भारती सिंह जल्द ही दूसरी बार मां बनने वाली हैं। लेकिन भारती प्रेग्नेंसी में भी लगातार काम कर रही हैं। वो इन दिनों रियलिटी शो 'लॉफ्टर शेफ' को होस्ट कर रही हैं। अब शो के हालिया एपिसोड में भारती ने कुछ ऐसा कर दिया, जो काफी वायरल हो गया। वहीं इसके बाद कुछ लोगों ने भारती को ट्रोल भी कर दिया।

भारती के कमेंट से असहज हुईं आयशा

लॉफ्टर शेफ के हालिया एपिसोड में कपिल शर्मा समेत 'किस किसको प्यार करूं 2' की पूरी टीम शो पर पहुंची थी। इस दौरान कपिल के साथ पूरी टीम ने जमकर मस्ती की। इसी दौरान भारती ने फिल्म की हीरोइन आयशा खान को लेकर कुछ ऐसा कह दिया, जो वायरल हो गया और कई लोगों को पसंद भी नहीं आ रहा है। पूरी कास्ट के एंट्री करने के बाद भारती ने कहा, 'जब सारी हीरोइन आई ना, मुझे आयशा को देख के लगा कृष्णा फिर से आ गया।'

भारती के इतना कहते ही सब जोर-जोर हंसने लगे। जबकि आयशा भी ये सुनकर हैरान रह गईं। इसके बाद भारती ने अपनी बात को संभालते हुए कहा कि क्योंकि आयशा कृष्णा की ही तरह लंबी है ना। भारती के इस कमेंट से आयशा काफी असहज नजर आईं और अपने पेट को हाथ से ढकने की कोशिश करते हुए कपिल शर्मा की ओर दौड़ती नजर आईं। इसके बाद कपिल ने भारती से पूछा कि ये तारीफ थी या क्या? वहीं पारुल गुलाटी ने भारती से कहा कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए था। इस पर भारती ने जवाब दिया, 'माफ करें, मैं प्रेग्नेंट हूं।'

लोगों के निशाने पर आईं भारती

शो की ये क्लिप अब काफी वायरल हो रही है। वहीं इस पर तरह-तरह के रिएक्शन भी सामने आ रहे हैं। कुछ यूजर्स भारती के कमेंट को बॉडी शेमिंग बता रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारती ने आयशा की बॉडी शेमिंग की है।

वहीं कुछ का कहना है कि भारती शो पर पुरुष-महिला सबकी ही बेइज्जती करती रहती हैं। वो मजाक के नाम पर लोगों को नीचा दिखाती हैं। एक नेटिजन ने कहा कि यह बिल्कुल भी मजेदार नहीं था और मोटे शरीर वाली महिलाओं के प्रति सरासर अपमानजनक था, जबकि आयशा उतनी मोटी भी नहीं हैं। जबकि एक ने कहा कि मुझे आयशा के लिए बुरा लग रहा है। ये बिल्कुल भी फनी नहीं था।

सिनेमाघरों में बनी है 'किस किसको प्यार करूं 2'

कपिल शर्मा स्टारर 'किस किसको प्यार करूं 2' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। 12 दिसंबर को रिलीज हुई फिल्म को 'धुरंधर' जैसी फिल्म का सामना करना पड़ रहा है। फिल्म में कपिल के साथ आयशा खान, हीरा वरीना, पारुल गुलाटी, त्रिधा चौधरी और मंजोत सिंह जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आए हैं।

प्लास्टिक सर्जरी के दावों पर भड़कीं रकुल प्रीत सिंह

बोलीं- वेट लॉस नाम की भी कोई चीज होती है

रकुल प्रीत सिंह ने प्लास्टिक सर्जरी के दावों को गलत बताया. एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर कहा कि फिटनेस, डाइट और मेहनत से भी लुक में बदलाव आता है. सोशल मीडिया पर एक बार फिर बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह को लेकर चर्चा तेज हो गई है. प्लास्टिक सर्जरी को लेकर किए गए एक दावे पर रकुल ने चुप रहने के बजाय सामने आकर सच्चाई बताई और साफ शब्दों में अपना रिएक्शन दिया.

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह इन दिनों सोशल मीडिया पर चल रहे एक कॉन्ट्रोवर्सी को लेकर चर्चा में हैं. हाल ही में एक शख्स, जो खुद को डॉक्टर और प्लास्टिक सर्जन बता रहे थे, उसने रकुल की कुछ फोटोज़ शेयर करते हुए दावा किया कि एक्ट्रेस ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है.

ये पोस्ट देखते ही देखते वायरल हो गई, जिसके बाद रकुल ने खुद सामने आकर इस पर अपना रिएक्शन दिया. रकुल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर स्टोरी शेयर करते हुए साफ कहा कि बिना किसी प्रूफ के इस तरह के दावे करना बिलकुल गलत है. उन्होंने कहा कि जो लोग खुद को प्रोफेशनल बताते हैं और फिर भी इस तरह के अनुमान लगाते हैं, उनसे लोगों को सावधान रहना चाहिए.

रकुल ने ये भी कहा कि सिर्फ किसी के चेहरे या शरीर में बदलाव देखकर यह मान लेना कि उसने सर्जरी करवाई है, सही सोच नहीं है. एक्ट्रेस ने आगे बताया कि अगर कोई इंसान कॉस्मेटिक प्रोसीजर कराता भी है, तो वह उसकी अपनी चॉइस होती है. लेकिन किसी के बारे में झूठी बातें फैलाना और उसे साइंस के नाम पर सही ठहराने की कोशिश करना ठीक नहीं है. रकुल के मुताबिक, ऐसी बातें लोगों को गलत जानकारी देती हैं और उन्हें गुमराह करती हैं. रकुल ने ये भी साफ किया कि उनके लुक और बॉडी में जो बदलाव दिख रहा है, वह रेगुलर वर्कआउट, सही डाइट और हेल्दी लाइफस्टाइल की वजह से है. उन्होंने कहा कि फिटनेस पर लगातार मेहनत करने से भी इंसान में बड़ा बदलाव आ सकता है, इसके लिए हर बार सर्जरी जरूरी नहीं होती. आखिर में रकुल ने अपने फैंस से अपील की कि सोशल मीडिया पर दिखने वाली हर बात पर भरोसा न करें, खासकर तब जब कोई बिना सही जानकारी के किसी पर आरोप लगा रहा हो. वर्क फ्रंट की बात करें तो रकुल प्रीत सिंह जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्मों में नजर आने वाली हैं और अपने काम को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं. वो फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में नजर आई थीं. इस फिल्म में वो अजय देवगन के अपोजिट रोल में थीं.

बंगलूरू में शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट के खिलाफ पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी फिल्मों से ज्यादा अपने व्यक्तिगत जीवन और बिजनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि बंगलूरू में शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट और पब 'बास्टियन' के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। मामला रेस्टोरेंट और पब के देर तक खुले रहने और वहां पर बहस होने से संबंधित है।

देर रात तक खुले रहने पर पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बंगलूरू पुलिस ने शिल्पा शेट्टी के स्वामित्व वाले 'बास्टियन' रेस्टोरेंट के खिलाफ नियमों का उल्लंघन करते हुए तय समय से अधिक समय तक खुले रहने और देर रात तक पार्टियां आयोजित करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'बास्टियन' रेस्टोरेंट 11 दिसंबर को निर्धारित समय से अधिक यानी रात 1:30 बजे तक खुला रहा। पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करने के आरोप में रेस्टोरेंट के प्रबंधकों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शिकायत कुब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है क्योंकि बस्तियन रेस्टोरेंट शहर के सेंट मार्क रोड पर स्थित है।

वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने की कार्रवाई

इससे पहले बीते दिनों एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। इसमें ये दावा किया जा रहा था कि ये वीडियो बंगलूरू स्थित शिल्पा शेट्टी के रेस्टोरेंट 'बास्टियन' के बाहर का है। वीडियो में देर रात ग्राहकों के बीच कहा-सुनी होते दिखाई दे रही है। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि पुलिस ने इस वीडियो के सामने आने के बाद शिल्पा शेट्टी के बास्टियन पब और रेस्टोरेंट के खिलाफ देर रात तक खुले रहने के चलते एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने निर्धारित समय से अधिक समय तक खुले रहने के लिए मामला दर्ज किया है।

बिग बॉस के पूर्व कंटेस्टेंट सत्य नायडू भी थे शामिल

वायरल हुए वीडियो में दिख रहे लोगों में से एक व्यवसायी और बिग बॉस के पूर्व प्रतिभागी सत्य नायडू हैं। विवाद पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए सत्य नायडू ने पहले दुर्व्यवहार के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि मैं सिर्फ दोस्तों के साथ खाना खाने पब गया था। उन्होंने बताया कि भुगतान के दौरान भ्रम की स्थिति उत्पन्न हुई और जोर देकर कहा कि कोई हाथापाई नहीं हुई।

बास्टियन ब्रांड की सह-मालिक हैं शिल्पा

शिल्पा शेट्टी लंबे समय से बास्टियन ब्रांड से जुड़ी हुई हैं। वो इसमें इसके संस्थापक और रेस्तरां व्यवसायी रंजीत बिंद्रा के साथ पार्टनरशिप में हैं। पुलिस ने पुष्टि की कि वीडियो की समीक्षा के बाद स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले दर्ज किए गए, जिनसे पता चला कि पब निर्धारित समय से अधिक समय तक खुले थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ये कार्रवाई नए साल से पहले पबों पर की जा रही व्यापक कार्रवाई का हिस्सा है।

बच्चों में बढ़ता चिड़चिड़ापन, जिद और गुस्से को कैसे दूर करें? अपनाएं ये टिप्स

आजकल ज्यादातर पैरेंट्स की सबसे बड़ी चिंता यही है कि बच्चे हमारी बात नहीं सुनते, हर बात में गुस्सा दिखाते है, हर चीज के लिए जिद करते हैं. पहले के मुकाबले अब पैरेंट्स को बच्चों को संभालना कहीं ज्यादा मुश्किल लगने लगा है. जहां पहले बच्चे डर और डिसिप्लिन से चलते थे, वहीं आज के बच्चे अपनी बात रखना चाहते हैं, सवाल पूछते हैं और हर चीज पर अपनी राय देते हैं. ऐसे में जब बच्चे जिद करने लगते हैं, छोटी-छोटी बात पर चिड़चिड़े हो जाते हैं या गुस्सा करते हैं, तो पैरेंट्स को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे संभालें. लेकिन थोड़े से समझदारी वाले तरीको से बच्चों के गुस्से और जिद को धीरे-धीरे कम किया जा सकता है. तो आइए जानते हैं कि बच्चों में बढ़ता चिड़चिड़ापन, जिद और गुस्से को कैसे दूर करें, इसके लिए क्या खास तरीके हैं.

क्यों बढ़ रही है बच्चों में जिद और गुस्सा?

बच्चे जब खुद के इमोशन्स को ठीक से समझ नहीं पाते, तो वे गुस्से या जिद के रूप में उन्हें बाहर निकालते हैं. इसके अलावा पेरेंट्स जब दिनभर के कामों में बिजी रहते हैं और बच्चों को समय नहीं दे पाते, तो बच्चे ध्यान खींचने के लिए जिद या चिड़चिड़ापन दिखाते हैं. मोबाइल, टैबलेट और टीवी का ज्यादा यूज बच्चों की समझ को कम कर देता है. इससे वे छोटी बातों पर भी गुस्सा करने लगते हैं. अगर बच्चों की बातों को बार-बार टाल दिया जाए या हर बात पर डांट दिया जाए, तो बच्चे अंदर ही अंदर गुस्से से भरने लगते हैं.

कुछ खास और आसान तरीके, जो बच्चों की जिद और गुस्से को कम कर सकते हैं

आज की जनरेशन के बच्चे बेहद समझदार हैं. ये बच्चे अपने विचार खुद बनाते हैं और किसी का हुक्म मानने से पहले उसकी वजह जानना चाहते हैं. इसलिए जरूरी है कि आप बच्चों को कंट्रोल करने की जगह उनसे इमोशनल बोंड बनाएं. जब आप बच्चे के साथ एक दोस्त जैसा रिश्ता बनाएंगे, तो वह आपकी बात खुद मानेगा. इसके अलावा कुछ खास और आसान तरीके भी बच्चों की जिद और गुस्से को कम कर सकते हैं. जैसे -

1. हर दिन 15 मिनट बच्चों के साथ बिना किसी सलाह के बातचीत करें. एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर आप हर दिन अपने बच्चे के साथ सिर्फ 15 मिनट बिना कोई सिख दिए, बिना डांटे, सिर्फ उनकी बातें सुनें तो धीरे-धीरे बच्चा शांत और समझदार बनता जाएगा.

2. इसके अलावा बच्चों की फीलिंग्स समझें, जज न करें. जब बच्चा गुस्से में हो या रो रहा हो, तो तुरंत चुप कराने की कोशिश न करें. पहले उसे पूछें और बात को समझें, फिर कहें चलो बात करते हैं.

3. वहीं बच्चों की गलतियों पर डांटें नहीं, उन्हें सिखाएं. अगर बच्चा गलती करता है, तो डांटने की जगह उससे बात करें कि उसकी गलती क्या थी और अगली बार क्या बेहतर किया जा सकता है.इससे बच्चे को लगेगा कि आप उसके गाइड हैं.

4. इसके साथ ही बच्चे का एक रूटीन बनाएं और सिखाएं कि हर चीज का समय होता है. बच्चों को समझाएं कि खाने, खेलने, पढ़ने और मोबाइल देखने का समय तय होता है. एक तय रूटीन होने से बच्चों में बैलेंस रहता है और वे ज्यादा फोकस होते हैं.

5. बच्चों के साथ इमोशनल शब्दों का यूज करें. बच्चों से तुम हमेशा ऐसे ही करते हो जैसे शब्दों से बचें. इनकी जगह बच्चों से कहें कि मुझे अच्छा नहीं लगता जब तुम ऐसी बातें करते हो, क्या हम इसे ठीक कर सकते हैं.

ये अर्ली वॉर्निंग सिग्नल नजर आएं तो समझ लें कि खतरे में आपका बच्चा, तुरंत भागें डॉक्टर के पास

हम अक्सर यह सोचते हैं कि बच्चे हिंसक नहीं हो सकते. वे बस शरारत कर रहे होंगे या फिर थोड़ा बहुत उनके अंदर किसी बात को लेकर गुस्सा होगा. लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं है. बच्चे भी हिंसक हो सकते हैं. यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि रिचर्ड ई. ट्रेम्बले के शोध के मुताबिक. अधिकतर बच्चे जन्म के बाद दूसरे साल से पहले ही शारीरिक आक्रामकता दिखाना शुरू कर देते हैं. चलिए आपको बताते हैं कि आखिर इस बात में कितनी सच्चाई है.

क्या सच में बच्चे पैदा होते ही हिंसक हो जाते हैं?

इस बात को सिद्ध करने के लिए रिचर्ड ई. ट्रेम्बले ने अपने शोध पत्र में उन तमाम चीजों का जिक्र किया है. जो इस बात की पुष्टि करते हैं कि बच्चे जन्म के बाद से ही हिंसक रूप धारण करने लगते हैं. इसमें उन्होंने तमाम मामलों के बारे में जिक्र किया है. जिसमें दुनिया के सबसे कम उम्र के सीरियल किलर ने सिर्फ 7 साल की उम्र में पहली हत्या करने का आरोप झेला था. इसके अलावा जापान में भी एक 11 साल की बच्ची ने बॉक्स कटर से अपनी सहपाठी की हत्या कर दी और फिर शांति से अपनी कक्षा में लौट गई. इस तरह के मामले काफी दुर्लभ हैं. लेकिन इस बात का प्रमाण हैं कि बच्चों में जन्म के बाद ही हिंसक प्रवृत्ति बनने लगती है. सबसे बड़ी चिंता यह है कि

अगर बचपन का आक्रोश समय पर काबू में नहीं लाया गया. तो वही आगे चलकर किशोर या वयस्क अवस्था में और भी खतरनाक रूप ले सकता है. खासकर तब. जब आप देखते हैं कि अधिकतर सामूहिक हत्याकांड करने वाले युवा. असामाजिक पुरुष ही होते हैं.

2011 के एक लेख में बच्चों में हिंसक व्यवहार के कई कारण बताए गए हैं. इनमें सबसे सामान्य है उनका किसी भी तरह के हिंसा या शोषण का शिकार होना. इसके अलावा टीवी. फिल्म. वीडियो गेम या असल जिंदगी में हिंसा देखने से भी बच्चा प्रभावित होता है. इसके साथ ही गरीबी और भूख भी आक्रामक प्रवृत्ति को जन्म देती है.

हिंसा के शुरुआती लक्षण

अब चलिए आपको बताते हैं कि आप कैसे पता कर सकते हैं कि आपका बच्चा जन्म से ही हिंसक होना शुरू हो चुका है. इसके कुछ लक्षण होते हैं. जो इस तरह से हैं कि बार-बार गुस्से के दौरे आना. जानवरों या कीड़ों को नुकसान पहुंचाना. बिना सोचे-समझे काम करना. अकेलापन और सामाजिक दूरी. हिंसक कंटेंट देखना. गिल्ट या पछतावा न होना और खुद को नुकसान पहुंचाना. जैसे तमाम लक्षण इसमें शामिल होते हैं.

माता-पिता को क्या करना चाहिए?

अब सवाल आता है कि अगर बच्चे में इस तरह का व्यवहार दिख रहा है. तो ऐसी स्थिति में माता-पिता को क्या करना चाहिए. इसका जवाब है कि जब बच्चा हिंसक व्यवहार दिखाए तो खुद शांत रहें. गुस्से में सजा देने से स्थिति और बिगड़ेगी. सख्त लेकिन शांत लहजे में समझाएं कि उसका व्यवहार गलत है. साथ ही उसकी बात भी सुनें. इसके अलावा शांत माहौल में बातचीत करें. जहाँ बच्चा सुरक्षित महसूस करे. इसके अलावा काउंसलर की मदद ली जा सकती है. ताकि बच्चे की बात को आसानी से समझा जा सके और उसे किस तरह की दिक्कत या तकलीफ है. इसका पता चल सके.

धोखा देने से पहले लड़कियां करती हैं ये काम इन्हें इग्नोर करने वालों का बुरी तरह टूटता है दिल

रिश्तों में दूरियां अचानक नहीं आतीं. प्यार कम होने या किसी और की तरफ झुकाव शुरू होने पर इंसान सबसे पहले अपनी छोटी-छोटी हरकतों से बदलने लगता है. कई लोग इन संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं और जब सच सामने आता है तो वे पूरी तरह टूट जाते हैं.

लड़कियों के व्यवहार में भी कुछ ऐसे पैटर्न दिखने लगते हैं जो बताने लगते हैं कि रिश्ता पहले जैसा नहीं रहा. अगर इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए, तो दिल टूटने से बचाया जा सकता है.

जब कोई लड़की मन से दूर होने लगती है, तो सबसे पहले उसके बात करने के तरीके में बदलाव दिखाई देता है. पहले जो बातें प्यार से होती थीं, अब वही औपचारिक या कड़वी लगने लगती हैं.

धीरे-धीरे रिश्तेदारों के नाम पर आने वाले फोन बढ़ जाते हैं. हर कॉल को बहुत जरूरी बताया जाता है, लेकिन असल वजह अक्सर कुछ और होती है.

उसकी बातें अब पहले जैसी मीठी नहीं लगतीं. ताने मारना, बातों में चुभन लाना और आपकी भावनाओं को हल्के में लेना ये सब बदलते रिश्ते का संकेत हैं.

पहले जहां वह देर-देर तक बात करती थी, अब 2 से 3 मिनट में कॉल खत्म कर देती है. चैट जल्दी बंद करना और 'बाद में बात करते हैं' कहना आम बात हो जाती है.

समय न होना, काम में बिजी होना या मूड न होना जैसे बहाने बार-बार आने लगते हैं. असल में वह बातचीत से बचना चाहती है, लेकिन खुलकर कहती नहीं है.

वह अचानक अपनी रूटीन, फोन की प्राइवेसी, और लाइफस्टाइल में बदलाव लाने लगती है. ये छोटी-छोटी बातें मिलकर ये बताती हैं कि अब आपका रिश्ता खत्म हो रहा है.

अचानक कोई हो गया है जरूरत से ज्यादा खास कहीं 'लव बॉम्बिंग' का शिकार तो नहीं हो रहे आप?

कई बार किसी नए रिश्ते की शुरुआत इतना तेज होता है कि समझ ही नहीं आता कि यह प्यार है या कुछ अजीब. शुरुआत में सब कुछ फिल्मी लगता है, बहुत सारे मैसेज, ओवर-अटेंशन, बार-बार सरप्राइज, और ऐसे भव्य जेस्चर जो आपको बेहद खास महसूस कराते हैं. लेकिन अगर इस अत्यधिक लगाव के बीच एक हल्की-सी बेचैनी उठने लगे, तो जरूरी है कि आप खुद से एक सवाल पूछें कि कहीं यह लव बॉम्बिंग तो नहीं?. चलिए आपको बताते हैं कि यह कब होता है.

लव बॉम्बिंग क्या होता है

लव बॉम्बिंग वह स्थिति है जब कोई व्यक्ति आपको जरूरत से ज्यादा प्यार, ध्यान और तोहफे देता है, ताकि आप जल्दी से उस पर भरोसा कर लें. शुरुआत में यह सब अच्छा लगता है, लेकिन असल मकसद आपको कंट्रोल करना होता है. साइकोलॉजिस्ट बताते हैं कि यह मेंटल और इमोशनल दुर्व्यवहार का एक रूप है, जो अक्सर रिश्ते के शुरुआती

चरणों में शुरू हो जाता है.

शुरुआत में लव बॉम्बर आपको बार-बार तारीफों और ध्यान से घेर लेता है. वह लगातार मैसेज करता है, कॉल करता है और हर समय आपकी उपलब्धता चाहता है. अक्सर वह पहले कुछ हफ्तों में ही भविष्य की बातें करने लगता है जैसे शादी, साथ रहने या हम दोनों एक-दूसरे के लिए बने हैं बातें. शुरुआत में यह रोमांटिक लगता है, लेकिन समय के साथ यह दबाव महसूस होने लगता है.

इसके कितने स्टेप्स होते हैं?

लव बॉम्बिंग के तीन स्पष्ट स्टेप्स माने जाते हैं. पहले चरण में आपको इतना प्यार और महत्व दिया जाता है कि आपका गार्ड खुद-ब-खुद नीचे चला जाए यानी कि आप आप पूरी तरह से सुरक्षित महसूस करने लगते हैं. दूसरे स्टेप में धीरे-धीरे कंट्रोल शुरू होता है, आपसे हर समय उपलब्ध रहने की उम्मीद, आपके दोस्तों या परिवार से दूरी बनाने की कोशिश, और आपकी गतिविधियों पर सवाल-जवाब. कई बार यह गैसलाइटिंग तक पहुंच जाता है, जहां आपको खुद अपनी भावनाओं पर शक होने लगता है. तीसरे स्टेप में, जब आप सीमाएं तय करने लगते हैं, तो यही साथी या तो आपको दोष देने लगता है या रिश्ता छोड़ देता है.

प्यार और लव बॉम्बिंग में अंतर

यह पहचानना जरूरी है कि प्यार और लव बॉम्बिंग में अंतर क्या है. सच्चा रिश्ता आपके समय, सीमाओं और आराम का सम्मान करता है. लेकिन लव बॉम्बर आपकी 'ना' को स्वीकार नहीं करता. अगर आप कोई सीमा तय करते हैं और सामने वाला उस पर बहस करता है, उसे नकारता है या आपको ही गलत ठहराने लगता है, तो यह साफ संकेत है कि रिश्ता अनहेल्दी दिशा में जा रहा है. लव बॉम्बिंग के कुछ आम संकेतों में अनावश्यक महंगे तोहफे देना, रिश्ते को बहुत तेजी से आगे बढ़ाना, हर समय ध्यान की मांग करना, जलन और नियंत्रित करने वाला व्यवहार, और आपकी 'ना' का सम्मान न करना शामिल है.

अजनबियों से दोस्ती और अपनों से लड़ाई... क्या आपका करीबी भी करता है ऐसा

हमारी अपने लोगों से कम बन रही है, लेकिन अजनबियों से हमारा व्यवहार काफी शालीन रहता है. चलिए आपको बताते हैं कि आखिर ऐसा बदलाव क्यों और कैसे होता है.

कभी ध्यान दिया है कि कुछ लोग अपने ही घरवालों से बात-बात पर भड़क जाते हैं, लेकिन बाहर वालों के साथ बड़े आराम से घुल-मिल जाते हैं? पहली नज़र में ये अजीब लगता है, लेकिन ज्यादा मामलों में इसके पीछे कोई गहरी वजह होती है, कोई कमजोरी या दबा हुआ तनाव.चलिए आपको बताते हैं कि ऐसा क्यों होता है.

अपनों से लड़ाई इसलिए जल्दी होती है क्योंकि उनसे हमारी उम्मीदें ज्यादा होती हैं. हम चाहते हैं कि वो हमें समझें, सुनें, और हमारा साथ दें. जब उम्मीदें टूटती हैं, तो छोटी बात भी बड़ी लगने लगती है. इसी वजह से घर के लोगों पर गुस्सा ज्यादा निकलता है.

दूसरी तरफ, अजनबियों के सामने लोग खुद को कंट्रोल में रखते हैं. वहां कोई भावनात्मक बोझ नहीं होता. न वो हमें जज करते हैं, न हमें उनसे इतनी उम्मीद होती है. इसलिए बाहर वाला चेहरा हमेशा नरम और संभला हुआ रहता है.

हो सकता है कि व्यक्ति अंदर ही अंदर किसी तनाव से गुजर रहा हो. दिनभर का प्रेशर, जिम्मेदारियां और थकान का असर कभी-कभी सबसे पहले अपनों पर ही निकलता है. ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इंसान बाहर मजबूती दिखाता है और घर आकर ढह जाता है.

कुछ लोग अपनी अंदर की परेशानियों को शब्दों में नहीं कह पाते. वो बोल नहीं पाते कि उन्हें क्या तकलीफ है. ऐसे में मन की घबराहट चिढ़चिढ़ेपन में बदल जाती है, और इसका असर सबसे पहले उन्हीं लोगों पर पड़ता है जो सबसे ज्यादा पास होते हैं.

मानसिक स्थिति भी इसके पीछे की बड़ी वजह हो सकती है. ओवरथिंकिंग, चिंता, या उदासी की वजह से भी व्यक्ति न चाहते हुए भी रिश्तों में दूरी बनाने लगता है. लोग समझते हैं कि उसका व्यवहार खराब है, जबकि असल में वह अंदर से लड़ रहा होता है.

कई बार बचपन के कुछ अनुभव भी इस तरह के व्यवहार में अहम भूमिका निभाते हैं. अगर कोई पहले अटेंशन या समझ पाने के लिए संघर्ष कर चुका है, तो बड़े होने पर करीबी रिश्तों में असुरक्षा या गुस्सा ज्यादा दिखने लगता है. ये किसी पैटर्न की तरह दोहराया जाता है.

सर्दियों में ज्यादा परवान चढ़ता है इश्क

ठंड का मौसम आते ही, लोगों में रोमांस का एक अलग ही सागर उमड़ जाता है. इसे "कफिंग सीजन" के नाम से जाना जाता है, इसका मतलब होता है कि सिंगल लोग सर्दियों की लंबी, ठंडी रातों के लिए किसी रिश्ते की तलाश में निकल पड़ते हैं. सवाल ये है कि क्या वाकई ऐसा होता है? और अगर होता है, तो इसके पीछे कोई वैज्ञानिक वजह है?. अगर आपके मन में भी इस तरह के सवाल हैं, तो चलिए आपको बताते हैं कि क्या सच में ऐसा होता है या फिर यह नॉर्मल है.

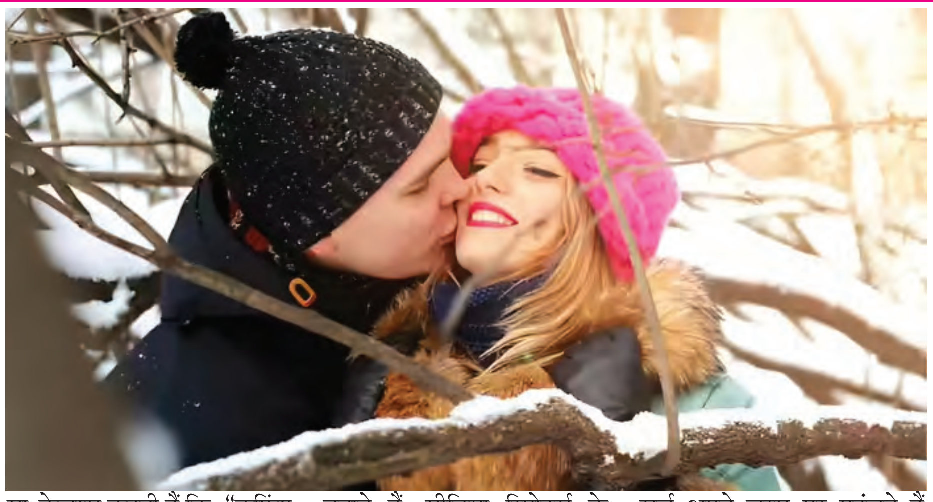

सर्दियों में पार्टनर की तलाश

सर्दियों के मौसम को रोमांस के मौसम के तौर पर भी जाना जाता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंड में लोग एक दूसरे के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करते हैं. सैन होजे स्टेट यूनिवर्सिटी की साइकोलॉजी प्रोफेसर क्रिस्टीन मा-केलम्स कहती हैं कि "कफिंग सीजन का मतलब यह मानना है कि इंसानों की 'मेटिंग बिहेवियर' में भी मौसम का असर होता है." हालांकि, यह सबसे जरूरी और ध्यान देने वाली बात यह है कि इस पर एकमत नहीं है, लेकिन इंटरनेट पर आंकड़े अलग कहानी बताते हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस समय इंटरनेट पर कुछ चीजों की खोज काफी बढ़ जाती है, जिसमें

पोर्न की खोजें

डेटिंग साइट्स पर एक्टिविटी

यहां तक कि सेक्स वर्क से जुड़े सर्च

साल में दो बार इस तरह के सर्च अपने चरम पर पहुंचते हैं सर्दियों में और गर्मियों में. 2012 के एक अध्ययन में भी यही पैटर्न दिखा कि छह-छह महीने का साइकिल, जिसमें सर्चेज ठंड और गर्मी में बढ़ जाती हैं. 90 के दशक के एक अन्य अध्ययन में यह देखने की कोशिश की गई कि क्या साल के कुछ समय पर फिजिकल रिलेशन एक्टिविटी बढ़ती है. जन्मदर, गर्भपात, यौन इंफेक्शन रोग और कंडोम की बिक्री के आधार पर यह निष्कर्ष निकला कि क्रिसमस के आसपास संबंध बनाना बढ़ जाता है और कई बार यह काफी अनसेफ भी होती है.

डेटिंग ऐप्स की क्या कहानी?

आज के दौर में इसका सीधा प्रमाण भले कम हो, लेकिन डेटिंग ऐप्स का डेटा कुछ और ही बताता है. बंबल के आंकड़े बताते हैं कि सबसे ज्यादा स्वाइपिंग नवंबर के आखिरी हफ्तों से फरवरी के बीच होती है यानी, वैलेंटाइन्स डे के आसपास रिश्ते बनते भी हैं और टूटते भी. किंसी इंस्टीट्यूट के एक्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर जस्टिन गार्सिया कहते हैं कि "लोग छुट्टियों और त्योहारों के समय रिश्तों के बारे में ज्यादा सोचते हैं." उनके मुताबिक डेटिंग ऐप्स साल भर चलते हैं, लेकिन सर्दियों में स्वाइपिंग की रफ्तार साफ़ बढ़ जाती है, शायद इसलिए कि लोग बाहर कम जाते हैं, और नए लोगों से मिलने के मौके कम हो जाते हैं.

क्या इंसान भी मौसम देखकर रिश्ते बनाते हैं?

अब सवाल यह आता है कि क्या इंसान मौसम देखकर रिश्ता बनाता है. इसका जवाब है कि बॉयोलॉजी में इंसान और जानवरों में बड़ा अंतर है. इंडियाना यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर सू कार्टर बताती हैं कि गाय जैसे जानवर सख्ती से मौसमी प्रजनन चक्र में चलते हैं, क्योंकि उन्हें बच्चे पैदा होने पर हरी घास चाहिए होती है. कई पक्षियों में भी यही पैटर्न है. हालांकि, यह पैटर्न इंसानों में काफी अलग होता है. मनुष्य मौसमी नहीं है. मौका मिला तो इंसान किसी भी मौसम में संबंध बना लेता है.

मस्क की नेटवर्थ 600 अरब डॉलर के पार

अंबानी-अडानी की कुल जितनी कमाई उससे ज्यादा एक साल में कमाया

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क ने इतिहास रच दिया है। वह दुनिया के पहले ऐसे इंसान बन गए हैं जिनकी कुल संपत्ति 600 अरब डॉलर (लगभग 54 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा हो गई है। पिछले 24 घंटे में उनकी नेटवर्थ 167 अरब डॉलर बढ़ी है। मस्क की नेटवर्थ में यह जबरदस्त बढ़ोतरी उनके रॉकेट बनाने वाली कंपनी स्पेसएक्स के बढ़ते मूल्य की वजह से हुई है। इसी वजह से उनकी दौलत दुनिया के बाकी सभी अरबपतियों से बहुत आगे निकल गई है। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ने अब तक जितनी दौलत कमाई है, मस्क ने इन दोनों की कुल नेटवर्थ से ज्यादा सिर्फ इस साल कमा लिया है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की कुल संपत्ति लगभग 638 अरब डॉलर (लगभग 58 लाख करोड़ रुपये) हो गई है। इतनी संपत्ति के साथ वह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर इंसान लैरी पेज से 373 अरब डॉलर से भी ज्यादा आगे हैं। मस्क की इस तरक्की ने अमीर लोगों की लिस्ट में सबसे ऊपर के पायदान पर फासला और बढ़ा दिया है। इस लिस्ट में ज्यादातर लोग टेक्नोलॉजी से जुड़े हैं, जैसे कि बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनियों के मालिक, लग्जरी सामान बनाने वाले बड़े ग्रुप के मालिक और लंबे समय से निवेश करने वाले लोग।

कहां से होती है मस्क की कमाई?

एलन मस्क की प्रमुख कमाई उनकी कंपनियों टेस्ला , स्पेसएक्स , एक्स , एक्सएआई आदि हैं। उनकी कुल संपत्ति का बहुत बड़ा हिस्सा टेस्ला और स्पेसएक्स से आता है। वे टेस्ला के लगभग 13% और स्पेसएक्स के 42% हिस्से के मालिक हैं। हाल ही में स्पेसएक्स के मूल्य में जो बढ़ोतरी हुई है, वही उनकी दौलत बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। मस्क टेस्ला से कोई पारंपरिक सैलरी नहीं लेते हैं। उनका मुआवजा कंपनी के शेयरों पर आधारित है। उन्होंने टेस्ला के शेयर बेचकर पैसे निकालने के बजाय, उन्हें लोन के लिए गिरवी रखा है।

इससे वे अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने में कामयाब रहे हैं।

कहां हैं अंबानी और अडानी?

रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी न केवल भारत के बल्कि एशिया के सबसे अमीर इंसान हैं। वहीं अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दूसरे स्थान पर हैं। एलन मस्क की साल 2025 की कमाई अंबानी और अडानी की कुल नेटवर्थ से भी ज्यादा है। अंबानी की नेटवर्थ 106 अरब डॉलर और अडानी की नेटवर्थ करीब 85 अरब डॉलर है। ऐसे में दोनों की कुल नेटवर्थ 191 अरब डॉलर होती है। वहीं मस्क ने इस साल 205 अरब डॉलर की कमाई की है। पिछले 24 घंटे में ही मस्क की नेटवर्थ में 167 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है।

उत्तर प्रदेश पर मेहरबान टाटा ग्रुप

हजारों करोड़ का होने वाला है निवेश, जानिए किन-किन सेक्टर में होगा

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। टाटा ग्रुप उत्तर प्रदेश पर मेहरबान है। कंपनी वहां हजारों करोड़ रुपये का निवेश करने जा रही है। इसी क्रम में टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की कल लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से एक महत्वपूर्ण बैठक हुई है। बताया जाता है कि इस बैठक के दौरान यूपी में टाटा ग्रुप की विभिन्न कंपनियों के निवेश से जुड़े फैसले हुए। इनमें पावर प्लांट, मोटर व्हीकल प्लांट में विस्तार और 60 होटलों का निर्माण शामिल है। इसमें हजारों करोड़ रुपये का निवेश होगा। हालांकि अभी इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि कुल कितने का निवेश होगा।

यूपी में ताज ग्रुप के 60 नए होटल

इस बैठक के दौरान टाटा संस के चेयरमैन ने मुख्यमंत्री को बताया कि ताज , सिलेक्शन्स और विवांता जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड्स के 30 होटलों का निर्माण कार्य प्रदेश में वर्तमान में प्रगति पर है। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश में 1900 लक्ज़री होटल रूम्स बढ़ जाएंगे। इसके अतिरिक्त, साल 2026 तक 30 नए होटल निर्माण की योजना पर भी कार्य चल रहा है।

स्टेट ऑफ दि आर्ट सिग्नेचर होटल

मुख्यमंत्री से हुई बैठक में एन. चंद्रशेखरन ने कहा कि नोएडा में टाटा समूह का एक स्टेट ऑफ आर्ट सिग्नेचर होटल भी प्रस्तावित है। जिससे उत्तर प्रदेश भारत के सबसे तेज गति से विकास करने वाले हॉस्पिटैलिटी मार्केट के रूप में उभर कर आएगा। इसके अतिरिक्त, टाटा ग्रुप के सहयोग से अयोध्या में प्रस्तावित 'म्यूज़ियम ऑफ टेम्पल' परियोजना के निर्माण कार्य के पहले चरण को जनवरी 2027 तक पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया गया। इस संग्रहालय में अत्याधुनिक तकनीक आधारित डिस्प्ले विकसित किए जा रहे हैं, जो देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए एक विशिष्ट आकर्षण केंद्र होंगे। यह भी तय हुआ कि मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में मानसी गंगा कुंड, श्याम कुंड, राधा कुंड, अष्टकाशी कुंड, नारी सेमरी कुंड, गरुड़ गोविंद कुंड, कृष्ण कुंड सहित आठ प्रमुख कुंडों के जीर्णोद्धार तथा प्रदेश के प्रमुख गंगा घाटों की स्वच्छता एवं संरक्षण के कार्यों में भी टाटा समूह द्वारा सहयोग प्रदान किया जाएगा।

नोएडा बनेगा टाटा का कॉर्पोरेट हब

मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे यूपी के शहर नोएडा को टाटा ग्रुप अपना कार्पोरेट हब के रूप में विकसित करेगा। वहां ग्रुप इस समय चार से पांच बिल्डिंग्स का कंस्ट्रक्शन कर रहा है। इसे चरणबद्ध तरीके से बनाया जा रहा है और दिसंबर 2026 तक इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके पूरा हो जाने के बाद नोएडा टाटा का कॉमर्शियल एवं कॉर्पोरेट हब बन जाएगा। इसके अलावा ग्रुप इस शहर में एक स्टेट ऑफ दि आर्ट सिग्नेचर होटल भी विकसित कर रहा है।

दो नए पावर प्लांट

टाटा ग्रुप ने यह भी कंफर्म किया कि यूपी के बुंदेलखंड और प्रयागराज में 50 मेगावाट के दो नए सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे। इससे राज्य में रिन्यूवल एनर्जी के उत्पादन मे बढ़ोतरी होगी। इसी के साथ राज्य के 75 जिलों में रूफ टॉप सोलर सॉल्यूशन लगाने की भी गति को बढ़ाया जाएगा।

मोटर व्हीकल का बढ़ेगा निर्माण

टाटा ग्रुप का लखनऊ में पहले से ही एक मोटर व्हीकल मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट है। अब टाटा संस ने उत्तर प्रदेश में इस फुटप्रिंट को बढ़ाने का मन बनाया है। इसमें उत्तर प्रदेश में इलेक्ट्रिक व्हीकल मैन्यूफैक्चरिंग का एक अलग प्लांट का निर्माण भी शामिल है। ईवी में इलेक्ट्रिक कार के नए मॉडल का निर्माण, इलेक्ट्रिक बस और ईवी इकोसिस्टम का डेवलपमेंट भी शामिल है।

लाल निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 533 अंक टूटा. निफ्टी 25900 के नीचे, ब्रेंट क्रूड में भी गिरावट

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेशी निधियों की निरंतर निकासी, कमजोर रुपये और सुस्त वैश्विक बाजार रुझानों के कारण निवेशकों के विश्वास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने से मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 533.50 अंक या 0.63 प्रतिशत गिरकर 84,679.86 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 592.75 अंक या 0.69 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,620.61 पर पहुंचा। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 167.20 अंक या 0.64 प्रतिशत गिरकर 25,860.10 अंक पर बंद हुआ। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते में कोई सफलता न मिलने और अमेरिकी डॉलर की लगातार खरीदारी के कारण मंगलवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे गिरकर 91.01 (अस्थायी) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।सेंसेक्स कंपनियों में एक्सिस बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.03 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एटर्नल, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस भी गिरावट दर्ज करने वाली कंपनियों में शामिल थीं। वहीं, टाइटन, भारती एयरटेल, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एशियन पेंट्स लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक भारी गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। सोमवार को अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि लगातार विदेशी निवेशकों की निकासी और कमजोर वैश्विक भावनाओं के कारण आईएनआर में लगातार कमजोरी आई और यह नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जिससे घरेलू बाजार नकारात्मक क्षेत्र में चले गए।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 1.54 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 59.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 1,468.32 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 1,792.25 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 54.30 अंक या 0.06 प्रतिशत गिरकर 85,213.36 पर बंद हुआ। निफ्टी 19.65 अंक या 0.08 प्रतिशत गिरकर 26,027.30 पर आ गया।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सुर्य	धनु	मे
चंद्र	तुला	मे
मंगल	धनु	मे
बुध	वृश्चिक	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	वृश्चिक	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
धनु.....	07-08	बजे
मकर...	09-13	बजे
कुंभ....	10-56	बजे
मीन....	12-26	बजे
मेष.....	13-52	बजे
वृष....	15-29	बजे
मिथुन..	17-25	बजे
कर्क...	19-39	बजे
सिंह---	21-58	बजे
कन्या--	00-14	बजे
तुला---	02-28	बजे
वृश्चिक..	04-46	बजे

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 06-43
भोग्य कलि वर्ष. - 426874 सूर्यास्त. 17-41
कलियुग संवत् - 5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्- 1955885126
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
मास - पौष कृष्ण पक्ष बुधवार 17 Dec
तिथि - त्रयोदशी 02-32 तक उपरान्त त्रयोदशी
नक्षत्र - विशाखा 17-11 तक उप अनुराधा
योग - सुकर्मा 14-16 तक उप धृति
करण - गर 13-15 तक वणिज

प्रदोष व्रत,सर्वार्थ सिद्धि योग
श्री चंद्रप्रभु जन्म जैन

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 12-12 13-35

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		
लाभ	06-43 - 08-04	शुभ
अमृत	08-04 - 09-27	शुभ
काल	09-27 - 10-49	अशुभ
शुभ.	10-49 - 12-12	शुभ
रोग	12-12 - 13-35	अशुभ
उत्पात	13-35 - 14-58	अशुभ
चंचल	14-58 - 16-21	शुभ
लाभ	16-21 - 17-41	शुभ

रात का चौघड़िया		
उत्पात	17-41 - 19-21	अशुभ
शुभ..	19-21 - 20-58	शुभ
अमृत	20-58 - 22-36	शुभ
चंचल	22-36 - 00-13	शुभ
रोग	00-13 - 01-50	अशुभ
काल	01-50 - 03-27	अशुभ
लाभ	03-27 - 05-04	शुभ
उत्पात	05-04 - 06-43	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं,अब आराम से बैठकर अपने प्रयासों और मेहनत का आनंद उठाने का समय है ।

वृष ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो
भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है । अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

मिथुन का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,
दिन के आगे बढने के साथ चिंता भी बढ़ेगी । लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें । हारना या जीतना नही,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं । आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा । समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए ख़तम कर सकें ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको यह अनुभव करने की जरुरत है कि अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है । आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकड़े रहने से बात नही बनेगी । अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है । आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा । आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आपसे अत्यधिक काम की अपेक्षा की जायेगी ,आप कुछ भी किस्मत के भरोसे या कोई छोटा सा भी काम किसी और के भरोसे नही छोड़ सकते । हालाँकि दिन के अंत में कोई बहुत अच्छी खबर मिलेगी जो आपके प्रयासों की सफलता से सम्बंधित होगी। आज अनुशासन अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यु,
आपको आगे बढने से बहुत से अवसर मिलेंगे लेकिन उन सबको हासिल करने की जल्दी में ना रहें । अपने सभी विकल्पों को ध्यान से सोच समझकर ही आगे बढ़ें ।अपने दोस्तों के साथ भी बाँटें । यह ऐसा समय होगा जब आपको कई प्रयास करने होंगें । सब कुछ भाग्य पर ना छोड़ें । आपके कार्य ही आपके भाग्य का निर्माण करेंगे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आप आज थोड़ी सी गंभीर मानसिक स्थिति में रहेंगे । आपको आज जीवन के व्यावहारिक मुद्दों पर ध्यान देना होगा । लेकिन आप विश्वास और आशावादिता से भरपूर हैं और गहरे भावनात्मक स्तर पर भी मौके लेने के लिए तैयार हैं । आपका कोई करीबी आपके लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए अपनी चिंता जाहिर करेगा,उन्हें अपनी स्थिति समझाने के लिए समय निकालें ।

मकर भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपको आज भावनात्मक और वित्तीय ,दोनों तरह का नुकसान हो सकता है । हालाँकि ,आप आसानी से इससे बच भी सकते हैं अगर आप उन लोगों से दूरी बना लें जो अपने फायदे के लिए आपको जबरदस्ती इन चीजों में घसीटना चाहते हैं ।आज का दिन आराम से बिताएं और अपने उन घावों को भरने की कोशिश करें जों पिछली बातों से आपको मिले हैं ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा
आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज आप अनुभव करेंगे कि आप सामान्य से कुछ अधिक बोल रहे हैं ।आप पिछले कुछ समय से चालाकी भरा व्यवहार कर रहे हैं लेकिन आज आप इससे खुद ही परेशानी अनुभव करेंगे । आज आप वह सच्चाई नही उगलना चाहते जो शायद कईयों को अच्छी नही लगेगी । आज के लिए किसी एकान्त कार्यकलाप की योजना बनाएं।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

75 साल पुराने ब्रांड को दिया नया अवतार, 1 का केचप, 5 में नूडल्स...मुकेश अंबानी की ललकार

नई दिल्ली,16 दिसंबर (एजेंसियां)। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड ने 75 साल पुराने मशहूर फूड ब्रांड एसआईएल को नए अंदाज और स्वाद के साथ बाजार में उतारा है। आरसीपीएल मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी कंपनी है। इस लॉन्च के साथ रिलायंस ने नूडल्स, केचप और जैम जैसे उत्पादों को 5 रुपये, 1 रुपये और 22 रुपये जैसी किफायती कीमतों पर पेश किया है, जो ग्लोबल क्वालिटी का वादा करते हैं। यह कदम रिलायंस के पैकेज्ड फूड सेगमेंट में पोर्टफोलियो को और मजबूत करेगा। इससे 'मैगी' और 'किसान' जैसे ब्रांडों को सीधी टक्कर मिलने के आसार हैं। यह खबर खाने-पीने के शौकीनों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी इकाई रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीएल) ने 75 साल पुराने प्रतिष्ठित फूड ब्रांड एसआईएल को एक नए रूप में बाजार में पेश किया है। इस लॉन्च के साथ रिलायंस ने पैकेज्ड फूड सेगमेंट में अपनी पकड़ को और मजबूत किया है। कंपनी ने एसआईएल को अपने प्रमुख फूड ब्रांड के तौर पर स्थापित किया है।

5 रुपये में नूडल्स, 1 रुपये का केचप

रिलायंस के अनुसार, एसआईएल नूडल्स की एक नई सीरीज लेकर आ रहा है। इस सीरीज की शुरुआत 5 रुपये से होगी। इसमें मसाला, आटा विद वेजीज, कोरियन के-फायर और चाउ-चाउ जैसे चार अलग-अलग फ्लेवर मिलेंगे। इसके अलावा, असली टमाटरों से बना एसआईएल केचप भी बाजार में उतारा गया है। इस केचप में किसी भी तरह के कृत्रिम रंग या सिंथेटिक सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया गया है। इसकी शुरुआती कीमत सिर्फ 1 रुपये रखी गई है। साथ ही, आठ तरह के फलों से तैयार एसआईएल मिक्स्ड फ्रूट जैम भी पेश किया गया है। यह जैम 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम के पैक्स में उपलब्ध होगा। इसकी शुरुआती कीमत 22 रुपये होगी। कंपनी का दावा है कि इस जैम में सामान्य जैम की तुलना में 22% ज्यादा फलों का कंटेंट होगा।

कंपनी ने क्या कहा?

रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर केतन मोदी ने इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए कहा, 'एसआईएल का रीलॉन्च आरसीपीएल की ग्रोथ जर्नी में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पैकेज्ड फूड सेगमेंट में एसआईएल के जरिए हम एक मजबूत और हर घर तक पहुंचने वाला फूड पोर्टफोलियो बनाना चाहते हैं। एसआईएल विरासत, भारतीयता और इनोवेशन का ऐसा मेल है, जो दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले, वैल्यू-ड्रिवन फूड प्रोडक्ट्स पेश करेगा।' कुल मिलाकर, एसआईएल की यह वापसी उन ग्राहकों के लिए बहुत खास है जो पुराने, जाने-पहचाने स्वादों के साथ आधुनिक क्वालिटी और कम दाम चाहते हैं। 75 साल की पुरानी पहचान के साथ एसआईएल अब एक बार फिर से भारतीय घरों की रसोई में अपनी खास जगह बनाने के लिए तैयार है। यह रिलायंस के लिए फूड सेक्टर में एक बड़ा कदम है, जो किफायती दामों पर अच्छी क्वालिटी के उत्पाद उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करता है।

डीजीसीए ने एयरलाइंस को नियमों में छूट दी क्या?

हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस, रेगुलेटर से मांगा जवाब

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने विमानन नियामक डीजीसीए से जवाब मांगा है। यह जवाब फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) और इंडियन पायलट्स गिल्ड की एक अवमानना याचिका पर मांगा गया है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि डीजीसीए ने एयरलाइंस को कुछ छूट दी है। ऐसी थकान स्कीमें मंजूर की हैं जो सिविल एविएशन रिक्वायरमेंट (सीएआर) 2024 के नियमों के मुताबिक नहीं हैं। जस्टिस अमित शर्मा ने डीजीसीए को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई अप्रैल 2026 में तय की है। यह मामला पायलटों की थकान को कम करने और हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़ान और ड्यूटी समय की सीमा (फ्लाइट एंड ड्यूटी टाइम लिमिटेशन - एफडीटीएल) के नियमों को लागू करने से जुड़ा है। मामला काफी समय से दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहा है। इसकी शुरुआत 2012 में एक याचिका से हुई थी। इसमें भारत के थकान प्रबंधन ढांचे को वैश्विक सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाने की मांग की गई थी। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस तारा वितस्ता गंजू ने फरवरी 2025 में एक आदेश दिया था। इस आदेश में डीजीसीए की ओर से दायर एक हलफनामे को रिकॉर्ड पर लिया गया था। इस हलफनामे में संशोधित एफडीटीएल व्यवस्था को लागू करने के लिए समय-सीमा बताई गई थी। हलफनामे के अनुसार, 15 क्लॉज 1 जुलाई, 2025 तक लागू होने थे। बाकी सात नियम 1 नवंबर, 2025 तक। कोर्ट ने यह भी कहा था कि संबंधित अधिकारी इन समय-सीमाओं के पाबंद रहेंगे। इसके बाद अप्रैल 2025 में पायलट संघों की ओर से दायर की गई संबंधित याचिकाओं का निपटारा करते हुए कोर्ट ने यह दर्ज किया कि सीएआर 2024 को अधिसूचित करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। एयरलाइंस को तीन हफ्तों के भीतर अपनी थकान प्रबंधन योजनाएं डीजीसीए को जमा करने का निर्देश दिया गया था। अगर वे इसका पालन नहीं करती हैं तो याचिकाकर्ताओं को उचित मंच पर जाने की अनुमति दी गई थी। नवंबर 2025 में एफआईपी ने यह अवमानना याचिका दायर की। इसमें आरोप लगाया गया कि डीजीसीए ने जानबूझकर कोर्ट के निर्देशों का पालन नहीं किया है। संघ का तर्क था कि कोर्ट के सामने दिए गए आश्वासनों के उलट डीजीसीए ने एयरलाइंस को छूट दी है या उनके नियमों में ढील दी है। ऐसी थकान योजनाएं मंजूर की हैं जो सीएआर 2024 के ढांचे और तय की गई समय-सीमा के अनुरूप नहीं हैं।

6 दिन में 32,000 करोड़ का फायदा! चांदी में तेजी से क्यों उछल रहा है अनिल अग्रवाल का यह शेयर

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी हिन्दुस्तान जिंक के शेयर रॉकेट की तरह ऊपर जा रहे हैं। इसकी वजह है चांदी की कीमतें में हाल में आई जबरदस्त तेजी। चांदी की कीमत पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार निकल गई जबकि ग्लोबल मार्केट में भी यह करीब $65 प्रति औंस तक पहुंच गई।

इस तेजी का सीधा फायदा हिंदुस्तान जिंक को मिल रहा है। पिछले छह ट्रेडिंग सेशन में ही कंपनी के शेयर 15% चढ़े हैं जिससे उसकी मार्केट वैल्यू 32,000 करोड़ रुपये बढ़ गई है। आज कंपनी का शेयर बीएसई पर 567.75 रुपये पर फ्लैट बंद हुआ। यह कंपनी चांदी और जिंक, दोनों की बढ़ती कीमतों का खूब फायदा उठा रही है। जिंक के उत्पादन में इसकी लागत दुनिया में सबसे कम है, जो इसे अच्छी कमाई करने में मदद करती है। 2025 में अब तक चांदी के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं, और इसी के चलते हिंदुस्तान जिंक के शेयर साल की शुरुआत से अब तक 28% से ज्यादा बढ़ चुके हैं। यह कंपनी दुनिया में चांदी के पांच सबसे बड़े उत्पादकों में शामिल है। अब सवाल यह है कि क्या यह तेजी 2026 तक जारी रहेगी? चॉइस इक्विटी ब्रोकिंग में टेक्निकल रिसर्च एनालिस्ट आकाश शाह का कहना है कि इस शेयर ने 525-530 रुपये के पिछले रेजिस्टेंस (रुकावट) लेवल को भारी वॉल्यूम के साथ पार कर लिया है। यह दिखाता है कि खरीदार बहुत ज्यादा दिलचस्पी ले रहे हैं। टेक्निकल तौर पर देखें तो शेयर अपने जरूरी मूविंग एवरेज से काफी ऊपर चल रहा है। ईएमएएस के ऊपर ट्रेड करना एक मजबूत अपट्रेंड और मीडियम-टर्म चार्ट्स पर ट्रेंड रिवर्सल का संकेत दे रहा है।शाह आगे बताते हैं, पहले जो रेजिस्टेंस 540-545 रुपये के आसपास था, अब किसी भी गिरावट पर वह सपोर्ट का काम करेगा। ऊपर की तरफ, 600 रुपये एक बड़ा साइकोलॉजिकल और टेक्निकल रेजिस्टेंस है, जहा कुछ लोग मुनाफावसूली कर सकते हैं। अगर शेयर 600 रुपये से ऊपर बना रहता है, तो यह 620 रुपये या उससे ऊपर जा सकता है।इंटरनेशनल ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने 'बाय' रेटिंग दी है और शेयर का टारगेट 660 रुपये रखा है।

आरबीआई के कदम से बैंकिंग सेक्टर में हलचल

एचडीएफसी बैंक-इंडसइंड बैंक से जुड़ा यह मामला क्या है?

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। एचडीएफसी बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से एक बड़ी मंजूरी मिली है। अब एचडीएफसी बैंक के समूह की कंपनियां इंडसइंड बैंक में 9.50% तक की हिस्सेदारी रख सकती हैं। यह मंजूरी 15 दिसंबर को मिली है। यह 14 दिसंबर 2026 तक एक साल के लिए मान्य रहेगी। आरबीआई ने साफ कर दिया है कि किसी भी समय इंडसइंड बैंक के कुल शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकारों का 9.50% से ज्यादा हिस्सा नहीं रखा जा सकता। आरबीआई के इस कदम से बैंकिंग सेक्टर में हलचल बढ़ी है। यह मंजूरी एचडीएफसी बैंक और उसके समूह की कंपनियों की कुल हिस्सेदारी पर लागू होती है। इसमें एचडीएफसी बैंक प्रमोटर या स्पॉन्सर के तौर पर शामिल है।

सोना 1,472 गिरकर 1.32 लाख प्रति 10 ग्राम पर आया

चांदी की कीमत भी 1,442 कम हुई, कैरेट के हिसाब से देखें सोने की कीमत

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 16 दिसंबर को गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,472 रुपए गिरकर 1,31,777 रुपए पर आ गया है। इससे पहले सोना 1,33,249 रुपए पर था। वहीं 1 किलो चांदी का दाम 1,442 रुपए गिरकर 1,91,975 रुपए पर आ गया है। इससे पहले चांदी 1,93,417 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी।

अलग-अलग शहरों में रेट्स अलग क्यों होते हैं?

आईबीजेए की सोने की कीमतों में 3% जीएसटी, मेकिंग चार्ज, ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता। इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल आरबीआई सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल सोना 55,615 और चांदी 1,05,958 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत 55,615 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,31,777 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,05,950 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,91,975 रुपए प्रति किलो हो गई है।

झारखंड आ रही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

ओलचिकी लिपि के शताब्दी समारोह में होंगी शामिल

एनआईटी के 15वें दीक्षांत में छात्रों को देंगी उपाधि

रांची, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर आ रही हैं। वह 28 दिसंबर को रांची पहुंचेगी। 28 और 29 को उनका रांची स्थित लोकभवन (राजभवन) में विश्राम करेंगी। अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वह 29 को जमशेदपुर जाएंगी।

जहां अपने पहले कार्यक्रम के तहत संथाली भाषा की ओल चिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित शताब्दी समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद एनआईटी जमशेदपुर के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके बाद 30 दिसंबर को गुमला दौरे पर जाएंगी। फिर दिल्ली रवाना हो जाएंगी।

संथाली भाषा की ओल चिकी लिपि के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शताब्दी समारोह का भव्य समापन जमशेदपुर में होगा। समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह जानकारी ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन के महासचिव रवींद्र नाथ मुर्मू ने दी। उन्होंने बताया कि यह आयोजन जाहेरथान कमेटी और ऑल इंडिया संथाली राइटर्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 22वें संथाली भाषा दिवस के तहत किया जा रहा है। आठ दिवसीय यह शताब्दी समारोह 22 से 29 दिसंबर 2025 तक दिल्ली, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और झारखंड में आयोजित होगा। जमशेदपुर में 27, 28 और 29 दिसंबर को विशेष कार्यक्रम होंगे, जिनमें देशभर से संथाली साहित्यकार, बुद्धिजीवी और सामाजिक कार्यकर्ता भाग लेंगे।

शताब्दी समारोह के दौरान संथाली समाज से जुड़े कई समसामयिक और संवेदनशील विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इसमें नारी चेतना, समाज में महिलाओं की भूमिका, संथाली कवि सम्मेलन, शहरीकरण का संथाली भाषा पर प्रभाव और डिजिटल युग में संथाली भाषा व संस्कृति के विकास जैसे विषय प्रमुख हैं। आयोजकों के अनुसार, समापन समारोह में झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मयूरभंज के सांसद कालीचरण सोरेन और ओडिशा की दामयंती बेसरा भी मौजूद रहेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इस अवसर पर संथाली भाषा और संस्कृति के संरक्षण व विकास को लेकर अपने विचार साझा करेंगी। जानकारी के अनुसार कार्यक्रम में सीमित संख्या में लोगों को ही प्रवेश दिया जाएगा और इसके लिए पूर्व रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 29 दिसंबर को दूसरा महत्वपूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में प्रस्तावित है। यहां वह 15वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। एनआईटी के निदेशक प्रोफेसर गौतम सूत्रधार के अनुसार राष्ट्रपति का कार्यक्रम लगभग एक घंटे का होगा। इस दौरान वह बीटेक और एमटेक की एक-एक छात्रा को गोल्ड मेडल से सम्मानित करेंगी।

दीक्षांत समारोह में करीब 1000 छात्र-छात्राओं के बीच डिग्रियों का वितरण किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में राष्ट्रपति शामिल होंगी। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है।

सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की लगातार समीक्षा की जा रही है। सरायकेला के उपायुक्त नीतीश कुमार सिंह और एसपी मुकेश लुनायत सहित कई वरीय प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने एनआईटी परिसर और करनडीह स्थित दिशोम जाहेर परिसर का सघन जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। प्रशासन का कहना है कि राष्ट्रपति के दौरे के दौरान किसी भी स्तर पर कोई चूक न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ काम कर रहे हैं।

हिंद कोल ग्रुप में जीएसटी रेड, कोयले में मिक्सिंग की आशंका

बिलासपुर में गतौरा-बलौदा-हिंडाडीह सहित कई ठिकानों में छापेमारी; टैक्स चोरी के साथ कई खामियां मिलीं

बिलासपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्टेट जीएसटी टीम ने 15 दिसंबर को एक बार फिर कोयला कोराबारी के ठिकानों में छापेमारी की। इस दौरान हिंद कोल ग्रुप के गतौरा, हिंडाडीह और बलौदा स्थित कोल वाशरी के साथ ही ऑफिस में दस्तावेजों की जांच की गई।

इसके साथ ही कंपनी के ऑफिस सहित अन्य जगहों पर सर्चिंग की। राजेश अग्रवाल इस ग्रुप के डायरेक्ट हैं। वहीं इंद्रमनी ग्रुप के डायरेक्टर सुनील अग्रवाल के भी दो ठिकानों समेत कुल पांच जगहों पर कार्रवाई की गई है।

बता दें कि दो दिन पहले ही स्टेट जीएसटी सेक्रेटरी मुकेश बंसल के निर्देश पर रायपुर की टीम ने 3 बड़े कोयला व्यापारियों महावीर कोल वाशरी, फील कोल और पारस कोल एंड बेनेफिशिएशन के 11 ठिकानों पर छापे मारी की थी। जिसमें एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के परिवार के लोग भी शामिल थे।

जांच के दौरान सोमवार की सुबह से लेकर देर रात तक टीम में शामिल अफसरों ने एक साथ कोल कंपनी के लेन-देन और इनकम रिकॉर्ड की जांच की। पता चला है कि शहर के बड़े कोल कारोबारियों पर पिछले लंबे समय से जीएसटी की टीम निगरानी कर रही थी। इस दौरान बड़े पैमाने पर अनियमितता और टैक्स चोरी की आशंका पर यह कार्रवाई की गई।

अफसरों की शुरुआती जांच में पता चला है कि कोल वाशरी में बड़े पैमाने पर कोल मिक्सिंग के साथ ही टैक्स की हेराफेरी की बात सामने आई है। कारोबारी अपने टैक्स बचाने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे थे।

इसके अलावा कारोबार से होने वाले आय की तुलना में उनका टैक्स कम मिलने के बाद डायरेक्ट रायपुर की टीम ने कारोबारियों के घर में रेड की।

रेड के दौरान जांच करने पहुंचे अधिकारी इस मामले में कुछ भी कहने से बचते रहे। जानकारों का कहना है कि टीम के सदस्यों को कंपनी के रिकार्ड में कई खामियों के साथ ही टैक्स चोरी मिली है। बताया जा रहा है कि शहर के 3 बड़े कोल कारोबारी लंबे समय से जीएसटी की डायरेक्ट निगरानी में थे। उनका कारोबार का तार देश के अलग-अलग राज्यों से जुड़ा है। कारोबार से होने वाले आय की तुलना में उनका टैक्स कम मिलने के बाद डायरेक्ट रायपुर की टीम ने कारोबारियों के घर रेड की।

दो दिन पहले स्टेट जीएसटी की टीम ने शहर के तीन बड़े कोयला कारोबारियों के 11 से अधिक ठिकानों की जांच की, जिसके बाद जीएसटी की कार्रवाई के डर से महावीर कोल वाशरी ने 10 करोड़ सरेंडर किए। इसके दूसरे दिन फील ग्रुप ने 11 करोड़ और पारस कोल वाशरी ने 6 करोड़ 50 लाख रुपए सरेंडर किए। इस तरह तीनों कारोबारियों ने मिलाकर 27 करोड़ 50 लाख सरेंडर किए हैं। जानकारी के मुताबिक महावीर कोलवाशरी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे और विक्की जैन के परिवार से जुड़ा है।

कोडरमा के ग्रीजली विद्यालय में बॉयलर फटा

कपड़े आयरन करने के दौरान हादसा, 5 कर्मचारी घायल, 2 की हालत गंभीर

कोडरमा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के तिलैया डैम ओपी क्षेत्र स्थित ग्रीजली विद्यालय में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। विद्यालय की लॉन्ड्री यूनिट में कपड़े इस्त्री करने के दौरान स्टीम बॉयलर अचानक फट गया। धमाका इतना तेज था कि वहां काम कर रहे कर्मचारी इधर-उधर जा गिरे।

इस हादसे में पांच कर्मचारी गंभीर रूप से झुलस गए, जिनमें से दो की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद पूरे विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी का माहौल हो गया। धमाके की आवाज दूर तक सुनाई दी, जिससे आसपास के कर्मचारी और छात्र सहम गए।

घायल कर्मचारियों में शामिल गुड्डू कुमार रजक ने बताया कि ग्रीजली विद्यालय की लॉन्ड्री यूनिट में आवासीय छात्रों और शिक्षकों की वर्दी की धुलाई और इस्त्री का काम होता है। बुधवार को भी सभी कर्मचारी रोज की तरह काम में लगे थे। इसी दौरान इस्त्री के लिए इस्तेमाल किया जा रहा स्टीम बॉयलर अचानक तेज आवाज के साथ फट गया।

बॉयलर से निकले गर्म पानी और भाप की चपेट में वहां मौजूद लगभग आधा दर्जन कर्मचारी आ गए। कुछ कर्मचारी धमाके के झटके से कमरे के दूसरे छोर तक जा गिरे, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। लॉन्ड्री यूनिट में रखा सामान भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही विद्यालय के अन्य कर्मी मौके पर पहुंचे और घायलों को विद्यालय के निजी वाहन से झुमरीतिलैया स्थित एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सभी का इलाज चल रहा है।

घायल गुड्डू रजक ने विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि स्टीम बॉयलर काफी समय से खराब था और इसकी शिकायत कई बार प्रबंधन से की गई थी। इसके बावजूद बॉयलर को बदलने के बजाय केवल मरम्मत कराकर काम चलाया जा रहा था। इसी लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ।

'लाल आतंक' ने फिर डाले हथियार: 34 नक्सलियों का सरेंडर...

26 पर कुल 84 लाख का इनाम; 2 साल में 824 ने हिंसा छोड़ी

बीजापुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में मंगलवार को 34 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया, जिनमें से 26 पर कुल 84 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें सात महिलाएं भी शामिल हैं।

ये कैडर दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी तेलंगाना स्टेट कमेटी और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर डिवीजन में सक्रिय थे। मुख्य कैडरों में पांडू पुनेम (45), रुकनी हेमला (25), देवा उइका (22), रामलाल पोयम (27) और मोटू पुनेम (21) शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक पर आठ लाख रुपये का इनाम था। आत्मसमर्पण वरिष्ठ पुलिस एवं सीआरपीएफ अधिकारियों के समक्ष 'पुना मार्गेम' (पुनर्वास से सामाजिक पुनर्स्थापन) पहल के तहत हुआ। बीजापुर एसपी जितेंद्र यादव के अनुसार, राज्य सरकार की पुनर्वास नीति के तहत प्रत्येक को तत्काल 50 हजार रुपये की सहायता के साथ कौशल विकास प्रशिक्षण एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।सरकार की इस नीति से प्रभावित होकर पिछले दो वर्षों में दंतेवाड़ा जिले में 824 नक्सलियों ने हिंसा छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने का फैसला किया है। आत्मसमर्पित कैडरों के परिवार भी उन्हें सामान्य जीवन जीने की प्रेरणा दे रहे हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि ये कैडर दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी , तेलंगाना राज्य कमेटी और माओवादियों के आंध्र ओडिशा बॉर्डर डिवीजन में सक्रिय थे। राज्य सरकार की पुनर्वास नीति माओवादियों को हिंसा छोड़ने के लिए आकर्षित कर रही है।

यादव ने कहा कि जिन लोगों ने सरेंडर किया है, उनके परिवार भी चाहते हैं कि वे सामान्य जीवन जिएं और समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलें। उन्होंने बताया कि सरकार की सरेंडर और पुनर्वास नीति से प्रेरित होकर, पिछले दो साल में दंतेवाड़ा जिले में 824 माओवादियों ने हिंसा छोड़ दी है और सामाजिक मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं।

25 हजार रिश्वत लेते तहसील का बाबू गिरफ्तार

सरगुजा/सूरजपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के जरही नायब तहसील दफ्तर में पदस्थ लिपिक 25 हजार रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ है। सरगुजा एसीबी की टीम ने यह कार्रवाई की है। बाबू ने मकान क्षतिपूर्ति का मुआवजा 80 हजार रुपए दिलाने के लिए आधी रकम 40 हजार रिश्वत मांगी थी। जानकारी के मुताबिक, सूरजपुर जिले के कोटेया निवासी रमेश राजवाड़े का बारिश के दौरान आंधी-तूफान में पेड़ गिरने से घर क्षतिग्रस्त हो गया था। पटवारी ने नुकसान का आकलन कर मुआवजा के लिए प्रकरण बनाया था। मुआवजा का प्रकरण नायब तहसील कार्यालय जरही में चल रहा था। क्षतिपूर्ति के लिए 80 हजार मुआवजा स्वीकृत किया गया था। मुआवजा राशि दिलाने के लिए

नायब तहसील कार्यालय में पदस्थ बाबू तोखन सिंह सोढ़ी ने रमेश राजवाड़े से मुआवजा की रकम दिलाने के लिए आधी रकम 40 हजार रुपए बतौर रिश्वत मांगी थी। रमेश राजवाड़े ने 15 हजार रुपए बतौर रिश्वत दी और प्रकरण पास करने का निवेदन किया, लेकिन बाबू नहीं माना। उसने 25 हजार रुपए और मांगे। परेशान होकर रमेश राजवाड़े ने इसकी शिकायत सरगुजा एसीबी से कर दी। रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर एसीबी के टीआई शरद सिंह के नेतृत्व में टीम मंगलवार को जरही पहुंची। केमिकल लगे नोट देकर रमेश राजवाड़े को तहसील कार्यालय भेजा। रमेश राजवाड़े ने रिश्वत की रकम बाबू को दी। बाबू ने उस पैसे को अपने पाकेट में रख लिया। इशारा मिलते ही एसीबी की टीम कार्यालय में पहुंची और बाबू तोखन सिंह सोढ़ी को रिश्वत की रकम 25 हजार रुपए के साथ गिरफ्तार कर लिया। रिश्वत लेते पकड़ा गया बाबू तोखन सिंह सोढ़ी पहले हाई स्कूल जरही में बतौर प्यून पदस्थ था, लेकिन वह लिपिक का काम करता था। पूर्व तहसीलदार ने उसका अच्छा काम देखकर उसे अपने कार्यालय में अटैच कर लिया था। उसका प्रमोशन हुआ था या नहीं यह स्पष्ट नहीं है।

गर्लफ्रेंड को मारकर फंदे पर लटकाया

शादी करने से मना कर रही थी, उसके ही स्कार्फ से घोंटा गला, 8 साल बाद पकड़ाए आरोपी

कवर्धा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में बॉयफ्रेंड ने अपनी गर्लफ्रेंड का उसी के दुपट्टे से गला घोंट दिया। मर्डर करने के बाद गर्लफ्रेंड के ही दुपट्टे से बांधकर लाश को पेड़ पर लटका दिया, ताकि सुसाइड लग सके। पुलिस ने वारदात के 8 साल बाद 2 आरोपियों को पकड़ा है। मामला कुकदूर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक मृतका का नाम राजबाई गोड़ (14) है, जो कुकदूर थाना क्षेत्र के अमनिया की रहने वाली थी। राजबाई गोड़ का दयाल उर्फ दयालाल बैगा (27) से अफेयर था। दयालाल बैगा ने ही नाबालिग लड़की की हत्या की थी। दरअसल, 17 मई 2017 को थाना कुकदूर क्षेत्र के कोलिहामाड़ा नाला के पास भेलवा पेड़ पर राजबाई गोड़ की लाश लटकी मिली थी। स्थानीय लोगों ने लाश मिलने की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी थी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस के मुताबिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने मौत का कारण गला दबाने से दम घुटना बताया। इसके आधार यह स्पष्ट हुआ कि मामला आत्महत्या नहीं बल्कि सुनियोजित हत्या का है।

किसी ने मारकर लाश को पेड़ पर लटका दिया है। कुकदूर पुलिस ने 27 मई 2017 को अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच तेज की। पुलिस ने उस दौरान जांच की, लेकिन हत्या का खुलासा नहीं हो सका। इसके बाद पुलिस ने जिले में ब्लाइंड मर्डर केस की फाइल 2025 में दोबारा खोली। कुकदूर पुलिस ने ब्लाइंड मर्डर का रिकॉर्ड खंगाला। जिस पर संदेह था, उस चश्मदीद महिला से कड़ाई से पूछताछ हुई। पहले चश्मदीद ने गुमराह करने की कोशिश, लेकिन बाद में पूरी सच्चाई बताई। चश्मदीद ने बताया कि शादी नहीं करने की वजह से राजबाई की हत्या हुई थी। चश्मदीद साक्षी लक्ष्मण टेकाम ने बताया कि डर की वजह से वह उस समय कुछ बोल नहीं पाई। बयान कोर्ट में क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा 164 के तहत रिकॉर्ड किया गया, जिससे केस को एक अहम दिशा मिली। गवाह ने बताया कि इस अपराध में दो लोग शामिल थे। सबूतों के आधार पर पुलिस ने आरोपी रमला उर्फ राम धुर्वे को हिरासत में ले लिया। पूछताछ के दौरान रमला ने कबूल किया कि दयाल उर्फ दयालाल बैगा ने लड़की का मर्डर किया था। उसने लड़की का गला घोंट दिया था। इसके बाद दोनों ने मिलकर दुपट्टे से लाश को एक पेड़ से लटका दिया। इसके बाद पुलिस ने घोघरा के रहने वाले दयाल उर्फ दयालाल बैगा को गिरफ्तार किया, जो फिलहाल हाथीबुदन गांव में रह रहा था। कड़ी पूछताछ करने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

बता दें कि कबीरधाम पुलिस ने पिछले एक साल के अंदर जिले के पुराने ब्लाइंड मर्डर के कुल 14 मामलों को सुलझाया है।

इनमें कवर्धा थाना क्षेत्र का चर्चित डॉक्टर दंपत्ति डबल मर्डर हत्याकांड, थाना तरेगांव और थाना पिपरिया के अंधे कत्ल प्रकरण प्रमुख रूप से शामिल हैं। एसपी धर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कबीरधाम पुलिस सालों से लंबित और जटिल अंधे कत्ल प्रकरणों को प्राथमिकता पर लेते हुए एक के बाद एक केस सॉल्व कर रही है। SP धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि कबीरधाम पुलिस यह स्पष्ट संदेश देती है कि गंभीर अपराध चाहे कितने भी पुराने क्यों न हों, अपराधी कानून के शिकंजे से बच नहीं सकते। कवर्धा जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कबीरधाम पुलिस ऐसे सभी अनसुलझे मामलों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई निरंतर जारी रखेगी। एएसपी पुष्पेन्द्र कुमार बघेल और पंकज पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया पुलिस भूपत सिंह की भी भूमिका रही।

नौकरी, कपड़े, टॉप्स दिलाने का लालच देकर युवती से गैंगरेप

दो लोगों ने किया दुष्कर्म, दो महिला ने दिया साथ माता-पिता बाहर मजदूरी करते हैं

सक्ती, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में कान की बाली, नए कपड़े और नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2 युवकों ने युवती से गैंगरेप किया। आरोपियों में 2 महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने अपराध को अंजाम देने में सहयोग किया।

पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर गैंगरेप के 2 आरोपियों और अपराध में मदद करने वाली 2 महिलाओं को गिरफ्तार किया है। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। यह मामला मालखरौदा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार पीड़िता (20 वर्ष) के माता-पिता हैदराबाद में मजदूरी करते हैं। वह गांव में अपने बुजुर्ग दादा-दादी के साथ रहती है। 31 अक्टूबर 2025 की शाम करीब 5 बजे पीड़िता अपने गांव के बड़े तालाब के पास घूमने गई थी। उसी समय आरोपी झनकेश्वर चंद्रा एक महिला लक्ष्मी महंत उर्फ मुस्कान के साथ बाइक से वहां पहुंचा।

झनकेश्वर ने पीड़िता को कान की बाली, नए कपड़े और सक्ती में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपियों के झांसे में आकर पीड़िता उनके साथ बाइक पर बैठकर चली गई। इसके बाद आरोपी उसे पहले झुलकदम स्थित लक्ष्मी महंत के घर ले गए, जहां उसे करीब एक घंटे तक रोके रखा। बाद में दोनों आरोपी काम दिलाने का बहाना बनाकर पीड़िता को ग्राम डोंडकी में धनकुंवर यादव के घर ले गए।

रात के समय वहां आरोपी झनकेश्वर चंद्रा और प्रदीप निराला ने पीड़िता को कमरे में बंद कर बारी-बारी से उसके साथ रेप किया। इस दौरान लक्ष्मी महंत उर्फ मुस्कान और धनकुंवर यादव ने पीड़िता को अपने घर में रखकर अपराध को अंजाम देने में सहयोग किया। पीड़िता की शिकायत पर मालखरौदा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए SP प्रफुल्ल ठाकुर ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इन निर्देशों के तहत पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर सभी आरोपियों को हिरासत में लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मालखरौदा थाना प्रभारी प्रवीण राजपूत ने बताया कि पुलिस ने चारों आरोपियों प्रदीप निराला (22), झनकेश्वर चंद्रा (37), लक्ष्मी महंत उर्फ मुस्कान (32) और धनकुंवर यादव (45) को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। मामले की जांच आगे भी जारी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कोडरमा में बालू के वर्चस्व को लेकर खूनी संघर्ष

तिलोकरी रेलवे फाटक के पास दो गुटों में झड़प, दो लोग घायल

कोडरमा, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र में अवैध बालू ढुलाई के वर्चस्व को लेकर दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। घटना धनबाद-गया रेलखंड पर तिलोकरी रेलवे फाटक के पास हुई, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान तिलोकरी पंचायत के गरवाटांड़ निवासी 42 वर्षीय मुकेश यादव (पिता रामवृक्ष यादव) और बेहराडीह निवासी 20 वर्षीय गोलू भदानी (पिता बसंत भदानी) के रूप में की गई है।

घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को जयनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों की हालत गंभीर लेकिन स्थिर बताई जा रही है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, जयनगर थाना क्षेत्र में बराकर नदी से प्रतिदिन बड़े पैमाने पर अवैध बालू का उठाव किया जाता है। इस अवैध कारोबार में कई गुट सक्रिय हैं, जिनके बीच क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर अक्सर विवाद होता रहता है। मंगलवार को भी बालू उठाव को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए।

बताया जाता है कि एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के मजदूरों को बहला-फुसलाकर बालू घाट ले जाने का प्रयास किया, जिससे विवाद भड़क उठा। हालांकि, दोनों ही पक्ष बालू उठाव से जुड़े विवाद से इनकार कर रहे हैं और घटना को आपसी कहासुनी का नतीजा बता रहे हैं।

घायल मुकेश यादव ने बताया कि वे गांव के पास स्थित एक ईंट भट्ठे से ट्रैक्टर पर ईंट लोड कर आसपास के इलाकों में सप्लाई करते हैं। बुधवार को उन्होंने गोलू भदानी को उनके मजदूरों को बालू ढुलाई के लिए ले जाते देखा, जिस पर उन्होंने आपत्ति जताई। आरोप है कि इसी बात पर गाली-गलौज शुरू हुई और गोलू ने अपने भाई नीतीश और पिता को बुला लिया। इसके बाद चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

वहीं, गोलू भदानी का आरोप है कि वे मिट्टी ढुलाई का काम करते हैं और मजदूरों के साथ जा रहे थे, तभी मुकेश यादव, उनके पिता और परिवार के अन्य लोगों ने लोहे की रॉड व लाठी-डंडों से उन पर हमला कर दिया। इधर जयनगर थाना प्रभारी उमानाथ सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिली है। मुकेश यादव का आवेदन प्राप्त हुआ है, मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ में दिखा दुर्लभ 'स्टेपे गल'

हजारों किलोमीटर सफर करने की क्षमता; प्रवासी पक्षियों के लिए सुरक्षित ठिकाना बना रूसे जलाशय

खैरागढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। खैरागढ़ स्थित रूसे जलाशय में 5 साल बाद दुर्लभ प्रवासी पक्षी स्टेपे गल की मौजूदगी दर्ज की गई है। मैकाल पर्वत श्रृंखला से घिरे खैरागढ़ के जंगलों में इसकी तस्वीर पक्षी विज्ञानी प्रतीक ठाकुर ने अपने कैमरे में रिकॉर्ड की।

पर्यावरणविदों का मानना है कि स्टेपे गल की उपस्थिति इस बात की पुष्टि करती है कि रूसे जलाशय अब केवल एक जलस्रोत नहीं, बल्कि प्रवासी और संभावित रूप से संकटग्रस्त पक्षियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि इस क्षेत्र में अवैध शिकार, अतिक्रमण और अनियंत्रित मानवीय गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखा गया, तो यह पक्षियों के लिए खतरा बन सकता है।

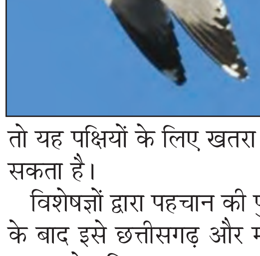

विशेषज्ञों द्वारा पहचान की पुष्टि के बाद इसे छत्तीसगढ़ और मध्य भारत के लिए एक महत्वपूर्ण पर्यावरणीय उपलब्धि माना जा रहा है। रूसे जलाशय अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए पहले से ही प्रसिद्ध है। यह छत्तीसगढ़ का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जहां हर साल कॉमन क्रेन जैसे दुर्लभ पक्षियों की नियमित उपस्थिति दर्ज होती है।

इसके अलावा जल पक्षियों और प्रवासी पक्षियों की कई अन्य प्रजातियां भी यहां देखी जाती रही हैं, जो खैरागढ़ को पक्षी विज्ञान के मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाती हैं।

विशेषज्ञों ने संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए यहां बर्ड टूरिज्म की संभावनाओं को विकसित करने का सुझाव दिया है। उनका मानना है कि इससे न केवल जैव विविधता के संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे और पर्यावरणीय जागरूकता को बढ़ावा मिलेगा। स्टेपे गल मूल रूप से पूर्वी यूरोप, दक्षिणी रूस और मध्य एशिया की स्टेपी क्षेत्रों में प्रजनन करता है। सर्दियों के मौसम में यह हजारों किलोमीटर की उड़ान भरकर पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया तक पहुंचता है। भारत में इसकी उपस्थिति अत्यंत दुर्लभ मानी जाती है और वह भी अधिकतर समुद्री तटों तक सीमित रहती है। ऐसे में छत्तीसगढ़ जैसे आंतरिक वन क्षेत्र के रूसे जलाशय में इसका दिखना वैज्ञानिक दृष्टि से बेहद अहम माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी प्रवासी गल का आंतरिक भू-भाग के जलाशय में ठहरना इस बात का संकेत होता है कि वहां जल गुणवत्ता, भोजन उपलब्धता और प्राकृतिक शांति का संतुलन बना हुआ है। यही कारण है कि स्टेपे गल जैसे संवेदनशील प्रवासी पक्षी इस क्षेत्र को अस्थायी आश्रय के रूप में चुन रहे हैं।

भारत-नेपाल संबंधों के लिए अच्छी खबर
हिमालयी देश में भारतीय नोटों पर लगा प्रतिबंध हटा

काठमांडू ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। नेपाल में सत्ता परिवर्तन और केपी शर्मा ओली की सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से भारत-नेपाल संबंधों में फिर से मजबूती आ रही है। नए कदम के तहत नेपाल ने बड़ी संख्या में भारतीय मुद्रा नेपाल लाने-ले जाने पर लगे प्रतिबंध को हटा लिया है। इससे नेपाल में भारतीय मुद्रा पर लगा एक दशक पुराना प्रतिबंध खत्म हो जाएगा। नेपाल सरकार के नए फैसले के बाद कोई भी व्यक्ति अधिकतम 25,000 रुपये तक के 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट रख सकता हैं।

कैबिनेट सूत्रों के अनुसार, यह फैसला सोमवार को कैबिनेट बैठक में लिया गया।

रिजर्व बैंक के संशोधन के बाद नेपाल सरकार का फैसला

बदले हुए नियम के तहत,

नेपाली और भारतीय दोनों नागरिक ज्यादा कीमत वाले बैंक नोट भारत से नेपाल ला सकते हैं या नेपाल से भारत ले जा सकते हैं। सोमवार को नेपाली कैबिनेट का यह फैसला, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट (करेंसी का एक्सपोर्ट और इम्पोर्ट) रेगुलेशन, 2015 में किए गए संशोधनों के बाद आया है।

यह संशोधन भारतीय, नेपाली और भूटानी नागरिकों को भारत आने-जाने के दौरान ज्यादा मात्रा में भारतीय करेंसी ले जाने की अनुमति देता है। नेपाल राष्ट्र बैंक के प्रवक्ता गुरु प्रसाद पौडेल के अनुसार, एक बार जब सरकार का फैसला नेपाल गजट में छप जाएगा, तो नेपाल राष्ट्र बैंक इस संबंध में एक सर्कुलर जारी करेगा, जो भारत से नेपाल या नेपाल से भारत यात्रा करने वाले व्यक्तियों द्वारा ज़्यादा कीमत वाले भारतीय बैंक नोटों के इस्तेमाल को कानूनी बना देगा।

इस कदम का क्या होगा फायदा

इससे दोनों देशों के पर्यटकों के साथ-साथ व्यापारियों को भी एक-दूसरे के देश में यात्रा करने या व्यापार करने में आसानी होगी। पौडेल ने कहा, 'यह हमारी लंबे समय से चली आ रही मांग थी, जिस पर भारत ने सकारात्मक जवाब दिया। बड़ी संख्या में नेपाली लोग अलग-अलग कामों के लिए भारत जाते हैं, और मुद्रा पर लगी पाबंदियों ने लंबे समय से मुश्किलें पैदा की हैं, खासकर उन प्रवासी मज़दूरों के लिए जो भारत में कमाते हैं।'

प्रतिबंध के चलते कई प्रवासी मजदूरों को अपनी कमाई कम कीमत वाले नोटों में नेपाल लाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे यात्रा के दौरान चोरी और जेबकतरों का खतरा बढ़ जाता है। पूर्व में कई नेपाली नागरिकों को 500 और 1,000 रुपये के नोट ले जाने के आरोप में जेल भी भेजा गया है।

इन पाबंदियों से नेपाल के पर्यटन क्षेत्र को भी नुकसान हुआ, खासकर कसीनो और हॉस्पिटैलिटी बिजनेस को। ज़्यादा कीमत वाले नोट ले जाने की सुविधा न होने के कारण, भारतीय पर्यटक नेपाल में खुलकर खर्च नहीं कर पाते, जिससे सीमावर्ती शहरों में रेवेन्यू कम होता है।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे इथियोपिया, पीएम अली से की मुलाकात

अदीस अबाबा,16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जॉर्डन दौरा खत्म कर इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा पहुंचे। राजधानी अदीस अबाबा के एयरपोर्ट पर इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली ने गले लगाकर कर प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। पीएम नरेंद्र मोदी इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर हैं। पीएम मोदी की इथियोपिया की यह पहली यात्रा है।

दो दिवसीय दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इथियोपिया के पीएम अबी अहमद अली से मुलाकात की। इसके साथ ही वहां की संसद को भी संबोधित करेंगे। इथियोपिया में रहने वाला भारतीय समुदाय पीएम मोदी के आगमन पर काफी उत्साहित है। इस दौरे में भारत-इथियोपिया के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा और BRICS सहयोग को बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्कूल के छात्रों में उत्साह

इथियोपिया में भारतीय अंतरराष्ट्रीय स्कूल के छात्रों के बीच पीएम मोदी के आगमन को लेकर गजब उत्साह देखने को मिला है। स्कूल के प्रधान अब्राहम ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि हम भारतीय पाठ्यक्रम और किताबों का पालन कर रहे हैं। इस साल हमारे स्कूल को सीबीएससी से मान्यता भी मिल गई है। यहां के ज्यादातर इथियोपियाई माता-पिता अपने बच्चों की शिक्षा को बहुत महत्व देते हैं।

भारतीय समुदाय के लोगों ने भी पीएम मोदी के आगमन को लेकर खुशी जताई है। इसी क्रम में रामेंद्र शाह ने कहा कि भारत और इथियोपिया के बीच सहयोग से स्वास्थ्य सेवाओं में काफी सुधार हुआ है। यहां की मेडिकल सुविधाएं बहुत बेहतर हुई हैं। कई अस्पताल भारतीय अस्पतालों के साथ शोध कर रहे हैं। महात्मा गांधी अस्पताल भी 400 बेड्स के विस्तार की योजना पर काम कर रहा है। इसके साथ ही शाह ने उम्मीद जताई है कि इस यात्रा से भारत की दानदाता संस्थाओं की मदद भी बढ़ेगी।

अपने इथियोपिया दौरे को लेकर क्या बोले पीएम मोदी

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भारत से रवाना होने से पहले अपनी यात्रा के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मैं पहली बार फेडरल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ इथियोपिया का दौरा कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अदीस अबाबा अफ्रीकी संघ का मुख्यालय भी है। 2023 में भारत के G20 अध्यक्ष होने के दौरान, अफ्रीकी संघ को G20 का स्थायी सदस्य बनाया गया। अदीस अबाबा में मैं डॉ. अबी अहमद अली के साथ विस्तृत चर्चा करूंगा और वहां रहने वाले भारतीय समुदाय से मिलने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपने हालिया दौरे की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जोर्डन दौरे के परिणाम महत्वपूर्ण हैं और भारत-जॉर्डन संबंधों को मजबूत करेंगे। उन्होंने अक्षय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार और जल संसाधन प्रबंधन में सहयोग को साझा जिम्मेदारी और सतत विकास की दिशा में बढ़ते कदम बताया।

डोनाल्ड ट्रम्प के बड़े बेटे ट्रम्प जूनियर की तीसरी सगाई, 5 बच्चों के पिता हैं

न्यूयॉर्क,16 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सबसे बड़े बेटे ट्रम्प जूनियर की सगाई हो गई है। उनकी सगाई सोशल मिडिया इन्फ्लुएंसर बेटिना एंडरसन से हुई है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह घोषणा 15 दिसंबर को व्हाइट हाउस में आयोजित एक हॉलिडे पार्टी के दौरान की। हालांकि, सगाई किस तारीख को हुई इसकी जानकारी नहीं है। जूनियर की यह तीसरी सगाई है। इससे पहले उनकी शादी पूर्व मॉडल और अभिनेत्री वैनेसा से हुई थी। वह वैनेसा के साथ 12 साल तक रिश्ते में रहे थे। दोनों के पांच बच्चे हैं। वैनेसा ने वर्ष 2018 में तलाक की अर्जी दी थी।इसके बाद ट्रम्प जूनियर की सगाई अमेरिकी टीवी पर्सनैलिटी किम्बर्ली गिलफॉयल से 2018 में हुई थी। यह शादी 6 साल तक चली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रम्प जूनियर और बेटिना एंडरसन पिछले करीब एक साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। पिछले महीने दोनों भारत के उदयपुर में एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए भी आए थे।

'आईएस से प्रेरित थी बॉन्डी बीच पर हुई यहूदी विरोधी सामूहिक गोलीबारी' : प्रधानमंत्री अल्बनीज

सिडनी,16 दिसंबर (एजेंसियां)। सिडनी के बॉन्डी बीच पर सामूहिक गोलीबारी में 15 लोगों की मौत के बाद ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। समाचार एजेंसी एएफपी और बीबीसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अल्बनीज ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) के सिडनी चैनल को दिए गए एक रेडियो इंटरव्यू में कही, जिसके अंश उनके कार्यालय ने समाचार एजेंसियों के साथ साझा किए।

उन्होंने इस हमले को 'सुनियोजित, योजनाबद्ध और बेहद बर्बर' बताया। अल्बनीज ने कहा कि अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि दो हमलावरों (जो पिता और बेटे की जोड़ी थे) ने

अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल्बनीज ने कहा कि यह वह विचारधारा है जो एक दशक से ज्यादा समय से मौजूद है, जिसने नफरत की सोच को जन्म दिया और इसने बड़े पैमाने पर हत्या करने की मानसिकता पैदा की। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावर नवीद अकरम पहले भी दूसरों के साथ उसके संबंधों की वजह से अधिकारियों की नजर में आया था। नवीद का पिता साजिद अकरम पुलिस की गोलीबारी में मारा गया था।

रिपोर्ट में प्रधानमंत्री अल्बनीज के हवाले से कहा गया, जिन दो लोगों से वह (नवीद) जुड़ा हुआ था, उन पर आरोप लगे और वे जेल भी गए। लेकिन उस समय उसे ऐसा व्यक्ति नहीं समझा गया था कि जिस पर विशेष नजर रखने की जरूरत हो। अल्बनीज की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब लगातार इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि साजिद और नवीद अकरम इस्लामिक स्टेट से प्रभावित थे।

कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों ने एबीसी को बताया था कि इसकी संभावना है, क्योंकि हमलावरों की कार से कथित तौर पर आईएस एक का झंडा बरामद हुआ था। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लान्योन के अनुसार, इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई, इसके अलावा एक हमलावर भी मारा गया। मृतकों में एक 10 साल की बच्ची भी शामिल थी। बॉन्डी बीच गोलीबारी के पीछे शामिल दोनों हमलावरों की पहचान सोमवार सुबह (स्थानीय समय) की गई। पुलिस आयुक्त लान्योन ने बताया कि 50 वर्षीय और 24 वर्षीय दो पुरुष ही इस हमले में शामिल एकमात्र शूटर थे। नवीद अकरम को घटनास्थल से गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने यह भी बताया कि उसके पिता साजिद अकरम को हमले के दौरान पुलिस ने गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

ऑस्ट्रेलियाः बॉन्डी बीच हमले में घायलों में तीन भारतीय छात्र शामिल

सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले में घायल 40 लोगों में तीन भारतीय छात्र भी शामिल हैं। यह जानकारी मंगलवार को आई एक मीडिया रिपोर्ट में दी गई। इन तीन में से दो छात्रों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रविवार को हुए हमले में घायल भारतीय छात्रों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। बताया गया है कि गोलीबारी के दौरान भारतीय छात्रों को चोटें आईं। लेकिन उनकी हालत को लेकर अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पाकिस्तानी अदालत ने प्रतिबंधित टीएलपी के शीर्ष नेता को सुनाई 35 साल की जेल की सजा

इस्लामाबाद,16 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतिबंधित कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के एक शीर्ष नेता को अदालत ने पाकिस्तान के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश का सिर कलम करने के लिए लोगों को उकसाने के आरोप में 35 साल जेल की सजा सुनाई है। एक अदालती अधिकारी ने बताया कि आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने सोमवार को कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी टीएलपी के उप प्रमुख जहीरुल हसन शाह को जुलाई 2024 में तत्कालीन पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा के खिलाफ जनता को भड़काने के आरोप में सजा सुनाई।लाहौर के एटीसी जज अरशद जावेद ने जेल में सुनवाई के दौरान फैसला सुनाया। उन्होंने आगे बताया कि दोषी को लाहौर की कोट लखपत जेल के अधीक्षक को सौंप दिया गया। मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने कट्टरपंथी मौलवी के खिलाफ आरोपों के समर्थन में 15 गवाह पेश किए।

हांगकांग : लोकतंत्र समर्थक जिम्मी लाई दोषी करार

हांगकांग,16 दिसंबर (एजेंसियां)। स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग की प्रसिद्ध मीडिया हस्ती रहे और चीन के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन जजों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया। हालांकि लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। हांगकांग के कानून के तहत लाई को उम्रकैद की सजा हो सकती है।

जयशंकर ने यूएई के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक, आर्थिक और रक्षा सहयोग पर हुई चर्चा

अबू धाबी,16 दिसंबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और यूएई के रिश्ते तेजी से बहुआयामी रूप ले रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिन तक चले सिर बनी यास फोरम 2025 में हिस्सा लेने के बाद सोमवार को अबू धाबी पहुंचे। यहां उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवें रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा ढांचे की समीक्षा

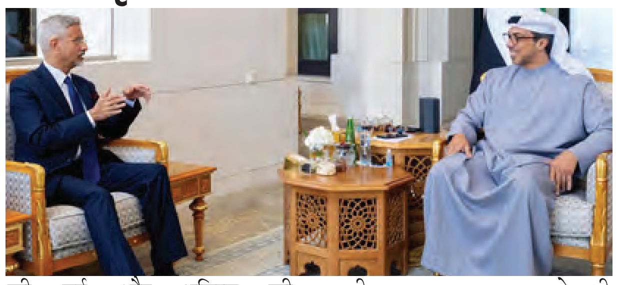

की गई और भविष्य की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी।

जयशंकर ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में आर्थिक सहयोग को गहरा करने और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसे बेहद उपयोगी बातचीत बताया और कहा कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना गया।

विदेश मंत्री जयशंकर ने मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। मुबादला अबू धाबी सरकार की प्रमुख संप्रभु निवेश कंपनी है। इस बातचीत में वैश्विक भू-आर्थिक स्थिति पर विचार साझा किए गए और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया। जयशंकर ने भारत में उभरते निवेश अवसरों की जानकारी भी दी।

भारत और यूएई के बीच हुए रणनीतिक संवाद में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने माना कि मौजूदा वैश्विक हालात में एक-दूसरे के साथ तालमेल और मजबूत करना जरूरी है। यह संवाद भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और ठोस बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

यूएई दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को इस्राइल की यात्रा पर जाएंगे। वहां वे अपने समकक्ष गिडिओन सआर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा जयशंकर की इस्राइल के राष्ट्रपति आइजक हर्ज़ोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात तय है। इस्राइल दौरे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

जयशंकर का यह दौरा भारत की सक्रिय और संतुलित विदेश नीति को दर्शाता है। यूएई जैसे अहम साझेदार के साथ रिश्तों को और मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। आर्थिक निवेश से लेकर रक्षा सहयोग और रणनीतिक संवाद तक, यह यात्रा भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ट्रंप ने बीबीसी के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा, 10 अरब डॉलर का हर्जाना मांगा

वॉशिंगटन,16 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को बीबीसी के खिलाफ 10 अरब अमेरिकी डॉलर के हर्जाने की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया। उन्होंने ब्रिटिश प्रसारक पर मानहानि करने के साथ-साथ भ्रामक और अनुचित व्यापार प्रथाओं का आरोप लगाया है। बीबीसी पर 33 पन्नों के इस मुकदमे में राष्ट्रपति ट्रंप की 'झूठी, मानहानिकारक, भ्रामक, अपमानजनक, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण तस्वीर' प्रसारित करने का आरोप लगाया गया है। इसमें इसे 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दखल देने और उसे प्रभावित करने की खुली कोशिश बताया गया है।

ट्रंप का कहना है कि बीबीसी ने छह जनवरी 2021 को दिए गए उनके भाषण के दो पूरी तरह से अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर

प्रसारित किया, ताकि उनकी कही बातों का अर्थ जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया जा सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले भी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। जिसके बाद पिछले महीने बीबीसी ने छह जनवरी के भाषण से छेड़छाड़ (एडिटिंग) को लेकर ट्रंप से माफी मांगी थी। हालांकि, सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित इस प्रसारक ने मानहानि के आरोपों को खारिज कर दिया था। बीबीसी के अध्यक्ष समीर शाह ने इसे 'निर्णय लेने में गलती' बताया था, जिसके बाद बीबीसी के शीर्ष कार्यकारी अधिकारी और समाचार प्रमुख ने इस्तीफा दे दिया था।

ट्रंप ने यह भाषण उस समय दिया था, जब उनके समर्थकों ने यूएस कैपिटल पर धावा बोला था। उस समय कांग्रेस 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को आधिकारिक रूप से मंजूरी देने वाली थी, जिसमें जो बाइडन को विजेता घोषित किया जाना था, लेकिन ट्रंप ने उस चुनाव को गलत और चोरी हुआ बताया था।

बीबीसी ने 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से कुछ दिन पहले 'ट्रंपः ए सेकेंड चांस?' शीर्षक से एक घंटे की डॉक्यूमेंट्री प्रसारित की थी। इसमें 2021 के भाषण के दो अलग-अलग हिस्सों से लिए गए तीन बयानों को जोड़कर एक ही बयान की तरह दिखाया गया, जबकि ये बयान लगभग एक घंटे के अंतर से बोले गए थे। इसमें ऐसा प्रतीत हुआ कि ट्रंप ने समर्थकों से उनके साथ मार्च करने और 'जी जान से' लड़ने का आह्वान किया था। इस एडिटिंग में वह हिस्सा हटा दिया गया था, जिसमें ट्रंप ने अपने समर्थकों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की बात कही थी। ट्रंप ने सोमवार को पहले कहा था कि वह बीबीसी पर उनके मुंह में अपने शब्द डालने के लिए मुकदमा कर रहे हैं।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बिना किसी सवाल का बयान दिया। उन्होंने कहा, उन्होंने छह जनवरी को लेकर मेरे मुंह में शब्द डाल दिए, जो मैंने कहे ही नहीं। और जो अच्छे शब्द मैंने कहे थे, वे नहीं दिखाए। मैंने देशभक्ति और अच्छी बात की थी। उन्होंने वह नहीं दिखाया, बल्कि गलत शब्द जोड़ दिए। राष्ट्रपति ने यह मुकदमा फ्लोरिडा में दायर किया गया है। ब्रिटेन की अदालतों में मामला दायर करने की समयसीमा एक साल से ज्यादा पहले खत्म हो चुकी थी। कानूनी विशेषज्ञों ने अमेरिका में इस मामले को लेकर संभावित चुनौतियों की ओर भी इशारा किया है, क्योंकि यह डॉक्यूमेंट्री वहां प्रसारित नहीं की गई थी।

भारत ने यूएन में पाकिस्तान को फटकार लगाई : इमरान खान को जेल, आसिम मुनीर को खुली छूट, राजदूत बोले- पाक आतंकवाद का सेंटर

नई दिल्ली ,16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत हरिश पर्वतनेनी ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान की अंदरूनी राजनीति में जो उथल-पुथल चल रही है, उसका सीधा रिश्ता उसके सीमा-पार आतंकवाद से है। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को जेल में डाल दिया गया, उनकी पार्टी पर रोक लगा दी गई, और 27वें संशोधन के जरिए सेना ने संविधान को अपने हिसाब से मोड़ दिया। भारत ने इसे 'संवैधानिक तख्तापलट' बताया। राजदूत ने कहा कि पाकिस्तान जिस तरह लोकतंत्र और कानून के साथ व्यवहार कर रहा है, वह उसकी गंभीर हालत को दिखाता है और उसी सोच के तहत वह लंबे समय से आतंकवाद को भी बढ़ावा देता रहा है। राजदूत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का सेंटर बताया।

इमरान को लेकर UN रिपोर्ट का हवाला दिया

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'लीडरशिप फॉर पीस' विषय पर हुई डिबेट में राजदूत पर्वतनेनी ने कहा कि इमरान खान अगस्त 2023 से भ्रष्टाचार मामले में जेल में बंद हैं। विरोध प्रदर्शनों से जुड़े मामलों में उन पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र की यातना पर विशेष रिपोर्टर एलिस जिल एडवर्ड्स की उस चिंता का भी जिक्र किया, जिसमें अदियाला जेल में इमरान खान के साथ अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया गया है।

भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब देते हुए जम्मू-कश्मीर पर उसके दावों को पूरी तरह खारिज कर दिया। राजदूत हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य हिस्से हैं, थे, हैं और हमेशा रहेंगे। पर्वतनेनी ने आगे कहा कि पाकिस्तान का जम्मू-कश्मीर का अनावश्यक जिक्र करना उसके भारत को नुकसान पहुंचाने के खतरनाक सोच को दिखाता है। राजदूत ने पाकिस्तान को आतंकवाद का सेंटर करार देते हुए कहा कि वह संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच का इस्तेमाल भारत और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाने के लिए कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान की आलोचना करते हुए कहा कि एक अस्थायी सुरक्षा परिषद

सदस्य होने के बावजूद वह लोगों को बांटने वाल एजेंडा चला रहा है, जिससे वह अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को पूरा नहीं कर सकता।

आतंकवादी हमलों के चलते सिंधु जल संधि निलंबित हुआ

वहीं, भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने के अपने फैसले का मजबूती से बचाव किया। पर्वतनेनी ने कहा कि 65 साल पहले भारत ने सद्भावना से इस संधि पर हस्ताक्षर किए थे, लेकिन पाकिस्तान ने इसका उल्लंघन करते हुए तीन युद्ध छेड़े और हजारों आतंकी हमले करवाए। पर्वतनेनी ने कहा, 'पिछले चार दशकों में आतंकवाद से हजारों भारतीयों की जान गई है। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या की।' इसी कारण भारत ने सिंधु जल संधि को तब तक निलंबित रखने का फैसला किया है, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद और हर तरह के आतंकवाद को खत्म नहीं कर देता। राजदूत ने साफ कहा कि भारत आतंकवाद का पूरी ताकत से मुकाबला करेगा।

पाकिस्तान के सबसे ताकतवर शख्स मुनीर

पाकिस्तान सरकार ने 4 दिसंबर को आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (CDF) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (COAS) नियुक्त किया था। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच साल का होगा।

नियुक्ति को राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मंजूरी दी थी। मुनीर पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो एकसाथ CDF और COAS दोनों पद संभालेंगे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नियुक्ति की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को समरी भेजी थी। मुनीर को इसी साल फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था। पाकिस्तानी संसद ने 12 नवंबर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था। इसके तहत मुनीर को CDF बनाया गया। इस पद के मिलते ही उन्हें पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल गई यानी वे देश के सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं।

इमरान खान पर 100 से ज्यादा केस चल रहे हैं और वे अगस्त 2023 से जेल में हैं। भ्रष्टाचार मामले में उन्हें 14 साल की सजा सुनाई जा चुकी है, जिसमें सरकारी गिफ्ट (तोशाखाना केस) बेचने और सरकारी सीक्रेट लीक करने जैसे आरोप शामिल हैं। इमरान पर आरोप है कि उन्होंने अल-कादिर ट्रस्ट के लिए पाकिस्तान सरकार की अरबों रुपए की जमीन को सस्ते में बेच दिया था। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पूरे मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

पाकिस्तान के नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (NAB) ने अल-कादिर ट्रस्ट केस में दिसंबर 2023 में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी और अन्य 6 व्यक्तियों पर मामला दर्ज किया था। हालांकि जब इमरान के खिलाफ ये केस दर्ज हुआ, उससे पहले से ही वे तोशाखाना केस में अडियाला जेल में बंद थे।

मैक्सिको में इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान प्लेन क्रैश : 7 की मौत

मैक्सिको,16 दिसंबर (एजेंसियां)। मेक्सिको में मंगलवार को इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान एक प्राइवेट जेट दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई और 3 लापता हैं। हादसे का शिकार हुआ प्राइवेट प्लेन सोमवार को अकापुल्को से तोलुका एयरपोर्ट जा रहा था। इसी दौरान प्लेन में तकनीकी खराबी आ गई और इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान सैन मातेओ एटेंको इलाके में एक फैक्ट्री से टकरा गया।

फैक्ट्री की मेटल छत से टकराया

विमान ने एक फुटबॉल ग्राउंड पर लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन पास की एक फैक्ट्री की मेटल छत से टकरा गया, जिससे आग लग गई। आग बुझाने के लिए इलाके के करीब 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

शुरुआती रिपोर्ट्स में इंजन में खराबी होने की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्लेन में 8 पैसेंजर्स और 2 क्रू मेंबर सवार थे। अब तक 7 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अन्य तीन की तलाश जारी है।

मेक्सिको के सिविल प्रोटेक्शन कोऑर्डिनेटर एड्रियन हर्नांडेज ने दुर्घटना के बारे में जानकारी दी। हादसा मेक्सिको सिटी से लगभग 50 किलोमीटर पश्चिम में स्थित सैन माटेओ एटेंको में हुआ, जो एक इंडस्ट्रियल एरिया है। विमान ने मेक्सिको के प्रशांत तट पर स्थित अकापुल्को से उड़ान भरी थी।

'वोट चोरी' रैली पर सतीश पूनिया का तीखा प्रहार

बोले– कांग्रेस मूल मुद्दों से भटकी

जोधपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया जोधपुर दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कांग्रेस द्वारा दिल्ली में आयोजित "वोट चोरी" रैली पर कड़ी प्रतिक्रिया दी और इसे विपक्ष की हताशा का परिणाम बताया।

कांग्रेस पर बेबुनियाद आरोपों का आरोप

सतीश पूनिया ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी विपक्ष के मूल मुद्दों से भटक चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बिना तथ्यों के संवैधानिक संस्थाओं, विशेषकर चुनाव आयोग, पर सवाल खड़े कर रही है और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बदनाम करने का प्रयास कर रही है।

पूनिया ने कहा कि एसआईआर यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उन्होंने कहा कि देश में लंबे समय से वोटों की डुप्लीकेसी और अवैध घुसपैठ की समस्या रही है, जिसे दूर करने के लिए चुनाव आयोग की यह पहल सराहनीय है।

उन्होंने बताया कि बिहार में करीब 60 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, इसके बावजूद वहां शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव हुए। चुनाव परिणामों ने यह साबित कर दिया कि वोट चोरी के आरोप पूरी तरह झूठे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ने कांग्रेस को नकार दिया और पार्टी सिर्फ छह सीटों तक सिमट गई, जबकि इंडी गठबंधन भी विपक्ष का दर्जा हासिल नहीं कर सका।

हरियाणा और बिहार को लेकर कांग्रेस के दावे खारिज

हरियाणा और बिहार चुनावों को लेकर कांग्रेस के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पूनिया ने कहा कि न तो हरियाणा में और न ही बिहार में चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हुई। लोकतंत्र में चुनाव सबसे बड़ा निर्णय होते हैं और जनता ने कांग्रेस को उसका जवाब दे दिया है।

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर बोलते हुए पूनिया ने कहा कि आज देश में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और निर्भीक चुनाव हो रहे हैं, जो आयोग की कार्यकुशलता का प्रमाण हैं। उन्होंने ईसीआई के चयन पर सवाल उठाने को भी अनुचित बताया।

राजस्थान सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर पूनिया ने कहा कि भजनलाल सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इन दो वर्षों में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ, जबकि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 17 पेपर लीक हुए थे। उन्होंने ईआरसीपी, यमुना जल समझौते और भर्ती प्रणाली को सरकार की प्रमुख उपलब्धियां बताया।

राजेंद्र राठौड़ का बीएपी पर हमला

पार्टी की नक्सलियों से की तुलना; भजनलाल सरकार को लेकर क्या बोल गए?

उदयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर दौरे पर आए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने भारतीय आदिवासी पार्टी को लेकर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने बीएपी पार्टी की गतिविधियों की तुलना नक्सलियों से करते हुए कहा कि जिस प्रकार उनके नेता आंदोलन करते हैं, वह युवाओं को गुमराह कर अराजकता की ओर धकेलने जैसा है।

अराजकता और अलगाव की राजनीति का आरोप

उदयपुर स्थित बीजीपी कार्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए राठौड़ ने कहा कि BAP पार्टी के नेता अराजकता फैलाने का प्रयास कर रहे हैं और नक्सलवाद की तर्ज पर युवाओं को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने हाल में उठी अलग भील प्रदेश की मांग का उल्लेख करते हुए कहा कि देश को तोड़ने की सोच रखने वालों को देश की जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी।

बीएपी सांसद के बयानों पर उठाए सवाल

राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बीएपी सांसद राजकुमार रोत के बयानों पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि जो लोग सवाल पूछने के बदले पैसे लेने की बात करते हैं, उनकी सच्चाई अब सामने आ चुकी है। उनके अनुसार BAP का राजनीतिक विस्तार जितना होना था, वह हो चुका है और आने वाले पंचायती राज व निकाय चुनाव इस बात की परीक्षा साबित होंगे।

बीजेपी को बताया कार्यकर्ताओं की पार्टी

राठौड़ ने भारतीय जनता पार्टी को कार्यकर्ताओं पर आधारित पार्टी बताते हुए कहा कि संगठन में हर कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने वसुंधरा राजे के कार्यकाल को स्वर्णिम काल बताया और कहा कि मौजूदा भजनलाल सरकार ने मात्र दो वर्षों में ही राजस्थान की तकदीर और तस्वीर बदल दी है।

कांग्रेस पर भी साधा निशाना

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि लोकतंत्र में विधानसभा सबसे बड़ा मंच है। आगामी विधानसभा सत्र में बीजेपी कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल की तुलना में अपने दो वर्षों के काम को आंकड़ों के साथ जनता के सामने रखने में सक्षम है।

इस दौरान उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, शहर जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह सहित कई भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

पूर्व सरपंच का भतीजा चला रहा था 100 करोड़ की ड्रग्स फैक्ट्री

महाराष्ट्र पुलिस की रेड के बाद मचा हड़कंप

झुंझुनू, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। झुंझुनूं जिले के नांद का बास गांव में खेतों के बीच बने एक मुर्गी फार्म में करीब 15 दिन से मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स फैक्ट्री चल रही थी। महाराष्ट्र पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल और झुंझुनूं पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में इस अवैध फैक्ट्री का पर्दाफाश हुआ है।

पुलिस जांच में सामने आया कि एमडी ड्रग्स निर्माण के दौरान तेज बदबू आती है। लोगों को भनक न लगे, इसके लिए सुनसान इलाके में बने मुर्गी फार्म को चुना। ये फार्म पिछले सात-आठ साल से संचालित हो रहा था और आरोपी अनिल सिहाग के चाचा सुरेश सिहाग का है। सुरेश सिहाग की पत्नी चुड़ैला ग्राम पंचायत की सरपंच रह चुकी हैं। पहले नांद का बास चुड़ैला ग्राम पंचायत में ही आता था। लेकिन हाल ही में परिसीमन के बाद नांद को अलग ग्राम पंचायत बना दिया गया।

गिरफ्तार आरोपी अनिल कुमार सिहाग 12वीं पास है। पुलिस के अनुसार वह पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त रह चुका है। वर्ष 2016-17 में वह अपने चाचा के मुर्गी फार्म पर काम करता था, जहां उसकी पहचान सुभाष से हुई। इसके बाद वह नीमच से डोडा पोस्त लाकर आस-पास के इलाकों में सप्लाई करने लगा। एक मामले में उसे जेल भी जाना पड़ा था।

पूछताछ में अनिल ने बताया कि उसका परिचित बिज्जू उर्फ जग्गा निवासी नेतड़वास, सीकर ने एमडी ड्रग्स बनाने के लिए सुनसान जगह की जरूरत बताई। बदबू और खतरे का हवाला देते हुए मोटी रकम का लालच दिया गया। दिवाली के आस-पास और फिर 20 नवंबर को तीन दिन के लिए मुर्गी फार्म में जगह देने पर सहमति बनी। 26 नवंबर को बिज्जू हरियाणा नंबर की कार से केमिकल और उपकरण लेकर पहुंचा और यहां पर फैक्ट्री स्थापित कर दी। वह जल्दी धनवान बनना चाहता था।

13 दिसंबर को अनिल को फोन आया कि माल नहीं दिया तो पार्टी लौट जाएगी। इसके बाद वह एक किलो एमडी ड्रग्स लेकर सीकर पहुंचा, जहां पहले से तैयार महाराष्ट्र पुलिस ने उसे पकड़ लिया। अनिल की निशानदेही पर पुलिस ने बिज्जू को सीकर बुलाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस को देखकर वह कार भगाकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार 4 अक्टूबर को महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एमडी ड्रग्स की बरामदगी और छह आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद खुफिया जांच शुरू हुई थी। पूछताछ में झुंझुनूं कनेक्शन सामने आने पर यहां दबिश दी गई। एमबीवीवी पुलिस कमिश्नर निकेत कौशिक ने बताया कि झुंझुनूं में पकड़ी गई फैक्ट्री ठाणे से शुरू हुई जांच का अहम हिस्सा है। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है।

ट्रांसपोर्ट व्यापारी का फिल्मी अंदाज में अपहरण, पलक झपकते बदमाश फरार

कोटपूतली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। कोटपूतली शहर में सनसनी फैल गई, जब कार सवार करीब दस अज्ञात बदमाशों ने एक ट्रांसपोर्ट व्यापारी का अपहरण कर लिया। बदमाशों ने पहले व्यापारी के कार्यालय में घुसकर जमकर तोड़फोड़ की और फिर उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए। पूरी वारदात कार्यालय में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ता नजर आ रहा है।

यह घटना रात करीब 9 बजे डेंटल कॉलेज के पास स्थित खेमजी मोटर्स कार्यालय की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक कई युवक कारों से उतरे और कार्यालय में घुसते ही उत्पात मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद व्यापारी को घसीटते हुए बाहर ले गए और कुछ ही मिनटों में मौके से फरार हो गए।

पीड़ित को सुरक्षित बरामद कर कोटपूतली थाने पहुंचाया

सूचना मिलते ही कोटपूतली पुलिस सक्रिय हुई और पूरे जिले में नाकाबंदी कराई गई। तकनीकी सहायता के जरिए बदमाशों की तलाश शुरू की गई। पुलिस की सख्त घेराबंदी के चलते आरोपी व्यापारी को मोरदा के पास सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित को सुरक्षित बरामद कर कोटपूतली थाने पहुंचाया।

अपहृत व्यापारी की पहचान भीम सिंह शेखावत के रूप में हुई है। वह दारापुर गांव, राजनोता क्षेत्र के निवासी हैं और कोटपूतली में खेमजी मोटर्स के नाम से ट्रांसपोर्ट व्यवसाय करते हैं।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पहचान की जा रही

पुलिस के हाथ लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच में मामला आपसी रुपये के लेनदेन से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है। घटना के बाद व्यापारियों में दहशत का माहौल है। वहीं, पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

500 रुपये के जाली नोट, पुलिस की गिरफ्त में तीन आरोपी

नागौर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नागौर जिले में पुलिस ने जाली भारतीय मुद्रा चलाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस थाना कोतवाली नागौर की टीम ने जयपुर पुलिस के इनपुट और मुखबिर की सूचना के आधार पर 15 दिसंबर 2025 को वीर तेजा कॉलोनी नागौर में दबिश देकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपियों की तलाशी ली गई, जिसमें 500 रुपये के 173 जाली नोट बरामद हुए। बरामद नकली नोटों की कुल कीमत 86,500 रुपये आंकी गई है।

पुलिस ने सभी नोटों को जब्त कर लिया है और मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

हनुमानगढ़ में इथेनोल फैक्टरी आंदोलन की आग तेज

जिला मुख्यालय पर दो दिन की नेटबंदी लागू

हनुमानगढ़, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। टिब्बी के राठीखेड़ा में इथोनोल फैक्टरी को स्थाई रूप से बंद करने की मांग को लेकर किसान इस बार आरपार की लड़ाई लडने के मूड में हैं। बुधवार को कलक्ट्रेट घेरने की चेतावनी के बाद से जिला प्रशासन भी एहतियात के तौर पर भीड़ नियंत्रण के प्रयास में जुटा हुआ है। जिला प्रशासन ने आंदोलन को देखते हुए मंगलवार और बुधवार को हनुमानगढ़ जिला मुख्यालय पर इंटरनेट सेवा बंद कर दी। आंदोलन के आगामी परिणाम आने तक नेटबंदी को लेकर किसी तरह का निर्णय लिया जाएगा। सुरक्षा को लेकर बाहरी जिलों से भी पुलिस जाब्ता मंगवाने की बात अधिकारी कह रहे हैं। इस बीच संयुक्त किसान, भारतीय किसान सभा तथा सीटू आदि संगठनों के कार्यकर्ता बुधवार को प्रस्तावित आंदोलन की तैयारियों में जुटे रहे। कई जगह गांवों में किसानों की नुक्कड़ सभाएं हुईं। इसमें अधिकाधिक किसानों से आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया गया। किसान संगठनों का दावा है कि बुधवार को प्रस्तावित घेराव में 20 हजार किसान शामिल होंगे। किसान नेता मंगेज चौधरी ने मंगलवार को मीडिया को बताया कि सरकार निजी कंपनी को फायदा देने के लिए ग्रामीणों की जान से खिलवाड़ करना चाहती है। जो कंपनी फैक्टरी का निर्माण करवा रही है, उत्पादन शुरू होने पर लाखों लीटर जमीन से पानी निकालेगी।

बाद में प्रदूषित पानी को वापस जमीन में डालेगी। इससे मिट्टी व वायु प्रदूषण दोनों फैलेगा। आसपास की भूमि खेती योग्य भी नहीं रहेगी। इससे फसल व नस्ल दोनों बर्बाद हो जाएगी। फैक्टरी बंद करने का स्थाई आदेश जारी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। किसान संगठनों का कहना है कि बुधवार को हम जंक्शन मंडी में पहले सभा करेंगे। हमारी मांगों को लेकर सहमति नहीं बनी तो आंदोलन तेज करेंगे।

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कमजोर होते ही छाया घना कोहरा, कई जिलों में जनजीवन प्रभावित

जयपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस का असर खत्म होने के बाद आसमान साफ हुआ और प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छा रहा। राज्य के 6 से अधिक जिलों में सुबह के समय घना कोहरा रहा, जिससे सड़क और रेल यातायात प्रभावित हुआ। हल्की सर्द हवाओं के चलते न्यूनतम तापमान में भी 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई। पिछले 24 घंटों में जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर और करौली के इलाकों में कोहरा छाया रहा। विजिबिलिटी कम होने के कारण वाहनों की रफ्तार धीमी रही और कुछ जगहों पर यातायात बाधित हुआ। सीमावर्ती जैसलमेर में घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर करीब 10 मीटर तक रह गई।

सीकर जिले का फतेहपुर प्रदेश में सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। नागौर में 5.9, लूणकरणसर में 6, दौसा में 6.5, बारां में 7.8, सिरोही में 8.1, श्रीगंगानगर में 9.3 और चूरू में 8.6 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। कोहरे के कारण जयपुर से श्रीगंगानगर जा रही एक बस रास्ता भटक गई, जिसे कुछ किलोमीटर आगे जाकर ड्राइवर ने संभाला। वहीं, श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ क्षेत्र में घने कोहरे के चलते ट्रेनों की गति भी धीमी रही। इस इलाके में पिछले दो दिनों से कोहरे का असर बना हुआ है।

दिन के तापमान की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में दर्ज किया गया। जोधपुर में 29.8, जालौर में 29.5, नागौर में 28.8 और दौसा में 28.1 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में आज भी कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर और पाकिस्तान सीमा से सटे इलाकों में घना कोहरा छाने की संभावना है।

एटीएम पर सनसनीखेज लूट, गैस कटर से काटकर 20 लाख से अधिक ले उड़े बदमाश

नागौर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। डीडवाना-कुचामन जिले के तोषीणा गांव में कुचामन–खाटू बाइपास पर स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के एटीएम पर अज्ञात बदमाशों ने बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। बीती रात अलसुबह करीब 3:55 बजे शुरू हुई इस घटना में बदमाशों ने महज 10 मिनट में गैस कटर से एटीएम मशीन को साइड से काटकर 20 लाख 46 हजार 500 रुपये से अधिक की नकदी लूट ली और फरार हो गए।

पुलिस जांच में सामने आया है कि लूट पूरी तरह सुनियोजित थी। बदमाशों ने वारदात से पहले एटीएम बूथ में लगे सीसीटीवी कैमरों पर ऑयल स्प्रे छिड़ककर उन्हें निष्क्रिय कर दिया, ताकि पहचान न हो सके। अनुमान है कि इस गिरोह में 3 से 4 बदमाश शामिल थे, जो पूरी तैयारी के साथ मौके पर पहुंचे थे।

सूचना मिलते ही खुनखूना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर एटीएम स्थल को सील कर दिया। साथ ही फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से साक्ष्य जुटाए।

आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज

पुलिस को अहम सुराग टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज से मिले हैं। फुटेज में करीब 4:17 बजे दिल्ली नंबर की एक कार टोल प्लाजा पार करते हुए दिखाई दे रही है। इसी वाहन के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है। अलग-अलग टीमें गठित कर आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

आपराधिक घटनाओं से ग्रामीणों में भारी रोष

यह वारदात क्षेत्र में दूसरी बड़ी घटना बताई जा रही है। इसी एटीएम पर अप्रैल माह में भी लूट की वारदात हो चुकी है, लेकिन उस मामले के आरोपी अब तक फरार हैं। लगातार हो रही आपराधिक घटनाओं से ग्रामीणों में भारी रोष है। स्थानीय लोग लंबे समय से क्षेत्र में स्थायी पुलिस चौकी की मांग कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन द्वारा इस पर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

चार बजे गैस कटर से लूट की वारदात को अंजाम दिया गया

एडिशनल एसपी हिमांशु शर्मा ने बताया कि मुंबई हेडक्वार्टर से एटीएम में असामान्य गतिविधि की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। उन्होंने बताया कि करीब चार बजे गैस कटर से लूट की वारदात को अंजाम दिया गया। पूर्व में हुई घटना को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जाएंगे। पुलिस हर संभव प्रयास कर रही है कि जल्द से जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए।

इस घटना ने बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में बढ़ती अपराध की घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है।

रणथंभौर में बालक की मौत के बाद खूंखार पैंथर पिंजरे में कैद, दूसरे इलाके में छोड़ा गया

सवाई माधोपुर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर के रणथंभौर क्षेत्र में 8 वर्षीय बालक की मौत का कारण बने पैंथर को आखिरकार वन विभाग ने पिंजरे में कैद कर लिया है। पैंथर के पकड़े जाने के बाद आंटीला बालाजी क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में फैली दहशत में कमी आई है और लोगों ने राहत की सांस ली है।

बालक पर हमले से मचा था हड़कंप

गौरतलब है कि विगत गुरुवार को रणथंभौर के रामद्वारा इलाके में आंटीला बालाजी के दर्शन कर अपने पिता के साथ लौट रहे 8 वर्षीय बालक विक्रम पर पैंथर ने हमला कर दिया था। इस हमले में मासूम विक्रम की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी।

बंजारा बस्ती और आसपास के इलाकों में भय का माहौल

बालक की मौत के बाद आंटीला बालाजी क्षेत्र की बंजारा बस्ती सहित आसपास के इलाकों में पैंथर के मूवमेंट को लेकर लोगों में भय बना हुआ था। ग्रामीण अपने घरों से निकलने में भी असुरक्षित महसूस कर रहे थे और लगातार पैंथर देखे जाने की आशंकाएं जताई जा रही थीं।

घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने पैंथर को पकड़ने के लिए आंटीला बालाजी वन क्षेत्र में पिंजरा लगाया। लगातार निगरानी के बाद आखिरकार बीती रात पैंथर पिंजरे में कैद हो गया। क्षेत्रीय रेंजर अश्वनी प्रताप सिंह ने बताया कि पैंथर को सुरक्षित रूप से पकड़ लिया गया है और वनाधिकारियों के निर्देश पर उसे रणथंभौर के अन्य इलाके के घने जंगलों में छोड़ दिया गया है, ताकि मानव बस्तियों में भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

वहीं, पैंथर के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के लोगों ने राहत महसूस की। लंबे समय से भय और तनाव में जी रहे ग्रामीणों को अब सामान्य स्थिति लौटने की उम्मीद जगी है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

स्टेट जीएसटी टैक्स असिस्टेंट 50 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बीकानेर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। बीकानेर शहर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने एक और कार्रवाई करते हुए स्टेट जीएसटी विभाग के टैक्स असिस्टेंट को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पर करदाताओं को अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एसीबी के अनुसार स्टेट जीएसटी विभाग में कार्यरत टैक्स असिस्टेंट पुरुषोत्तम जोशी ने बालाजी फर्म पर बकाया लगभग 9 लाख रुपये के टैक्स में छूट दिलाने का लालच देकर 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इस संबंध में एसीबी को शिकायत प्राप्त हुई थी। शिकायत मिलने पर एसीबी ने मामले का गोपनीय तरीके से सत्यापन कराया। जांच के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर एसीबी ने कार्रवाई का निर्णय लिया और ट्रैप की योजना बनाई।

नीमकाथाना रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की मिली धमकी

आरोपी की लोकेशन मिलते ही जांच में जुटी पुलिस

सीकर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में लगातार हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी के बाद अब सीकर जिले के नीमकाथाना रेलवे स्टेशन को बम से उड़ने की धमकी मिली। यह धमकी मिलने के बाद पुलिस और प्रशासन एक्टिव हुआ। पूरी रात पुलिस और प्रशासन के लोग दौड़ते रहे। हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि आखिर धमकी दी किसने..

सीकर जिला कंट्रोल रूम के पास एक कॉल आया। जिसमें नीमकाथाना रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह सूचना नीम का थाना प्रशासन को मिलने के बाद एडीएम भागीरथ, एडिशनल एसपी लोकेश मीणा सहित पुलिस और प्रशासन के कई अधिकारी रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां पर उन्होंने सर्च ऑपरेशन चलाया लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

रात भर यह सर्च ऑपरेशन चलाया गया। वहीं जिस नंबर से कंट्रोल रूम में धमकी मिली थी पुलिस ने उस नंबर पर कॉल किया लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं किया। पुलिस को नंबर की लोकेशन सीकर के आसपास ही मिली। हालांकि, अब पुलिस इस मामले में आरोपी की तलाश कर रही है। इस मामले में प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि रेलवे स्टेशन और सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी तरह की संदिग्ध वस्तु को हाथ नहीं लगाए।

प्रत्येक पुलिस बैंड के पीछे टीमवर्क, अनुशासन और समर्पण : डीजीपी

26वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस ने आज दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) द्वारा आयोजित 26वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। यह प्रतियोगिता 16 से 20 दिसंबर 2025 तक आरपीएफ प्रशिक्षण केंद्र, मौला-अली में आयोजित की जा रही है।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने अखिल भारतीय पुलिस खेल नियंत्रण बोर्ड का ध्वज फहराकर प्रतियोगिता को औपचारिक रूप से प्रारंभ किया। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक सत्य प्रकाश, आईजी-कम-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (पीसीएससी) अरोमा सिंह ठाकुर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में पीसीएससी, एससीआर की ओर से डीजीपी को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। अपने संबोधन में डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी ने देशभर से आई पुलिस बैंड टीमों का स्वागत करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता केवल संगीत प्रतिभा का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि भारतीय पुलिस बलों की एकता, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक भी है। उन्होंने 26वीं अखिल भारतीय पुलिस बैंड प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण मध्य रेलवे के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आरपीएफ देश की एक महत्वपूर्ण सुरक्षा शक्ति है, जो विश्व के चौथे सबसे बड़े रेल नेटवर्क में यात्रियों और रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा का दायित्व निभा रही है। डीजीपी ने कहा कि प्रत्येक पुलिस बैंड के पीछे टीमवर्क, अनुशासन और समर्पण होता है, जो पुलिस बल की मूल विशेषताओं को दर्शाता है।

यह प्रतियोगिता प्रतिभागियों और दर्शकों दोनों के लिए यादगार अनुभव बनेगी तथा विभिन्न बलों के बीच आपसी समझ, सहयोग, संवाद और विश्वास को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, सर्वश्रेष्ठ टीम विजयी हो, लेकिन सभी टीमें दिल जीतें। समारोह को संबोधित करते हुए आईजी-कम-पीसीएससी, एससीआर अरोमा सिंह ठाकुर ने सभी प्रतिभागी दलों, गणमान्य अतिथियों और संगीत प्रेमियों का स्वागत किया। उन्होंने प्रतिभागियों से खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान करते हुए कहा कि बैंड केवल पदक जीतने के लिए नहीं, बल्कि दिल जीतने और राष्ट्र की आत्मा को स्वर देने के लिए प्रस्तुति दें। उन्होंने कहा कि हर सुर अनुशासन को नमन, बल को श्रद्धांजलि और भारत की एकता में विविधता का उत्सव बने। इस भव्य आयोजन में देश के 24 राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केंद्रीय पुलिस संगठनों से लगभग 1300 बैंड कलाकार भाग ले रहे हैं। प्रतियोगिता में ब्रास बैंड, पाइप बैंड और बगुल डिस्प्ले जैसी विभिन्न श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें पारंपरिक और समकालीन रचनाओं के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और देशभक्ति की भावना का प्रदर्शन किया जाएगा।

ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी में दो गिरफ्तार

23.48 लाख रुपये की ठगी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने मुंबई से धर्मेश जसवन्तभाई बारोट उर्फ लाली (35) और मोहम्मद शाहिद हनीफ अंसारी (38) को ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी में गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि उन्होंने एक महिला से 23.48 लाख रुपये की ठगी की। पुलिस के अनुसार, पीड़िता को एक व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से फंसाया गया, जिसे स्टॉक ट्रेडिंग फोरम के रूप में पेश किया गया। उसके बाद फर्जी ट्रेडिंग एप के जरिए नकली 'ब्लॉक डील' में निवेश करने के लिए प्रेरित किया गया। शुरूआत में विश्वास बनाने के लिए आरोपी छोटी-छोटी निकासी की अनुमति देते रहे और बाद में झूठे निपटान दावे के तहत पूरी राशि फ्रीज कर दी। जालसाजों ने फर्जी ट्रेडिंग डैशबोर्ड का इस्तेमाल कर चोरी की गई धनराशि को कई बैंक खातों के माध्यम से ट्रांसफर किया। पुलिस ने वित्तीय साइबर धोखाधड़ी के पीड़ितों से तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने का अनुरोध किया है।

हैदराबाद में आईआईएम की स्थापना की मांग

केंद्रीय मंत्रियों से मिले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर हैदराबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) की स्थापना को मंजूरी देने का आग्रह किया। इसके साथ ही उन्होंने राज्य में नए केंद्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना की भी मांग की। संसद परिसर में हुई बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद आईटी, लाइफ साइंसेज, एयरोस्पेस, रक्षा, लॉजिस्टिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऐसे में ऐतिहासिक हैदराबाद शहर में आईआईएम की स्थापना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने बताया कि देश में 19 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में 21 आईआईएम स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि तेलंगाना इससे वंचित है। उन्होंने कहा कि आईआईएम के लिए 200 एकड़ भूमि हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में चिन्हित कर ली गई है और ट्रांजिट कैंपस भी तैयार है, जिससे कक्षाएं तुरंत शुरू की जा सकती हैं। राज्य सरकार सभी आवश्यक अनुमतियां और सुविधाएं प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हैदराबाद देश के सभी हिस्सों से वायु, सड़क और रेल मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा है तथा यहां का शैक्षणिक और सामाजिक वातावरण उत्कृष्ट है।

आईआईएम की स्थापना से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के छात्रों को बेहतर अवसर मिलेंगे।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने राज्य में जिलों की संख्या बढ़ने के मद्देनजर 9 नए केंद्रीय विद्यालय और 16 जवाहर नवोदय विद्यालय स्वीकृत करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी।

राज्य सरकार भूमि और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को तैयार है। बैठक में तेलंगाना के सांसद डॉ. मल्लू रवि, चमाला किरण कुमार रेड्डी, मंडाडी अनिल कुमार तथा दिल्ली में राज्य सरकार के विशेष प्रतिनिधि ए.पी. जितेंद्र रेड्डी उपस्थित थे।

जनसमस्याओं पर आंदोलन छेड़ेगी भाजपा

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने आज घोषणा की कि भाजपा जनसमस्याओं को लेकर व्यापक आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के चुनाव जब भी होंगे, भाजपा महापौर पद पर जीत हासिल करेगी। प्रदेश कार्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि जनता की निगाहें भाजपा पर टिकी हैं और हाल के स्थानीय निकाय चुनावों में लोगों ने पार्टी का समर्थन किया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से स्थानीय मुद्दों पर संघर्ष तेज कर जनता का ध्यान आकर्षित करने का आग्रह किया। राव ने कहा कि हैदराबाद शहर में बुनियादी ढांचे की स्थिति बेहद खराब है। कई इलाकों में अब भी समुचित विकास नहीं हुआ है। संकरी सड़कों, पेयजल की कमी और अव्यवस्थित नालों की समस्या आम है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हल्की बारिश में ही जीएचएमसी क्षेत्र के कई वार्डों और नगरपालिकाओं में कॉलोनियां जलमग्न हो जाती हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस सरकार द्वारा की गई परिसीमन प्रक्रिया पर भी आपत्ति जताई और कहा कि इससे जीएचएमसी में नए रूप से शामिल किए गए क्षेत्रों के लोगों पर करों का बोझ बढ़ेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार का यह निर्णय तर्कहीन और अवैज्ञानिक है, जिसका लाभ जनता को नहीं, बल्कि केवल राजनीतिक स्वार्थों और सहयोगी दल एमआईएम को खुश करने के लिए लिया गया है। कांग्रेस सरकार के जनविरोधी फैसलों के खिलाफ आंदोलन की आवश्यकता पर बल देते हुए राव ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों की जनता के साथ समन्वय बनाकर संघर्ष किया जाएगा। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से राजनीतिक व भौगोलिक परिवर्तनों पर सतर्क रहने और सामूहिक आंदोलन के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

पंचायत परिणाम कांग्रेस के पक्ष में भारी लहर दिखाते हैं : भट्टी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राज्यभर में चल रहे स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस पार्टी लगभग 85 प्रतिशत सीटें जीतकर एक बड़ी लहर पैदा करने जा रही है। उन्होंने कहा कि इंदिरम्मा जन सरकार के तहत लागू किए गए कल्याण और विकास कार्यक्रमों को लेकर राज्य की जनता पूरे दिल से आशीर्वाद दे रही है और बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं को चुन रही है। भट्टी विक्रमार्क मंगलवार को मधिरा विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय में नवनिर्वाचित सरपंचों के सम्मान समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं ने बड़ी संख्या में सीटें जीतकर जीत का बिगुल बजाया है और इतिहास रचा है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि पंचायत चुनाव शांतिपूर्ण और अत्यंत लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हो रहे हैं तथा परिणाम अत्यंत उत्साहजनक रूप में सामने आए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि चाहे कोई भी सरपंच चुना गया हो, सरकार सभी के साथ न्याय करेगी और विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों के समान विकास को सुनिश्चित करेगी।

उन्होंने कहा कि इस जीत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत और संघर्ष वास्तव में सराहनीय है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना देश में सर्वाधिक प्रति व्यक्ति आय हासिल करने वाला राज्य बन चुका है और गुजरात जैसे विकसित राज्य भी तेलंगाना से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विज़न डॉक्यूमेंट-2047 में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि नदियों पर कहां बांध बनाए जाने हैं, कहां सड़कें बिछाई जानी हैं, कहां बुलेट ट्रेनें चलनी हैं और कहां उद्योग, शैक्षणिक संस्थान, फार्मा तथा आईटी पार्क स्थापित किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि राज्य वर्ष 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने की दिशा में अग्रसर है और इस लक्ष्य के तहत 1.39 लाख मेगावाट बिजली उपलब्ध कराने की योजनाएं तैयार की गई हैं, जिनका विस्तृत विवरण विज़न डॉक्यूमेंट में दिया गया है। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि विज़न डॉक्यूमेंट जारी होने के कुछ ही घंटों के भीतर राज्य में 5.75 लाख करोड़ के निवेश आए और भविष्य में भी तेलंगाना में बड़े पैमाने पर निवेश आते रहेंगे।

नाबालिग के उत्पीड़न के आरोपी को 20 साल की सजा

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक विशेष अदालत ने मोहम्मद यासीन को 2018 में बोलारम में एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप में 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। बोलारम पुलिस ने विस्तृत जांच के बाद वैज्ञानिक, चिकित्सा और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर मजबूत आरोप पत्र दायर किया था। अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 11,000 रुपये का जुर्माना लगाया और पीड़ित को 2 लाख रुपये मुआवजे के रूप में देने का आदेश दिया।

महिला विश्वविद्यालय छात्राओं का मेस प्रभारी के खिलाफ विरोध

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वीरनारी चकाली एलम्मा महिला विश्वविद्यालय में छात्रावास की मेस प्रभारी पर उत्पीड़न के आरोप लगने के बाद बड़ी संख्या में महिला स्नातकोत्तर छात्राओं ने मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। छात्राएं कुलपति के कक्ष के सामने इकट्ठा हुईं और आरोपों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि मेस प्रभारी एम. विनोद के व्यवहार के कारण छात्रावास में डर और असुरक्षा का माहौल बन गया है और कई छात्रों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा।

छात्राओं ने अपने साथ हुई घटनाओं को साबित करने के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग भी साझा की। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय के प्रधानाध्यापक लोक पावनी ने मेस प्रभारी विनोद को उनके पद से निलंबित कर दिया है।

आईजी धाम में धर्मगुरु का 'बधावा' अनुष्ठान सम्पन्न

संगारेड्डी, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित श्री आईमाताजी मंदिर (बडेर) में सीरवी समाज धर्मगुरु दीवान माधवसिंह और श्री आईमाताजी का दिव्य रथ का बधावा एवं ऐतिहासिक शोभा यात्रा निकाली गई।

जारी विज्ञप्ति में अध्यक्ष रुगाराम परिहारिया और सचिव घीसाराम काग ने आयोजन का विवरण प्रस्तुत किया। सायंकाल 5 बजे माताजी की तेजस्वी अखंड ज्योत के साथ शोभा यात्रा का शुभारम्भ हुआ। समाज कमेटी सदस्यों और परिवारों ने बधावा अनुष्ठान पूर्ण किया। इस अवसर पर धर्मगुरु दीवान माधवसिंहजी को 21 किलोग्राम की पुष्पमाला समर्पित की। दीपाराम काग (गुड़ियां) ने समाज की ओर से अभिनंदन किया। रात्रि में 'एक शाम माताजी के नाम' का जागरण आयोजित हुआ, जहां ओमजी कुमावत एंड पार्टी ने गणेश वंदना के उपरांत माताजी के भजनों को प्रस्तुत किया। समस्त गणमान्य अतिथियों का बडेरों के अध्यक्षों, सचिवों और प्रतिनिधियों को परंपरागत साफा एवं दुपट्टा सम्मान कर सम्मानित किया। धर्मगुरु दीवान श्री माधवसिंहजी ने समाज बंधुओं को कल्याणकारी शुभकामनाएं देते हुए मातृ-पितृ सेवा और आशीर्वाद की असाधारण महत्ता को रेखांकित किया। उन्होंने समाज में सुदृढ़ संगठनात्मकता और भाईचारे के समन्वय को बनाए रखने पर बल दिया। साथ ही बालकों में उत्कृष्ट शिक्षा और उच्च संस्कारों के संवर्धन का आह्वान किया।

पंडित नरेंद्र मिश्र के निधन पर 'साँझ के साथी' ने जताया शोक

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मेवाड़ राजवंश के राजकवि पंडित नरेंद्र मिश्र का उनके गृह नगर चित्तौड़गढ़ में निधन हो गया। उन्होंने 10वीं कक्षा में शिक्षा प्राप्त करते हुए ही ऐतिहासिक कविता 'गोरा बादल' की रचना की थी। मेवाड़ के तत्कालीन महाराणा भगवत सिंह ने 1976 में उनकी कविता सुनकर उन्हें 'मेवाड़ राजकवि' की उपाधि प्रदान की थी। पंडित नरेंद्र मिश्र ने लाल किले पर आयोजित होने वाले कवि सम्मलेनो मे 18 बार मेवाड़ का प्रतिनिधित्व किया। हैदराबाद की प्रमुख साहित्यिक संस्था 'साँझ के साथी' से उनका जुड़ाव 40 वर्षों से भी अधिक का रहा है, उन्होंने हैदराबाद में समय-समय पर आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लिया। साँझ के साथी के वरिष्ठ सदस्य डॉ. मोहन गुप्ता ने उनके सम्मान में नगर में एक कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया।

साँझ के साथी के अध्यक्ष अजित गुप्ता, उपाध्यक्ष बिशनलाल संघी, सचिव नन्दगोपाल भट्टड़, ज्योतिनारायण, कैलाश भट्टड़, वेणुगोपाल भट्टड़, नरेन्द्र राय, डॉ. अहिल्या मिश्रा, डॉ. ऋषभदेव शर्मा, रवि श्रीवास्तव, पं. रामकृष्ण पाण्डेय, भँवरलाल उपाध्याय, अनिल कुमार वाजपेयी, डॉ. मोहन गुप्ता, ओमप्रकाश अग्रवाल तथा बजरंग भगत ने पंडित नरेंद्र मिश्र पर गहरा शोक व्यक्त किया।

एनएमडीसी में विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के मुख्यालय, हैदराबाद में विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन सुधांशु वर्मा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा सभी भविष्य में इसी प्रकार अपने कार्यालयीन कार्य में हिंदी का प्रयोग करें जिससे एनएमडीसी राजभाषा के क्षेत्र में अपना शीर्ष स्थान निरंतर बनाए रखे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेश कुमार गोंड, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। तत्पश्चात रूद्रनाथ मिश्र, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) ने इस विशेष हिंदी कार्यशाला के आयोजन के उद्देश्य एवं रूपरेखा के संबंध में बताया।

कार्यशाला के प्रथम सत्र में रूद्र नाथ मिश्र ने भारत सरकार की राजभाषा नीति पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। तत्पश्चात मो. कमालुद्दीन ने हिंदी पत्राचार एवं शब्दावली पर सत्र लिया तथा प्रतिभागियों को अभ्यास करवाया। कार्यशाला के अगले सत्र में राजेश कुमार गोंड ने राजभाषा हिंदी के आसान उपयोग के विषय में अवगत कराया।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद द्वारा विद्यापतिपर्व-समारोह की तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिथिला सांस्कृतिक परिषद, हैदराबाद के प्रशासी निकाय तथा कार्यकारिणी एवं क्षेत्रीय समितियों की बैठक आयोजित की गई जिसमे आगामी 28 दिसंबर को कोमपल्ली स्थित के.वी.गार्डन में दोपहर दो बजे से आयोजित विद्यापति समारोह के आयोजन संबंधी सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर तैयारियों की समीक्षा की गई।

अध्यक्ष विनय कुमार झा द्वारा क्रमवार उठाए गए प्रत्येक विषय पर सभी संरक्षकगण, प्रशासी निकाय के पदाधिकारी एवं सभी समितियों उपसमितियों के सदस्यों ने अपनी विचारों एवं सुझावों को रखा। विनय कुमार झा ने बताया कि इस वर्ष का 'तिरहुत साहित्य सम्मान' पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता तथा प्रसिद्ध मैथिली साहित्यकार धीरेंद्र कुमार झा को उनके कथासंग्रह 'एखन एतबे' के लिए प्रदान किया जायगा। धीरेंद्र कुमार झा ही समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। साथ ही विशिष्ट अतिथि के रूप मे मैथिली कवि अक्षय आनंद 'सन्नी' को आमंत्रित किया गया है।

इस वर्ष के 'हैदराबाद मैथिल गौरव सम्मान' के लिए दो पूर्व पदाधिकारियों यथा फिरन झा, पूर्व अध्यक्ष एवं किशोर कुमार ठाकुर, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष के नामों को सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। गठित उपसमिति के संयोजक श्रीकांत मिश्र ने बताया कि इस वर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए प्रसिद्ध मैथिली कलाकार सुश्री शिवानी झा एवं उनके दल के कलाकारों कोआमंत्रित किया गया है। वरिष्ठ सलाहकार सत्येंद्र नाथ झा, उपाध्यक्ष सीताराम ठाकुर एवं कार्यकारिणी सदस्य विनोद कुमार झा स्वागत-व्यवस्था हेतु अधिकृत होंगे। रवींद्र कुमार झा एवं राजन कुमार झा को मीडिया व्यवस्था देखेंगे।

आई.टी. एवं इण्डस्ट्री मंत्री डी. श्रीधर बाबू, राजस्व मंत्री पी. श्रीनिवास रेड्डी, ट्रास्टपोर्ट एवं बीसी वेलफेयर मंत्री पुन्नम प्रभाकर, राज्यसभा सदस्य अनिल कुमार यादव, पूर्व सांसद अंजनी कुमार यादव, पूर्व सांसद मधु गौड़ यास्की, एमएलसी विजयशान्ति से भेंट कर महेश बैंक निदेशक मण्डल चुनाव में संस्थापक पैनल ऐतिहासिक जीत की जानकारी देते हुए टीम संस्थापक के रमेश कुमार बंग, सीए मुरलीमनोहर पलोड, अमित लड्डा, दीपक कुमार बंग, देवेन्द्र झँवर, गोविन्दनारायण राठी, कैलाश मंत्री, मनोज लोया, मुकुन्दलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया रुपेश सोनी, श्यामसुन्दर बाहेती, विनोद कुमार बंग, सीए अल्का झँवर, कविता तोषनीवाल साथ में दिनेश बंग, श्रीकान्त बंग, गोपाल असावा, राहुल असावा एवं अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'पुराने संबंधों को ...

उन्होंने कहा कि भारत की आर्थिक विकास दर आठ प्रतिशत से ज्यादा है, जो बेहतर उत्पादकता, मजबूत शासन व्यवस्था और नवाचार पर आधारित नीतियों का नतीजा है। इसके कारण भारत में निवेश और व्यापार के लिए नए अवसर खुल रहे हैं, जिसका फायदा जॉर्डन के निवेशक और कारोबारी भी उठा सकते हैं।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने कहा कि आज दुनिया को एक नए ग्रोथ इंजन और भरोसेमंद सप्लाई चेन की जरूरत है। ऐसे समय में भारत और जॉर्डन मिलकर इस वैश्विक जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने भरोसा जताया कि भारत-जॉर्डन की साझेदारी आने वाले वर्षों में और मजबूत होगी और इससे दोनों देशों के लोगों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

ऑस्ट्रेलिया में आतंकी ...

इसके पीछे संपत्ति और बुजुर्ग माता-पिता से जुड़े पारिवारिक कारणों थे। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक साजिद आखिरी बार 2022 में भारत आया था।

बताया गया है कि वह अपने पिता के निधन के समय भी भारत नहीं आया। परिवार का कहना है कि उन्हें साजिद या नवीद के कट्टरपंथी विचारों या गतिविधियों की कोई जानकारी नहीं थी। इससे पहले फिलीपींस के अधिकारियों के हवाले से बताया था कि साजिद अकरम अपने बेटे नवीद के साथ पिछले महीने 1 नवंबर को फिलीपींस गया था।

इस दौरान साजिद ने इंडियन जबकि उसके बेटे ने ऑस्ट्रेलियन पासपोर्ट का इस्तेमाल किया था। वो लोग एक महीने से हमले की तैयारी कर रहे थे।

सिडनी आतंकी हमले में 3 भारतीय छात्र भी घायल हो गए हैं। शुरूआती रिपोर्ट्स के मुताबिक, कम से कम दो छात्र इस समय अस्पताल में भर्ती हैं। पीएम एंथनी अल्बनीज ने रविवार को सिडनी में यहूदी समुदाय के एक कार्यक्रम में कहा कि हमलावरों की सोच इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) से प्रभावित थी। उन्होंने कहा कि इस आतंकी संगठन से जुड़ी कट्टर सोच ने उन्हें कट्टरपंथी बना दिया था। अल्बनीज ने माना कि इस्लाम की कट्टर व्याख्या एक गंभीर समस्या है।

पुलिस के मुताबिक, 50 साल के हमलावर साजिद अकरम के पास लाइसेंसी बंदूक थी, जिसका इस्तेमाल वह शिकार के लिए करता था। एनएसडब्ल्यू पुलिस कमिश्नर मल लैनयन ने कहा कि साजिद अकरम एक गन क्लब का सदस्य था और राज्य के कानून के तहत उसके पास लाइसेंस था। साजिद अकरम के पास कानूनी रूप से 6 बंदूकें थीं। गोलीबारी के लिए निकलने से पहले बाप-बेटे ने अपने परिवार को कहा था कि वह मछलियां पकड़ने जा रहे हैं। अकरम अपने परिवार के साथ एक किराए के घर में रहता था। हमले के बाद पुलिस ने इस मकान पर छापेमारी की। रिपोर्ट के मुताबिक साजिद अकरम फलों की दुकान चलाता था।

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ...

उन्होंने बताया कि एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) में विभिन्न स्तरों पर करीब तीन लाख पद खाली हैं, जिससे लाखों बच्चों और माताओं को जरूरी सेवाएं नहीं मिल पा रही हैं। राज्यसभा सदस्य ने कहा, यहां तक कि जब ये पद भरे भी जाते हैं, तब भी 2011 के बाद जनगणना के नए आंकड़े न होने के कारण ये आबादी के मानकों से कम पड़ते हैं।

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता ने सरकार से आग्रह किया कि वह राज्यों के साथ मिलकर सभी रिक्त पदों को भरे, सभी कर्मियों को समय पर वेतन सुनिश्चित करे और इन अग्रिम मोर्चे की कार्यकर्ताओं के वेतन में केंद्र का योगदान दोगुना करे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईपीएल ऑक्शन : प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा 14.20 करोड़ में बिके

दोनों को सीएसके ने बेस प्राइस से 47 गुना ज्यादा कीमत में खरीदा; ग्रीन सबसे महंगे विदेशी

अबू धाबी, ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बन गए हैं। उन्हें मंगलवार को अबु धाबी में चल रहे मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 25.20 करोड़ रुपए में खरीदा। ग्रीन ने अपने ही देश के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा। उन्हें 2024 में केकेआर ने ही 24.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। ऋषभ पंत (27 करोड़) इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं।

20 साल के प्रशांत वीर और 19 साल के कार्तिक शर्मा एक समान 14.20-14.20 करोड़ में बिके हैं। दोनों को सीएसक ने 30 लाख की बेस प्राइस से 47 गुना ज्यादा कीमत देकर खरीदा। प्रशांत उत्तर प्रदेश के हैं, जबकि कार्तिक राजस्थान के हैं। इनके अलावा, जम्मू एंड कश्मीर के आकिब नबी डार को 8.40 करोड़ रुपए में में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा। तेज गेंदबाजों के सेट में कोलकाता ने श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना (18 करोड़) को अपने साथ जोड़ा न्यूजीलैंड के जैकब डफी को आरसीबी और एनरिक नॉर्त्या को एलएसजी ने 2-2 करोड़ में खरीदा।

स्पिनर्स रवि बिश्नोई को आरआर ने 7.20 करोड़ में खरीदा। वेंकटेश अय्यर को आरसीबी ने महज 7 करोड़ रुपए में खरीद लिया। उन्हें 2024 के मेगा ऑक्शन में केकेआर ने 23.75 करोड़ में खरीदा था।

ग्रीन को 18 करोड़ रुपए ही मिलेंगे

कोलकाता ने भले ही कैमरन ग्रीन को 25.2 करोड़ में खरीदा है, ग्रीन को 18 करोड़ रुपए ही मिलेंगे। 7.2 करोड़ रुपए बीसीसीआई के वेलफेयर फंड में जमा करा दिए जाएंगे। बीसीसीआई ने पिछले साल ही विदेशी खिलाड़ियों के लिए मिनी ऑक्शन में 18 करोड़ रुपए की अपर लिमिट तय कर दी थी। ताकि विदेशी खिलाड़ी ज्यादा डिमांड का अनुचित फायदा न उठा पाएं।

अक्षर पटेल टी-20 सीरीज से बाहर

बीमारी के कारण आखिरी 2 मैच नहीं खेल सकेंगे

मुंबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चल रही पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज अब एक नए मोड़ पर आ गई है। टीम इंडिया इस वक्त 2-1 से आगे है, लेकिन इसी बढ़त के बीच उसे एक बड़ा झटका लगा है। स्टार ऑलराउंडर अक्षर पटेल सीरीज के आखिरी दो मुकाबलों से बाहर हो गए हैं। बीसीसीआई ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि कर दी है और साथ ही उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया गया है।

अक्षर पटेल इस सीरीज में टीम इंडिया का अहम हिस्सा थे। लेकिन तीसरे टी20 मैच से पहले उनकी तबीयत बिगड़ गई। वह धर्मशाला में खेले गए तीसरे मुकाबले में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं बन सके और अब पूरी तरह से फिट न होने के कारण उन्हें आखिरी दो मैचों से भी बाहर कर दिया गया है।

हालांकि अक्षर टीम के साथ लखनऊ में मौजूद हैं, जहां उनका आगे मेडिकल चेकअप किया जाएगा। बीसीसीआई के मुताबिक, फिलहाल उनकी रिकवरी पर फोकस किया जा रहा है, ताकि भविष्य की सीरीज में वह पूरी तरह तैयार होकर वापसी कर सकें। अक्षर पटेल की गैरमौजूदगी में पुरुष चयन समिति ने अक्षर पटेल के रिप्लेसमेंट के रूप में बंगाल के स्पिनिंग ऑलराउंडर शाहबाज अहमद को लखनऊ और अहमदाबाद में होने वाले मैच के लिए टीम में शामिल किया है।

शाहबाज इससे पहले भारत के लिए तीन वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच सितंबर 2023 में एशियन गेम्स के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ था। टी20 फॉर्मेट में उन्होंने अब तक दो विकेट लिए हैं, हालांकि उन्हें अभी तक बल्लेबाजी का ज्यादा मौका नहीं मिला है। अब यह सीरीज उनके लिए खुद को साबित करने का गोल्डन चांस बन सकती है।

जाबांज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी इस सीरीज के तीसरे मैच का हिस्सा नहीं थे। निजी कारणों से वह अचानक अपने घर लौट गए थे। अच्छी खबर यह है कि आखिरी दो मैचों के लिए उनका नाम स्क्वॉड में शामिल है। यानी उनके टीम से जुड़ने की पूरी संभावना है। हालांकि बीसीसीआई ने बुमराह को लेकर अभी कोई फाइनल अपडेट नहीं दिया है। उनकी गैरमौजूदगी में तीसरे टी20 मैच में हर्षित राणा को मौका मिला था, जिन्होंने जिम्मेदारी संभाली।

भारत ने धर्मशाला में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की और सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। अब चौथा मैच 17 दिसंबर को लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि पांचवां और आखिरी मुकाबला अहमदाबाद में होगा।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी दो मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड में सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद शामिल हैं।

राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में मनु भाकर और सिमरनप्रीत का दबदबा, जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिताओं में दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और विश्व कप फाइनल में स्वर्ण पदक विजेता सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में क्रमशः सीनियर और जूनियर वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

सीनियर महिला वर्ग के फाइनल में मनु भाकर ने 36 अंक हासिल कर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कर्नाटक की दिव्या टी.एस. को चार अंकों से पीछे छोड़ते हुए जीत दर्ज की। दिव्या को 32 अंकों के साथ रजत पदक मिला। अंजलि चौधरी ने 28 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता, जबकि ओलंपियन रिदम सांगवान चौथे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन राउंड में मनु भाकर 581 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहीं, जबकि दिव्या टी.एस. ने 587 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। अंजलि चौधरी ने 582 और रिदम सांगवान ने 579 अंक बनाए।

जूनियर महिला 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में 21 वर्षीय सिमरनप्रीत ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में 39 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। द्वारम प्रनवी ने रजत और हरियाणा की पलक ने कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर क्वालिफिकेशन में पारिशा गुप्ता ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि सिमरनप्रीत 578 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। पलक ने 575 और द्वारम प्रनवी ने 572 अंक बनाए।

महिला 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में महाराष्ट्र की टीम ने 1726 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता। टीम में शीतल प्रीतम देसाई (577), अभिदन्या अशोक पाटिल (575) और राही सरनोबत (574) शामिल रहीं। आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट ने 1722 अंकों के साथ रजत, जबकि हरियाणा की टीम ने 1718 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। जूनियर महिला टीम स्पर्धा में आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट ने स्वर्ण पदक जीता। दिल्ली को रजत और पंजाब को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

आईपीएल 2026 ऑक्शन के सभी सोल्ड खिलाड़ियों की लिस्ट

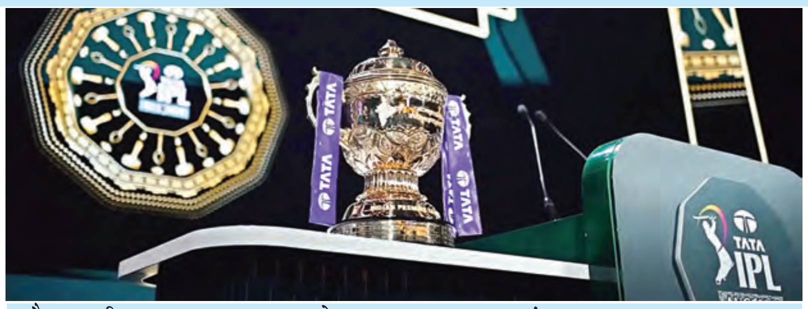

- कैमरन ग्रीन - KKR - 25.2 करोड़
- डेविड मिलर - DC - 2 करोड़
- वअनिंदु हसरंगा - LSG - 2 करोड़
- वेंदकेश अय्यर - RCB - 7 करोड़
- फिन ऐलन - KKR - 2 करोड़
- क्विंटन डी कॉक - MI - 1 करोड़
- बेन डकेट - DC - 2 करोड़
- जेकब डफी - RCB - 2 करोड़
- एनरिच नॉट्र्जे - LSG - 2 करोड़
- मथीशा पथिराना - KKR - 18 करोड़
- रवि बिश्नोई - RR - 7.20 करोड़
- आकिब नबी डार - DC - 8.40 करोड़
- प्रशांत वीर - CSK - 14.20 करोड़
- शिवांग कुमार - SRH - 30 लाख
- कर्तिक शर्मा - CSK - 14.20 करोड़
- मुकुल चौधरी - LSG - 2.60 करोड़
- तेजस्वी सिंह - KKR - 3 करोड़
- अशोक शर्मा - GT - 90 लाख
- कार्तिक त्यागी - KKR - 30 लाख
- नमन तिवारी - LSG - 1 करोड़
- प्रशांत सोलंकी - KKR - 30 लाख
- यश राज पुंजा - RR - 30 लाख
- सुशांत मिश्रा - RR - 90 लाख
- राहुल त्रिपाठी - KKR - 75 लाख
- पथुम निसांका - DC - 4 करोड़
- टिम सेफ़र्ट - KKR - 1.5 करोड़
- जेसन होल्डर - GT - 7 करोड़
- मैथ्यू शार्ट - CSK - 1.5 करोड़
- विग्नेश पुथुर - RR - 30 लाख
- मुस्तफिजुर रहमान- KKR - 9.20 करोड़
- दानिश मालेवार - MI - 30 लाख
- सात्विक देशवाल - RCB - 30 लाख
- अक्षत रघुवंशी - LSG - 2.20 करोड़
- अमन खान - CSK - 40 लाख
- मंगेश यादव - RCB - 5.20 करोड़
- सलिल अरोड़ा - SRH - 1.5 करोड़
- रवि सिंह - RR - 95 लाख
- शाकिब हुसैन - SRH - 30 लाख
- मोहम्मद इजहार - MI - 30 लाख
- ओंकार तलमले - SRH - 30 लाख
- कूपर कोनोली - PBKS - 3 करोड़

अर्जुन रणतुंगा जाएंगे जेल : श्रीलंका को विश्व कप जिताने वाले कप्तान पर भ्रष्टाचार का आरोप

कोलंबो, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका को 1996 का क्रिकेट वर्ल्ड कप जिताने वाले कप्तान अर्जुन रणतुंगा का भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना तय है। रणतुंगा से जुड़े भ्रष्टाचार के ये मामले तब के हैं जब वो श्रीलंका सरकार में पेट्रोलियम उद्योग मंत्री थे। इस आरोप में अर्जुन रणतुंगा के अलावा उनके बड़े भाई दम्मिका को भी दोषी पाया गया है। दम्मिका तब सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष थे। भ्रष्टाचार के आरोप में पुलिस ने रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को 15 दिसंबर को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत भी मिल गई।

अर्जुन रणतुंगा के भाई दम्मिका पर मजिस्ट्रेट ने फिलहाल के लिए ट्रेवल बैन लगा दिया है। मतलब वो कोर्ट के आदेश के बिना कहीं आ जा नहीं सकते। दम्मिका के पास श्रीलंका और यूनाइटेड स्टेट की दोहरी नागरिकता है। इस मामले में अब अगली सुनवाई 13 मार्च 2026 को होगी।

भ्रष्टाचार जांच आयोग ने बताया कि 63 वर्षीय दम्मिका को 2017 में सरकारी संस्था सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के लिए कच्चे तेल की खरीद में गलत निविदा प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीपीसी को 80 करोड़ श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ था।

मामले की जांच कर रही भ्रष्टाचार कमिशन ने कोलंबो में मजिस्ट्रेट के सामने बताया कि दम्मिका के छोटे भाई अर्जुन रणतुंगा इस केस के दूसरे आरोपी हैं और वो फिलहाल देश से बाहर हैं। ऐसे में उनकी वापसी पर ही उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा।

अर्जुन रणतुंगा और उनके भाई पर चल रहा केस देश की मौजूदा सरकार की जांच प्रक्रिया का नतीजा है। श्रीलंका में 2024 में अनुरा कुमारा दिसानायके की अध्यक्षता में नई सरकार का गठन हुआ है। इस सरकार ने देश की जनता से भ्रष्टाचार का अंत करने का वादा किया है।

वेंकटेश अय्यर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में बनाया अपना सबसे बड़ा स्कोर

कोलकाता, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। वेंकटेश अय्यर ने कमाल ही कर दिया। जिस रोज उधर अबू धाबी में आईपीएल 2026 के लिए ऑक्शन होना है। उस ऑक्शन में उनके नाम की बोली लगने वाली है। उस दिन इधर भारत में उन्होंने बल्ले से धमाल मचा दिया है। वेंकटेश अय्यर ने 16 दिसंबर को यानी आईपीएल ऑक्शन वाले दिन ही पंजाब के खिलाफ खेलते हुए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। बाएं हाथ के ऑलराउंडर ने ये धमाका अपनी टीम मध्य प्रदेश के लिए ओपनिंग करते हुए किया है।

आईपीएल 2026 के ऑक्शन में वेंकटेश की बेस प्राइस 2 करोड़

वेंकटेश अय्यर पिछले सीजन केकेआर का हिस्सा थे। लेकिन आईपीएल 2026 के ऑक्शन से पहले केकेआर फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिलीज कर दिया था। अब केकेआर 2026 के ऑक्शन में उतरे वेंकटेश अय्यर ने अपनी बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखी है।

वेंकटेश अय्यर ने 16 दिसंबर को पंजाब के खिलाफ सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में 162 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से रन बनाए। उन्होंने 43 गेंदों पर 8 चौके और 2 छक्के मारते हुए 70 रन जड़े, जो कि टूर्नामेंट के इस सीजन में उनका सबसे बड़ा स्कोर है और दूसरा अर्धशतक है। इससे पहले उनका बड़ा स्कोर 55 रन का था।

ऑक्शन वाले दिन खत्म की लगातार 7 पारियों की नाकामी

बिहार के खिलाफ खेली उस 55 रन की पारी के बाद वेंकटेश सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 में खेली 7 लगातार पारियों में फिफ्टी प्लस स्कोर बना पाने में नाकाम रहे। लेकिन, बड़ी बात ये है कि उस नाकामी को खत्म करने के लिए उन्होंने दिन आईपीएल 2026 के ऑक्शन का चुना।

वेंकटेश अय्यर का आईपीएल रिकॉर्ड

आईपीएल में वेंकटेश अय्यर के अब तक के रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने केकेआर के लिए 6 सीजन में 62 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 1 शतक और 12 अर्धशतक के साथ 1468 रन बनाने के अलावा उन्होंने 3 विकेट चटकाए हैं। आईपीएल 2025 के ऑक्शन में केकेआर ने उन पर 23 करोड़ रुपये खर्च किए थे मगर उसका रिजल्ट उसे उस तरीके से नहीं मिला था। अब देखना ये है कि इस बार भी केकेआर ही उन पर दांव लगाती है या कोई और फ्रेंचाइजी।

वंतारा दौरे के साथ मेसी ने भारत को कहा अलविदा

यादों और सम्मान के साथ इंडिया टूर समाप्त

जामनगर, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। फुटबॉल जगत के महान खिलाड़ी लियोनल मेसी ने मंगलवार को गुजरात के जामनगर एयरपोर्ट से भारत से विदाई ली। इससे पहले मेसी ने अनंत अंबानी के आमंत्रण पर वंतारा वन्यजीव बचाव और संरक्षण केंद्र का दौरा किया। जामनगर, मेसी के इंडिया टूर 2025 का अंतिम पड़ाव रहा, जिसके साथ उनका बहुप्रतीक्षित भारत दौरा औपचारिक रूप से समाप्त हो गया।

इंडिया टूर 2025 के दौरान मेसी ने भारत के चार प्रमुख शहरों, कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा किया। इस ऐतिहासिक यात्रा का ग्रैंड फिनाले 15 दिसंबर को नई दिल्ली में हुआ, जहां भारी संख्या में प्रशंसकों की मौजूदगी ने आयोजन को यादगार बना दिया। यह मेसी का पहला मल्टी-सिटी इंडिया टूर था, जिसने भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह पैदा किया।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम इस दौरे का मुख्य आकर्षण रहा। यहां मिनर्वा मेसी ऑल स्टार्स और सेलेब्रिटी मेसी ऑल स्टार्स के बीच एक सेलेब्रिटी फुटबॉल मैच खेला गया। मैच के बाद मेसी मैदान पर आए और दोनों टीमों के खिलाड़ियों से संक्षिप्त बातचीत की। इसके बाद मेसी ने युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के साथ समय बिताया और लुईस सुआरेज और रोड्रिगो डी पॉल के साथ पासिंग करते नजर आए, जिसने उभरते खिलाड़ियों के लिए यह पल अविस्मरणीय बना दिया।

सम्मान समारोह में दिग्गजों की मौजूदगी

कार्यक्रम का समापन एक भव्य स्टेज सेरेमनी के साथ हुआ, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। आईसीसी चेयरमैन जय शाह, डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली और पूर्व भारतीय फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया भी इस मौके पर शामिल हुए। जय शाह ने मेसी, सुआरेज और डी पॉल को विशेष रूप से तैयार की गई भारतीय क्रिकेट जर्सी भेंट की, वहीं भारतीय दिग्गज क्रिकेटरों द्वारा हस्ताक्षरित एक स्मारक क्रिकेट बैट भी मेसी को सौंपी गई।

मुंबई में मेसी ने वानखेड़े स्टेडियम में शिरकत की, जहां उन्होंने सुनील छेत्री और सचिन तेंदुलकर से मुलाकात की। हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेसी ने 7-ऑन-7 एग्ज़ीबिशन मैच खेला और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी व राहुल गांधी से भी मुलाकात की। हालांकि कोलकाता में मेसी का पहला पड़ाव अव्यवस्था की भेंट चढ़ गया, जहां वीआईपी मूवमेंट को लेकर दर्शकों में नाराजगी देखी गई।

अंडर-19 एशिया कप : अभिज्ञान कुंडू ने 121 गेंदों पर दोहरा शतक ठोका

दुबई, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम का मुकाबला मलेशिया से हो रहा है। दुबई के द सेवेंस स्टेडियम में मलेशिया ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत के लिए 5वें नंबर पर बैटिंग करने उतरे विकेटकीपर बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने शानदार दोहरा शतक लगा दिया है। इसके साथ ही वह अंडर-19 एशिया कप में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए। इससे पहले यह रिकॉर्ड वैभव सूर्यवंशी के नाम था। उन्होंने यूएई के खिलाफ मैच में 171 रन बनाए थे।

मुंबई के खिलाड़ी अभिज्ञान कुंडू ने सिर्फ 80 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। उनकी उम्र अभी सिर्फ 17 साल की है। 11 चौके के साथ ही शतक तक पहुंचने के दौरान उन्होंने एक छक्का भी लगाया। इसके बाद उन्होंने और विस्फोटक बैटिंग शुरू कर दी। 121 गेंदों पर उन्होंने अपने 200 रन पूरे कर लिए। 16 चौके और 9 छक्कों की मदद से वह दोहरा शतक तक पहुंचे। वह अंडर-19 एशिया कप में दोहरा शतक लगाने वाले पहले भारतीय हैं।

एडिलेड टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया में बदलाव: दो दिग्गजों की टीम में वापसी

एडिलेड, 16 दिसंबर (एजेंसियां)। 2025–26 एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ी राहत मिली है। कप्तान और तेज गेंदबाज़ पैट कमिंस चोट से उबरकर टीम में लौट आए हैं। यह मुकाबला 17 से 21 दिसंबर के बीच एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। कमिंस पहले दो टेस्ट स्ट्रेस इंजरी के कारण नहीं खेल पाए थे, जिनमें उनकी अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ ने कप्तानी संभाली थी।

कमिंस के साथ-साथ अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की भी प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई है। लियोन ने ब्रिस्बेन में खेले गए दूसरे टेस्ट में हिस्सा नहीं लिया था। इन दोनों दिग्गजों को शामिल करने के लिए माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर रखा गया है। खास तौर पर नेसर का बाहर होना चौंकाने वाला रहा, क्योंकि उन्होंने ब्रिस्बेन टेस्ट की दूसरी पारी में पांच विकेट झटके थे।

चोट से उबरने के बावजूद उस्मान ख्वाजा को तीसरे टेस्ट के लिए टीम में जगह नहीं मिली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन ने ओपनिंग में ट्रेविस हेड और जेक वेदराल्ड की जोड़ी पर भरोसा बनाए रखने का फैसला किया है। कमिंस ने चयन पर बात करते हुए कहा कि ख्वाजा समेत बाहर किए गए सभी खिलाड़ी फैसले को खेल भावना के साथ स्वीकार कर रहे हैं।

पैट कमिंस ने कहा, 'वह (ख्वाजा) एक टीम मैन हैं और टीम को जो चाहिए, वह करेंगे। सिर्फ ख्वाजा ही नहीं, ब्यू वेबस्टर तीनों टेस्ट से बाहर रहे हैं। नेसर पांच विकेट लेकर आ रहे हैं और डॉगेट ने पहले दो टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन किया। सभी टीम के माहौल में शानदार रहे हैं। एशेज जीतने के लिए हमें पूरी स्क्वॉड की जरूरत होती है।' कमिंस ने यह भी साफ किया कि जरूरत पड़ने पर ख्वाजा की टीम में वापसी का रास्ता खुला हुआ है।

उधर, इंग्लैंड ने एडिलेड टेस्ट के लिए अपनी प्लेइंग इलेवन की घोषणा करते हुए एक बदलाव किया है। तेज गेंदबाज गस एटकिंसन की जगह जॉश टंग को शामिल किया गया है। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लिश टीम इस मुकाबले में हर हाल में जीत की तलाश में उतरेगी, क्योंकि वह सीरीज़ में 2-0 से पिछड़ चुकी है।

जीएसटी सुधार दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करने वाला : निर्मला सीतारमण

सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की दिशा में जीएसटी सुधार पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली/हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। देशभर में लागू किए गए वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार भारत की आर्थिक संरचना को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करने वाले हैं। यह विचार केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की दिशा में जीएसटी सुधार पुस्तक के विमोचन अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक जीएसटी सुधारों का सामाजिक न्याय, कल्याण और विकास के दृष्टिकोण से गंभीर, संतुलित और तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है। नीति, शासन और अर्थव्यवस्था को समझने के लिए यह एक प्रामाणिक एवं संदर्भ योग्य कृति है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि जीएसटी सुधारों का उद्देश्य भेदभाव-मुक्त आर्थिक ढांचा तैयार करना, राष्ट्रीय एकीकरण को सशक्त बनाना और कर व्यवस्था में समानता सुनिश्चित करना है। उन्होंने पुस्तक के लेखक डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव की सराहना करते हुए कहा कि पुस्तक में सुधारों का निष्पक्ष एवं गहन मूल्यांकन किया गया है तथा ऐसी शोध-आधारित पुस्तकों के अधिक प्रकाशन की आवश्यकता है। यह पुस्तक संसद भवन (जी-9) स्थित आधिकारिक कक्ष में केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्यसभा सांसद एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.के. लक्ष्मण तथा तेलंगाना राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं लेखक डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव की उपस्थिति में विमोचित की गई। इस अवसर पर श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि जीएसटी सुधारों ने सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करने, कल्याणकारी योजनाओं की प्रभावशीलता बढ़ाने और समावेशी विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक नीति-निर्माताओं, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों और जागरूक नागरिकों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि और सुधारों के मूल उद्देश्य को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी केवल कर सुधार नहीं, बल्कि जनजीवन के स्तर को स्थायी रूप से बेहतर बनाने वाली एक संरचनात्मक पहल है। डॉ.के. लक्ष्मण ने कहा कि केंद्र सरकार की सुधारात्मक नीतियों को सरल भाषा में आम जनता तक पहुंचाने का कार्य इस पुस्तक के माध्यम से प्रभावी ढंग से किया गया है। उन्होंने जीएसटी को देश के आर्थिक इतिहास का एक ऐतिहासिक परिवर्तन बताया। पुस्तक के लेखक डॉ. वकुलाभरणम कृष्ण मोहन राव ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री के हाथों पुस्तक का विमोचन उनके लिए सम्मान और गौरव का विषय है।

बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा पर पुलिस आयुक्त की सख्त चेतावनी

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बुजुर्ग माता-पिता की उपेक्षा और उन्हें छोड़ देने के मामलों पर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्य किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं हैं और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी बात रखते हुए आयुक्त ने कहा कि कई मामलों में यह देखा गया है कि जब माता-पिता बीमार या कमजोर हो जाते हैं, तो उनके अपने बच्चे ही उन्हें अकेला छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता की देखभाल करना बच्चों की मूल जिम्मेदारी है। यह न तो कोई एहसान है और न ही बोझ, बल्कि नैतिक कर्तव्य है। आयुक्त ने चेतावनी दी कि बच्चों का व्यवहार आने वाली पीढ़ियों के लिए उदाहरण बनता है, इसलिए परिवारों को बुजुर्गों की गरिमा और सम्मान बनाए रखना चाहिए। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि उपेक्षा का सामना कर रहे वरिष्ठ नागरिकों को पुलिस का पूरा सहयोग मिलेगा। ऐसे बुजुर्ग माता-पिता सीधे पुलिस से संपर्क कर सकते हैं, ताकि उन्हें सुरक्षा, सम्मान और न्याय मिल सके।

नलगोंडा मतदान विवाद में 12 अधिकारी निलंबित

नाले में मिले बैलेट पेपर का मामला गरमाया

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले के चित्याल मंडल के चिन्नाकापरथी गांव में हुए पंचायत चुनावों के बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। सरपंच पद के एक उम्मीदवार के पक्ष में डाले गए बैलेट पेपर नाले में फेंके हुए पाए गए। इस घटना से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए। पूर्व मंत्री व विधायक जगदीश रेड्डी, पूर्व राज्यसभा सदस्य लिंगैया यादव तथा पूर्व विधायक चिरुमूर्ति लिंगैया और कंचरला भूपाल रेड्डी ने उच्च अधिकारियों से शिकायत दर्ज कराते हुए चुनाव अधिकारियों की लापरवाही और जानबूझकर की गई अनियमितताओं का आरोप लगाया। जिला कलेक्टर ने तत्काल विस्तृत जांच के आदेश दिए। पहले ही रिटर्निंग ऑफिसर को निलंबित किए जाने के बाद प्रशासन ने और सख्त कदम उठाते हुए एमपीडीओ जयलक्ष्मी और स्टेज-2 अधिकारी विजय कुमार सहित 12 अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया के उल्लंघन के आरोप में निलंबित कर दिया। जिम्मेदारी तय करने के लिए जांच जारी है।

जीएचएमसी परिसीमन पर आपत्तियों की जांच के लिए बनेगी समिति

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आरवी कर्णन ने मंगलवार को कहा कि 300 वार्डों के परिसीमन को लेकर प्राप्त आपत्तियों और सुझावों की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया जाएगा। जीएचएमसी मुख्यालय में हुई विशेष परिषद बैठक में उन्होंने बताया कि 10 से 17 दिसंबर के बीच कुल 3,002 आपत्तियां और सुझाव मिले हैं। अधिसूचित 300 वार्डों के नागरिक बुधवार तक अपनी आपत्तियां और सुझाव दे सकते हैं।

आयुक्त के अनुसार, प्राप्त आवेदनों में करीब 30 प्रतिशत वार्ड की सीमाओं और नाम बदलने से जुड़े हैं। लगभग 15 प्रतिशत अतिरिक्त वार्ड और मतदान केंद्रों की मांग से संबंधित हैं, जबकि करीब 50 प्रतिशत आपत्तियां प्रत्येक वार्ड के विस्तृत मानचित्रों को लेकर हैं। मंडलवार नक्शे तैयार करने के लिए मुख्य नगर योजनाकार की अध्यक्षता में एक तकनीकी समिति बनाई गई है, जिसमें सहायक नगर योजनाकारों को शामिल किया गया है।

आयुक्त ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा जीएचएमसी क्षेत्र के विस्तार के बाद निगम का क्षेत्रफल 650 वर्ग किलोमीटर से बढ़कर 2,050 वर्ग किलोमीटर हो गया है और जनसंख्या 1.12 करोड़ से बढ़कर 1.34 करोड़ हो गई है। परिसीमन की प्रक्रिया सुशासन केंद्र द्वारा पूरी की गई है। बैठक के दौरान बीआरएस नेताओं ने परिसीमन का विरोध किया। सनथ नगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने परिसीमन पर परिषद में मतदान कराने और वार्डों का भौतिक सर्वे कराने की मांग की। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने भी प्रक्रिया पर सवाल उठाए। वहीं एआईएमआईएम विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला ने आरोप लगाया कि परिसीमन उनकी पार्टी को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया है।

विजय दिवस पर वीर सैनिकों को दी गई श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में भारतीय सेना की जीत की याद में विजय दिवस के अवसर पर मंगलवार को वीरुला सैनिक स्मारक पर पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया गया।

इस दौरान देश के लिए शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और तेलंगाना एवं आंध्र उपक्षेत्र के जीओसी मेजर जनरल अजय मिश्रा ने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्रालय के अधिकारी, पूर्व सैनिक और शहीदों के परिजन भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राज्यपाल ने अपने संबोधन में देश की रक्षा के लिए लड़ने वाले सैनिकों की वीरता और बलिदान को याद किया।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सशस्त्र बलों के त्याग को हमेशा सम्मान के साथ याद रखा जाना चाहिए। मेजर जनरल मिश्रा ने कहा कि भारतीय सेना देश की सुरक्षा और एकता की रक्षा के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के माध्यम से भारतीय सैनिकों की बहादुरी और देशभक्ति को नमन किया गया।

स्थानीय निकाय चुनावों के अंतिम चरण के लिए तैयारियां पूरी

आदिलाबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व आदिलाबाद जिले में बुधवार को होने वाले स्थानीय निकाय चुनावों के तीसरे और अंतिम चरण के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। इस चरण में जिले के चार जिलों के 446 ग्राम पंचायतों में मतदान होगा। जानकारी के अनुसार, आदिलाबाद जिले के छह मंडलों के 120 गांवों और 1,220 वार्डों में सरपंच के चुनाव होंगे। मंचरियाल के पांच मंडलों के 98 गांवों और 868 वार्डों, निर्मल के पांच मंडलों के 124 गांवों और 791 वार्डों, तथा कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के चार मंडलों के 104 गांवों और 744 वार्डों में मतदान कराया जाएगा।

मतदाता सुरक्षा और मतदान की सुचारू प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए सभी गांवों में मतपत्र और पेटी जैसी आवश्यक सामग्री भेज दी गई है। मतदान कर्मी शाम तक अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंच जाएंगे, जहां पुलिस बल भी तैनात किया गया है।

इंटरमीडिएट प्रैक्टिकल परीक्षाओं में लागू होगा जंबलिंग सिस्टम

हैदराबाद, 16 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन ने इस शैक्षणिक वर्ष से प्रैक्टिकल परीक्षाओं में जंबलिंग सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत इंटरमीडिएट के छात्र अब अपनी ही कॉलेज की प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि दूसरे कॉलेज में प्रैक्टिकल परीक्षा देंगे। इस व्यवस्था के अनुसार, एक जूनियर कॉलेज के छात्रों को 2 फरवरी 2026 से शुरू होने वाली प्रैक्टिकल परीक्षाओं के लिए किसी अन्य कॉलेज में परीक्षा केंद्र आवंटित किया जाएगा। अब तक यह प्रणाली केवल थ्योरी परीक्षाओं में ही लागू थी।

शुरूआत में यह व्यवस्था सरकारी जूनियर कॉलेजों में लागू की जाएगी। छात्रों को ऐसे कॉलेजों में भेजा जाएगा, जहां सभी जरूरी प्रयोगशाला सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि संसाधनों की कमी से कोई परेशानी न हो। इसके साथ ही, प्रैक्टिकल परीक्षाएं सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में कराई जाएंगी। सभी कॉलेजों को प्रयोगशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाने और उन्हें टीजी बीआईई के कंट्रोल सेंटर से जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रैक्टिकल परीक्षाएं 2 से 21 फरवरी तक, रविवार सहित, दो सत्रों में होंगी। पहला सत्र सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक और दूसरा सत्र दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक रहेगा। विज्ञान विषयों से पहले अंग्रेजी की प्रैक्टिकल परीक्षाएं 21 और 22 जनवरी को होंगी। नैतिकता एवं मानवीय मूल्य परीक्षा 23 जनवरी को और पर्यावरण शिक्षा की परीक्षा 24 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रैक्टिकल परीक्षाओं की तिथियां जेईई मेन 2026 से टकराती हैं, तो ऐसे छात्रों के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.